धनबाद
सोमवार 01.12.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-276 पृष्ठ- 12
अग्रहण शुक्ल पक्ष-11
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक
बिहार ऑबजर्वर

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने धनबादवासियों को दिया स्वास्थ्य सेवाओं का उपहार

कई स्वास्थ्य योजनाओं का किया शुभारंभ, सदर अस्पताल व एसएनएमएमसीएच का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : राज्य के विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सदर अस्पताल तथा एसएनएमएमसीएच का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सदर अस्पताल के सभी व्यवस्थाओं को देखा।

उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में कई सकारात्मक बदलाव दिखे हैं, साफ सफाई भी काफी अच्छी है साथ ही भवन में कई कार्य भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने जितना सोचा था उससे भी काफी बेहतर सदर अस्पताल हो चुका है। उपायुक्त आदित्य रंजन ने डीएमएफटी तथा सीएसआर का भी प्रयोग कर अच्छे कार्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए हैं।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि धनबाद सदर अस्पताल में पिछले ६ महीने में काफी बदलाव हुए हैं, जिसका नतीजा है कि यहां पहले की तुलना में मरीज की संख्या बढ़ी है। इसके अलावा ऑपरेशन की भी संख्या में वृद्धि देखी गई है। यह एक अच्छी शुरुआत है और आने वाली समय में सारी सुविधाएं इस अस्पताल में देखने को मिलेगी। चिकित्सकों की कमी भी राज्य स्तर से जल्द से जल्द दूर किए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव ने निरीक्षण के दौरान सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था को संतोषजनक पाया। साथ ही उन्होंने उपायुक्त आदित्य रंजन के द्वारा किये गए प्रयासों की भी सरहाना की।

उन्होंने सदर अस्पताल के निरीक्षण के दौरान बताया कि १६ करोड़ की लागत से सदर अस्पताल के कैंपस का सौन्दर्यीकरण कार्य होना है जिसमें कई भवन भी बनने हैं। जिसके बाद सदर अस्पताल १०० बेड से डेढ़ सौ बेड का अस्पताल हो जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि सदर अस्पताल कैंपस में ही पीपीपी मोड यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप में मेडिकल कॉलेज भी बनना है जिसकी स्वीकृति भारत सरकार से मिल भी चुकी है और राज्य सरकार से इसकी स्वीकृति प्रक्रिया में है। मेडिकल कॉलेज बन जाने से पूरा अस्पताल ४२० बेड का हो जायेगा।

इसके उपरांत उन्होंने एसएनएमएमसीएच का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पीजी बिल्डिंग को चालू कर पुराने बिल्डिंग में ओपीडी को शिफ्ट करना, इसके अलावा सुपर स्पेशलिटी वार्ड चालू करना, सीसीपी बिल्डिंग चालू करना, सुपर स्पेशियलिटी सर्विसेज शुरू करना यह सारी प्राथमिकता है जो कि जल्द से जल्द शुरू की जाएगी। इसके लिए राज्य स्तर से कार्य किए जा रहे हैं। सुपर स्पेशलिस्ट सर्विसेज को चालू करने हेतु जिन सुपर स्पेशलिस्ट की आवश्यकता होती है उनकी लिस्टिंग करके जेपीएससी को भेजी जा चुकी है ताकि जल्द से जल्द नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर सुपर स्पेशलिटी सर्विसेज को शुरू किया जा सके।

उन्होंने कहा कि अगले साल यूजी में कम से कम ५० सीटें बढ़ाई जाएगी, ऐसे प्रतिवर्ष ५०-५० करके आने वाले ५ सालों में ढाई सौ सीटें बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा पीजी में भी १०० सीटों का लक्ष्य रखा गया है जो कि अगले ५ सालों में लगभग १०० सिम पीजी में भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही साथ बेड की संख्या की अगर बात करें तो उसका भी लक्ष्य रखा गया है। साढे.आठ सौ बेड अस्पताल में उपलब्ध रहेंगे। हमारी प्राथमिकता है कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की कमी न हो, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुदृढ़ीकरण हो, आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

मौके पर सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा, अधीक्षक एसएनएमएमसीएच, सदर उपाधीक्षक डॉक्टर संजीव कुमार समेत सभी विभाग के एचओडी डॉक्टर मौजूद रहे।

पत्रकारों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देगी झारखण्ड सरकार : अजय कुमार सिंह

नये प्रेस क्लब भवन को धनबाद प्रेस क्लब को सौंपने के मामले में डीसी से करेंगे बात

धनबाद (कासं) : झारखण्ड सरकार के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय अजय कुमार सिंह से आज प्रात: धनबाद परिसदन में पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल ने मिलकर उन्हें पत्रकारों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य बीमा को लागू करवाने की मांग पत्र सौंपा।

साथ ही धनबाद प्रेस क्लब के नये भवन को पत्रकारों के संगठन धनबाद प्रेस क्लब के शीघ्र देने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व धनबाद प्रेस क्लब के संरक्षक सदस्य और बिहार ऑबजर्वर अखबार के सम्पादक सह झरिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष गणेश मिश्रा ने की। पत्रकारों ने दैनिक जागरण के पत्रकार सह धनबाद प्रेस क्लब के सचिव मोहन गोप और प्रेस क्लब के सदस्य वीरेन्द्र राय आदि पत्रकारों की समस्याओं से अवगत कराया। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह जो कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं और झारखण्ड में न्यायप्रिय अधिकारियों के रूप में उनकी चर्चा होती है। धनबाद का बिरसा मुंडा पार्क भी उन्हीं की देन है।

धनबाद की जनता और यहां के विकास पर उनका ध्यान उस समय भी था जब वो नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव थे। उनके समय धनबाद नगर निगम द्वारा कई विकास के कार्य किए गए। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सम्पादक गणेश मिश्रा और पत्रकारों को कहा कि झारखण्ड सरकार पत्रकारों के स्वास्थ्य लाभ

बिहार ऑबजर्वर के सम्पादक गणेश मिश्रा के नेतृत्व में मिला पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल

के लिए नई योजना बनाएगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना पर विचार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी कर रहे हैं। जैसे ही सरकार का आदेश आता है उसे पत्रकारों के हित में लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने पत्रकारों को कहा कि झारखण्ड के सभी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पत्रकारों के चिकित्सा सुविध पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि पत्रकार सरकार और जनता का बीच का सेतु का काम करता है।

उत्तराखंड में आया 3.7 का भूकंप, डर से लोग मैदान की तरफ भागे, कोई नुकसान नहीं

चमोली (ईएमएस): उत्तराखंड के चमोली जिले में रविवार सुबह हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर ३.७ मापी गई। अचानक धरती हिलने से घबराए लोग घरों से बाहर आ गए। हालांकि किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के मुताबिक इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर ३.७ दर्ज की गई जिसे हल्की तीव्रता वाला भूकंप माना जाता है। यह घटना सुबह १०:२७ बजे की बताई जा रही है।

मत्स्य विभाग ने अवैध रूप से पाली 2.4 टन अफ्रीकी मछली की जब्त

पुणे (ईएमएस): महाराष्ट्र मत्स्य विभाग ने पुणे जिले के उजानी जलाशय के पश्च जल में अवैध रूप से पाली गई २.४ टन अफ्रीकी मछली जब्त की है और इसके भंडार को नष्ट कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इंदापुर के कलथान नंबर दो गांव में गुरुवार को यह कार्रवाई की गई। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों ने पाया कि मत्स्य पालन केंद्र के मालिकों को पूर्व में दी गई चेतावनी के बावजूद मछली की प्रतिबंधित प्रजातियों का पालन किया जा रहा था। मत्स्य पालन सहायक आयुक्त के नेतृत्व में एक टीम ने अभियान चलाया। अफ्रीकी मछली को आमतौर पर अफ्रीकी मांगुर के रूप में जाना जाता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरु कर दी है।

खाड़ी देश भागने वाली थी डॉ. शाहीन

फरीदाबाद (ईएमएस): दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन सईद ब्लास्ट के बाद खाड़ी देश में जाकर पाकिस्तानी हैंडलर से मिलने वाली थी। इसके लिए शाहीन नया पासपोर्ट बनवा रही थी। उसने दिल्ली ब्लास्ट से ७ दिन पहले पासपोर्ट वेरिफिकेशन कराया, लेकिन पुलिस पासपोर्ट से संबधित रिपोर्ट को जमा नहीं करा पाई, जिस कारण शाहीन को देश से निकलने का मौका नहीं मिला।

आज से संसद का शीतकालीन सत्र, हंगामेदार रहने के आसार

सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने दिल्ली ब्लास्ट, एसआईआर जैसे कई मुद्दे उठाए, सरकार के सामने होगी चुनौती

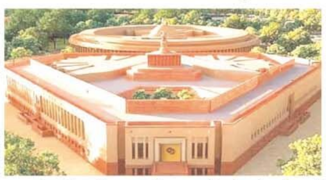

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। शीतकालीन सत्र १९ दिसंबर तक चलेगा। एक तरफ जहां

एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

सरकार इस दौरान सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र, उच्च शिक्षा ढांचा सुधार और कॉरपोरेट/शेयर बाजार विनियम समेत १० महत्त्वपूर्ण विधेयक रखने जा रही है। वहीं, दूसरी ओर विपक्ष स्क्रूक के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारियों में है।

दरअसल, सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने संबंधी विधेयक के साथ अपने सुधार एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। वहीं, विपक्ष द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के मुद्दे के अलावा १२ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की संभावना है। पार्लियामेंट में १९ दिनों में १५ बैठकें होनी हैं।

१५ बैठकों वाले इस सत्र में सरकार १४ अहम विधेयक पेश करने जा रही है। इनमें दिवाला कानून, बीमा कानून, सिक्योरिटीज मार्केट, कॉर्पोरेट कानून, राष्ट्रीय राजमार्ग, उच्च शिक्षा आयोग, एटॉमिक एनर्जी, जीएसटी, और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सेस बिल तक शामिल हैं। वित्तीय कामकाज के तहत पूरक अनुदान मांगों पर चर्चा और अनुमोदन भी होगा। शीतकालीन सत्र से पहले सरकार ने रविवार को सभी दलों की बैठक बुलाई है, जहां इस बार के विधायी एजेंडा पर भी चर्चा होगी। विपक्ष की ओर से चुनावी रोल संशोधन, दिल्ली ब्लास्ट और विदेशी नीति से जुड़े मुद्दों को उठाने की तैयारी है, लेकिन संसद में सरकार ▶▶ 8

लाल आतंक को फिर बड़ी चोट, 65 लाख के इनामी 37 नक्सलियों ने किया सरेंडर

जगदलपुर (ईएमएस): छत्तीसगढ के दंतेवाड़ा जिले में ३७ नक्सलियों ने सरेंडर किया है। मिनपा जैसी घटना में शामिल नक्सली ने अपने ३६ साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया है। इस समर्पण के साथ ही एक और टीम बिखरती हुई नजर आ रही है, इन सभी नक्सलियों के ऊपर ६५ लाख का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि पूना मारगेम जिसका अर्थ पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल पर भरोसा जताते हुए नक्सली हिंसा का मार्ग छोड़कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपना रहे हैं और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे है।

समर्पण करने वाले नक्सलियों में कुछ वर्ष पहले मिनपा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर २६ जवानों के बलिदान होने और २० जवानों को घायल कर हथियार एवं एम्युनिशन लूटने की घटना में शामिल माओवादी ने भी सरेंडर ▶▶ 8

बिना सिम नहीं चला सकेंगे व्हाट्सएप और टेलिग्राम जैसे ऐप, सरकार ने दी 90 दिन की मोहलत

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप्स के उपयोग में बड़ा बदलाव करते हुए नई शर्तें लागू कर दी है। व्हाट्सएप, टेलिग्राम, सिग्नल, स्नैपचैट, शेयरचैट, जियोचैट, अरात्ताई, जोश जैसे सभी ऐप अब तभी काम कर सकेंगे, जब यूज़र के मोबाइल में सक्रिय सिम कार्ड मौजूद होगा। यह आदेश दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर से दूरसंचार साइबर सुरक्षा (संशोधन) नियम, २०२५ के तहत जारी किया गया है। सरकार ने कहा है, कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा। वहीं इस आदेश के अनुसार अब ऐप कंपनियों को ९० दिनों के भीतर नई व्यवस्था लागू करनी होगी और १२० दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट ▶▶ 8

चुनाव आयोग और टीएमसी में टकराव, पश्चिम बंगाल में सियासी जंग का जरिया बना एसआईआर

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अब पूरी तरह राजनीतिक जंग का मैदान बन चुका है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर खुलेआम हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि एसआईआर के नाम पर राज्य में लाखों वैध मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, खासकर सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की आड़ में अल्पसंख्यक और गरीब वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है।

टीएमसी का सबसे गंभीर आरोप यह है कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक राज्य में ४० लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) भी शामिल है। पार्टी ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से ▶▶ 8

एसआईआर की डेडलाइन 7 दिन बढ़ाई गई

12 राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन 11 दिसंबर तक चलेगा; फाइनल लिस्ट 14 फरवरी को जारी होगी

नई दिल्ली (ईएमएस): चुनाव आयोग ने १२ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है। आयोग ने शनिवार को कहा कि अब अंतिम मतदाता सूची १४ फरवरी २०२६ को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब ११ दिसंबर तक चलेगा, जो पहले ४ दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट ९ दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे १६ दिसंबर को जारी किया जाएगा।

दरअसल बिहार के बाद देश के १२ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर २८ अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े ▶▶ 8

अब सीनियर वकील किसी भी बेंच के सामने मामलों का नहीं करेंगे मौखिक उल्लेख

सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल मामलों की लिस्टिंग प्रक्रिया पर किया सर्कुलर जारी

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर वकीलों को किसी भी बेंच के सामने मामलों का मौखिक उल्लेख करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने स्थगन और तत्काल मामलों की लिस्टिंग के लिए प्रक्रिया तय करने वाला एक सर्कुलर जारी किया है। इसके मुताबिक जमानत या जमानत रद्द करने, मृत्युदंड, हेबियस कॉर्पस, विध्वंस या अंतरिम राहत से संबंधित सभी नए मामले अगले दो कार्य दिवसों में लिस्ट किए जाएंगे। इसमें साफ कहा गया है कि किसी भी कोर्ट के समक्ष मौखिक उल्लेख के लिए किसी सीनियर वकील को इजाजत नहीं दी जाएगी। इसके बजाय, युवा जूनियर वकीलों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सर्कुलर में कहा गया है कि अगर कोई मामला अत्यंत तत्काल प्रकृति का हो, जैसे अग्रिम जमानत, मृत्युदंड, हेबियस कॉर्पस, बेदखली या विध्वंस से जुड़ा और तय तारीख पर लिस्टिंग का इंतजार न कर सके, तो प्रोफॉर्मा के साथ एक पत्र अधिकारी को सुबह १०:३० बजे से पहले देना होगा। अनावश्यक स्थगनों को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से भी कोर्ट ने निर्देश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से कहा गया कि मामले का स्थगन केवल परिवार में मृत्यु, अधिवक्ता या पक्षकार-व्यक्ति की चिकित्सा, स्वास्थ्य स्थिति या ▶▶ 8

69 लाख पेंशनरों के लिए बढ़ी टेंशन, 8वें वेतन आयोग के टीओआर में पेंशन संशोधन पर उठे सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में ८वें केंद्रीय वेतन आयोग को लेकर चिंता गहराती जा रही है। हाल ही में जारी किए गए आयोग के टर्म्स ऑफ़ रेफरेंस (टीओआर) में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं के गायब होने या अस्पष्ट रहने को लेकर कर्मचारी यूनियनें विरोध जता रही हैं। इनका कहना है कि वेतन संशोधन, पेंशन ढांचा, एनपीएस/ओपीएस से जुड़े प्रावधान, डीए एरियर, दया नियुक्ति और ट्रेड यूनियन अधिकार जैसे मुद्दों पर स्पष्ट दिशा-निर्देश न होना सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करता है। इसे लेकर कर्मचारी यूनियनों ने सरकार को पत्र भी लिखे हैं।

इसी बीच, १ दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र को लेकर कर्मचारियों और पेंशनरों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। सत्र प्रारंभ होने से पहले राज्यसभा में सांसद जावेद अली खान और रामजी लाल सुमन ने सरकार से सीधा प्रश्न किया है कि क्या सचमुच ८वें वेतन आयोग के टीओआर से पेंशन संशोधन को हटा दिया गया है। पहले के सभी वेतन आयोगों में पेंशन संशोधन स्पष्ट रूप से शामिल रहता था, लेकिन इस बार इसका न होना बहस का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। पेंशनरों ने आशंका व्यक्त की है, कि कहीं इसे आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर करने पर विचार तो नहीं किया जा रहा है।

सांसदों ने सरकार से यह भी पूछा है, कि पेंशन संशोधन को प्रस्तावित नहीं करने के पीछे क्या कारण हैं? कर्मचारी संगठनों का कहना है कि ऐसा कदम लाखों पेंशनभोगियों की आर्थिक स्थिरता को झटका दे सकता है। दूसरी ओर, महंगाई भत्ता (डीए) ५० फीसद पार कर चुका है और महंगाई दर भी ऊँची बनी हुई है। ऐसे में डीए-डीआर को बेसिक पे में मर्ज करने की मांग भी तेज हो गई है। यूनियनों का कहना है कि यह कदम कर्मचारियों और ▶▶ 8

संपादकीय

खेल नीति पर एक गंभीर सवाल...

हरियाणा में बास्केटबाल के दो खिलाड़ियों की मौत को भले ही हादसे के तौर पर देखा जाए, लेकिन यह दरअसल राज्य के समूचे तंत्र में खेलों के प्रबंधन से लेकर व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों और वहां की खेल नीति पर एक गंभीर सवाल है। इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि बास्केटबाल के ये खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन से देश के लिए कुछ बड़ी उपलब्धि हासिल करना चाहते थे, लेकिन सरकारी अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई।

दोनों खिलाड़ियों की मौत पर व्यापक चिंता उभरने के बाद हुई कार्रवाई में कुछ संबंधित कर्मचारियों या अधिकारी को निलंबित किया गया और सरकार ने सभी खेल मैदानों और बास्केटबाल के पोल या खंभों की जांच के आदेश जारी किए। मगर सवाल है कि जो खंभे हादसे की वजह बने, लंबे समय से जर्जर हालत में होने के बावजूद संबंधित सरकारी महकमों ने उनकी अनदेखी क्यों की। इस लिहाज से देखें तो हादसों में दोनों खिलाड़ियों की मौत के वास्तविक जिम्मेदारों की पहचान और उन्हें कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है। गौरतलब है कि राज्य के रोहतक और बहादुरगढ़ में अभ्यास करने के क्रम में दो खिलाड़ियों के पेट और सीने पर बास्केटबाल का खंभा गिर गया और उनकी मौत हो गई। जो खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के बूते भविष्य में उपलब्धियां हासिल कर परिवार से लेकर देश के लिए गर्व का जरिया बन सकते थे, सरकारी लापरवाही की वजह से उनकी जान चली गई। खबरों के मुताबिक, दोनों ही जगह बास्केटबाल का खंभा इस जर्जर हालत में था कि उसमें हल्का जोर पड़ते ही टूट कर गिर गया। जाहिर है, खंभे का गिरना एक-दो दिन की लापरवाही का नतीजा नहीं हो सकता। रोहतक के लाखनमाजरा स्थित स्टेडियम में करीब पांच सौ खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। वे बीते काफी समय से खेल विभाग के अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक से मैदान की गुणवत्ता और उपकरणों को ठीक कराने की मांग कर रहे थे। मगर उनकी मांग पर किसी ने समय पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राज्य में कई अन्य जगहों पर भी खेल मैदानों में जरूरी संसाधनों और उपकरणों की दशा ऐसी है कि खिलाड़ी खेलते या अभ्यास करते हुए हर समय एक तरह के जोखिम से गुजरते हैं। सवाल है कि जो सरकार दो खिलाड़ियों की जान जाने के बाद राज्य के खेल मैदानों में बुनियादी ढांचों की जांच कराने को लेकर सक्रिय दिखी, क्या ऐसा वह पहले नहीं कर सकती थी। हरियाणा एक खेल प्रधान राज्य रहा है। यहां के बहुत सारे खिलाड़ियों ने अपनी क्षमताओं के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए बड़ी-बड़ी उपलब्धियां अर्जित की हैं। रोहतक में हादसे का शिकार होने वाले हार्दिक राठी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी थे और बहादुरगढ़ के अमन भी भविष्य की संभावना थे। मगर यहां खेल मैदानों में हुई त्रासद घटनाओं में उनकी मौत बताती है कि सरकार की खेल नीति की हकीकत क्या है और वह खिलाड़ियों के सुरक्षित अभ्यास करने को लेकर किस हद तक लापरवाह है। अब संभव है कि राज्य के खेल परिसरों में संसाधनों और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार कुछ समय तक सक्रिय दिखे, लेकिन जब तक खिलाड़ियों के अभ्यास और उनकी सुरक्षा को लेकर निरंतर सक्रियता और ईमानदार इच्छाशक्ति को खेल नीति का अनिवार्य हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक बेहतर नतीजों की उम्मीद नहीं की जा सकती।

सीहोर का साइलेंट विस्फोट

जब व्यवस्था बिगड़ती है, तो उसके नतीजे में लोगों का बेलगाम हो जाना एक स्वाभाविक नतीजा है। कई बार ऐसा देखा गया है कि अव्यवस्था और अन्याय के खिलाफ नागरिक सड़कों पर उतर आते हैं। अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना गलत नहीं है, लेकिन जब विरोध हिंसा और अराजकता में बदल जाए, तो यह कानून के विरुद्ध और चिंता की बात है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में मंगलवार को वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थी भोजन और पानी की खराब गुणवत्ता के खिलाफ हिंसा पर उतारू हो गए। उन्होंने संस्थान परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में भी आग लगा दी। करीब तीन से चार हजार विद्यार्थियों के आक्रोश को संभालने या उनके सवालों का जवाब देने वाला वहां कोई नहीं था। स्पष्ट है कि संबंधित संस्थान ने समय रहते विद्यार्थियों की समस्या दूर नहीं की और न ही उनमें पनप रहे गुस्से को भांप कर परिसर में कोई सुरक्षा व्यवस्था की। नतीजा यह हुआ कि छात्रावास की खिड़कियों के शीशे तो टूटे ही, एक बस और चिकित्सा वाहन में भी आग लगा दी गई। इतनी बड़ी घटना के दौरान पुलिस मौके पर नहीं थी, तो इससे मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था का अंदाजा लगाया जा सकता है। बेकाबू विद्यार्थियों को संभाल न पाना निस्संदेह पुलिस की नाकामी है। राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि कई गंभीर मामलों के आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। हालत यह है कि मुख्यमंत्री को पुलिस मुख्यालय जाकर बैठक करनी पड़ी। वहां उन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध, पुलिस की कार्यप्रणाली और हाल में हुई घटनाओं की समीक्षा की। यह सफाई दी जा सकती है कि हर जगह एक साथ अपराध को नियंत्रित करना मुश्किल है, मगर यह भी सच है कि कानून-व्यवस्था इकबाल से चलती है और उसकी स्थिति राज्य में बदहाल दिख रही है। पिछले दिनों एक मासूम से दरिंदगी सहित हालिया कई घटनाओं से पुलिस और प्रशासन की नाकामी ही दिखी है। जबकि इस कमजोरी को शासन के स्तर पर ही दूर किया जा सकता है। यह अधिकारियों को सिर्फ हटाने और निलंबित करने से नहीं होगा। अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो और जवाबदेही तय हो, तो कानून-व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सकता है।

आज का कार्टून

इतिहास बदलने में नाकाम रहा काप-30 सम्मेलन...

अगर यह कहा जाए कि 'काप-30' मानवता की चेतावनी की घंटी का शायद आखिरी स्वर था, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस पूरी निराशा के बीच उम्मीद की कुछ किरणें भी हैं। पहला, भारत, इंडोनेशिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका इत्यादि कई देश एक नए हरित दृष्टिकोण के साथ सामने आ रहे हैं। ये देश विकास और पर्यावरण को एक साथ लेकर चलने की नई सोच की तरफ बढ़ रहे हैं। दूसरा, स्थानीय स्तर पर दुनिया भर में नागरिक, युवा, वैज्ञानिक, किसान और जनजातीय समुदाय पहले से अधिक संगठित हो रहे हैं। तीसरा, बाजार धीरे-धीरे लेकिन मजबूती से अक्षय ऊर्जा की दिशा में बढ़ रहा है, चाहे राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी भी कमजोर क्यों न हो। फिर भी सच्चाई यह है कि समय बहुत तेजी से निकल रहा है। यदि आने वाले वर्षों में काप सम्मेलनों ने अपनी दिशा नहीं बदली, तो यह सारी प्रक्रिया एक दिखावा बन कर रह जाएगी।

योगेश कुमार गोयल

ब्राजील में आयोजित 'काप-30' को 'मानवता का जलवायु मुकदमा' कहा गया। अमेजन की हरियाली से ढके बेलेम शहर में आयोजित सम्मेलन का माहौल कुछ ऐसा था, मानो पूरी मानवता अपनी अंतिम सुनवाई में खड़ी हो। यह वह क्षण था, जहां पृथ्वी की धड़कनों को सुना जा सकता था, कहीं पिघलते ग्लेशियरों की चीख, कहीं बाढ़ में डूबते गांवों की खामोशी, कहीं सूखे से दरकी मिट्टी का क्रंदन। तीन दशकों से दुनिया जलवायु सम्मेलनों में वादे, घोषणाएं और कागजी महत्त्वाकांक्षाएं ही बटोरती आई है। इस बार उम्मीद थी कि इतिहास बदलेगा और दुनिया आखिरकार सच को स्वीकार करेगी कि समय अब खत्म हो रहा है। मगर 'काप-30' के परिणाम बताते हैं कि दुनिया अभी भी भ्रम, राजनीति और अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के जाल में फंसी हुई है। यह सम्मेलन जितनी उम्मीदों से शुरू हुआ था, उतनी ही निराशा और अधूरेपन के साथ समाप्त हुआ।

दुनिया के 194 देशों ने बारह घंटे की अतिरिक्त बहस के बाद जिस दस्तावेज पर सहमति जताई, उसमें जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का कोई बाध्यकारी निर्णय नहीं किया गया। दुनिया ने केवल 'चर्चा शुरू करने का' एक ऐसा वादा किया, जो तापमान वृद्धि, समुद्री तबाही और जलवायु आपदाओं की वास्तविक रफ्तार के सामने बेहद मामूली और लगभग हास्यास्पद है। तेल उत्पादक देशों, विशेषकर सऊदी अरब और रूस ने संयुक्त रूप से हर उस भाषा पर अवरोधक लगा दिया, जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग रोकने की दिशा में एक स्पष्ट, कानूनी और अनिवार्य मार्ग खोल सकती थी। परिणाम यह हुआ कि 'काप-30' एक बार फिर वही बन गया, जो अधिकांश 'काप सम्मेलन' बनते आए हैं यानी निष्क्रिय राजनीति का महोत्सव, जहां केवल शब्द चमकते हैं और कार्रवाई गायब रहती है।

सम्मेलन के पहले ही सप्ताह में यह साफ हो गया था कि यह जलवायु संघर्ष केवल पर्यावरण का नहीं, आर्थिक प्रभुत्व, ऊर्जा भंडार और भू-राजनीति का भी युद्ध है। विकसित देश एक तरफ उत्सर्जन घटाने का दिखावा करते रहे, दूसरी तरफ अपने अवसरवादी आर्थिक हितों को बचाते रहे। विकासशील राष्ट्र जलवायु न्याय की मांग करते रहे, लेकिन उन्हें जवाब में केवल आश्वासन मिला, ठोस सहायता नहीं। यह विडंबना इस सदी की सबसे बड़ी पराजय है कि जलवायु संकट का भार उन कंधों पर है, जिन्होंने सबसे कम प्रदूषण किया और सबसे कम संसाधन जुटाए।

बेलेम शहर में हुए इस सम्मेलन का एक और बड़ा विरोधाभास यही रहा कि अमेजन को 'पृथ्वी का फेफड़ा' कहा जाता है, फिर भी वनों की कटाई रोकने का कोई साफ रास्ता अंतिम दस्तावेज में शामिल नहीं किया गया। यह ऐसे ही है, जैसे किसी मरीज को दिल का दौरा पड़े और चिकित्सक उसे दवा देने के बजाय यह कहे कि 'हम इस पर चर्चा करेंगे।' अमेजन का तीस फीसद हिस्सा पहले ही नष्ट हो चुका है, तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की ओर तेजी से बढ़ रहा है और जलवायु वैज्ञानिक लगातार कह रहे हैं कि समय अब नहीं बचा।

इसके बावजूद 'काप-30' के नतीजे इतने निराशाजनक रहे कि यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुनिया सच में जलवायु न्याय चाहती है या केवल उसकी राजनीति? सम्मेलन के दौरान जिस विषय पर सबसे अधिक मतभेद हुआ, वह था जीवाश्म ईंधन का भविष्य।

इससे भी बड़ा झटका यह रहा कि कोई भी देश उत्सर्जन घटाने के लिए तैयार नहीं हुआ। सम्मेलन ने केवल एक 'एक्सेलेरेटर प्रोग्राम' बनाने की घोषणा की, जिसकी रपट अगले सम्मेलन में आएगी। यह ऐसे ही है, जैसे कोई भवन आग में जल रहा हो और लोग एक समिति गठित कर दें कि अगली बैठक में अग्निशमन पर चर्चा करेंगे। जलवायु वैज्ञानिकों ने 'काप-30' के बाद स्पष्ट कहा कि तापमान के रास्ते को मोड़ने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यह नतीजा आने वाले समय की त्रासदी की पूर्व-घोषणा है। काप-30 की विफलता का दूसरा प्रमुख पहलू जलवायु वित्त है। वर्ष 2023 में अनुकूलन परियोजनाओं के लिए वैश्विक कोष का मात्र तीन फीसद ही खर्च हुआ। विकासशील देशों को 2035 तक प्रतिवर्ष कम से कम 310 अरब डालर की आवश्यकता होगी, लेकिन अभी जो सहायता उपलब्ध है, वह इसकी तुलना में कई गुना कम है।

सम्मेलन का तीसरा बड़ा सच यह है कि जलवायु संकट आज एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रहा, यह स्वास्थ्य संकट भी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के अनुसार अत्यधिक गर्मी हर वर्ष पांच लाख से अधिक लोगों की जान ले रही है। प्रदूषण दुनिया की हर तीसरी मृत्यु का कारण बन चुका है। प्रदूषित हवा अब केवल फेफड़ों में नहीं, मानव शरीर की हर कोशिका में घुस चुकी है। महामारी का खतरा भी जलवायु परिवर्तन के साथ और तेज हुआ है। तूफान, बाढ़ और सूखे की मार से अस्पताल भी सुरक्षित नहीं, क्योंकि हर बारह में से एक अस्पताल सीधे जलवायु जोखिम के घेरे में है।

'काप-30' में ब्राजील ने 'बेलेम हेल्थ एक्शन प्लान' प्रस्तुत किया, जो एक सकारात्मक पहल है, लेकिन स्वास्थ्य तंत्र को सक्षम बनाने के लिए जिस स्तर के वित्त, सहयोग और राजनीतिक संकल्प की आवश्यकता थी, वह नदारद रहा। जैसे-जैसे सम्मेलन आगे बढ़ता गया, यह स्पष्ट हो गया कि तकनीकी समाधान अकेले इस संकट को नहीं रोक सकते।

अगर यह कहा जाए कि 'काप-30' मानवता की चेतावनी की घंटी का शायद आखिरी स्वर था, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस पूरी निराशा के बीच उम्मीद की कुछ किरणें भी हैं। पहला, भारत, इंडोनेशिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका इत्यादि कई देश एक नए हरित दृष्टिकोण के साथ सामने आ रहे हैं। ये देश विकास और पर्यावरण को एक साथ लेकर चलने की नई सोच की तरफ बढ़ रहे हैं। दूसरा, स्थानीय स्तर पर दुनिया भर में नागरिक, युवा, वैज्ञानिक, किसान और जनजातीय समुदाय पहले से अधिक संगठित हो रहे हैं। तीसरा, बाजार धीरे-धीरे लेकिन मजबूती से अक्षय ऊर्जा की दिशा में बढ़ रहा है, चाहे राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी भी कमजोर क्यों न हो।

फिर भी सच्चाई यह है कि समय बहुत तेजी से निकल रहा है। यदि आने वाले वर्षों में काप सम्मेलनों ने अपनी दिशा नहीं बदली, तो यह सारी प्रक्रिया एक दिखावा बन कर रह जाएगी। 'काप-30' हमें जिस कठोर सच्चाई का सामना कराता है, वह यह है कि जलवायु संकट अब विज्ञान का मुद्दा नहीं रहा, यह मानव सभ्यता की आत्मा का प्रश्न बन चुका है। यह फैसला केवल तापमान के आंकड़ों का नहीं है, बल्कि यह निर्णय है कि आने वाली पीढ़ियां किस दुनिया में सांस लेंगी, किस भविष्य में जिएंगी और पृथ्वी उनके लिए रहने योग्य बचेगी भी या नहीं। 'काप-30' का संदेश यही है कि अब शब्दों के दिन खत्म हो चुके हैं, यह समय कार्रवाई का है और यह कार्रवाई तभी संभव है, जब विश्व राजनीति अपने आर्थिक स्वार्थों से ऊपर उठ कर यह स्वीकार करे कि जलवायु संकट कोई युद्ध नहीं, मानवता के अस्तित्व की अंतिम चुनौती है।

आखिर ममता क्यों कर रही है एसआईआर का विरोध?

बिहार में राजद-कांग्रेस विपक्षी महागठबंधन की करारी शिकस्त के बाद पश्चिमी बंगाल में वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चौसर बिछ गई है। इस चौसर पर तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोई भी दाव हाथ से नहीं देना चाहती हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआइआर का जम कर विरोध कर रही है। इस विरोध की जड़ में छिपा हुआ है ममता का मुस्लिम वोट बैंक प्रेम। ममता एक तरफ अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का पुरजोर समर्थन करती रही हैं। ममता का प्रयास है कि भाजपा उत्तर भारत के राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल में वोटों का ध्रुवीकरण नहीं कर पाए। इसलिए ममता मुस्लिम वोट बैंक के खिसके बगैर हिन्दू वोट बैंक को भी साधने की फिराक में है।

योगेंद्र योगी

पश्चिम बंगाल के 294 सीट के लिए मार्च-अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होना है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस चुनाव को राज्य की सत्ता पर दोबारा कब्जा जमाने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दलों के लिए एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, वहीं भाजपा, वाम दल और कांग्रेस भी नए गठबंधनों और रणनीतियों के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। यही वजह है कि ममता एसआइआर को विरोध का राजनीतिक हथियार बना लिया है। पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में जब से वोटर लिस्ट के एसआईआर करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके बाद से पश्चिम बंगाल से अवैध रूप से बॉर्डर पार कर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की तादाद बढ़ गई है। दोनों देशों में अवैध रूप से सीमापार करके आने-जाने का यह सिलसिला पहले घुसपैठियों के अलावा अधिकतर तस्करों के बीच होता था। लेकिन अब जिस तरह से भारत से बांग्लादेश जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसे घुसपैठियों का बांग्लादेश वापस लौटना माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल से लगते भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर हलचल तेज है। इसमें कुछ लोग पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसमें कुछ कामयाब भी हो रहे हैं। हालांकि, बॉर्डर पर चौकस बीएसएफ को देखकर ऐसे लोग जंगलों में भाग जाते हैं। लेकिन बीएसएफ की नजर में ऐसे कुछ मामले आ रहे हैं। जिनमें पश्चिम बंगाल में एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेश की तरफ जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू की थी। चार दिसंबर तक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जाने और वापस लिए जाने हैं। आयोग का कहना है कि अभी तक पश्चिम बंगाल के कुल सात करोड़ 66 लाख से अधिक मतदाताओं में से सात करोड़ 63 लाख से अधिक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जा चुके हैं। यह काम 99 फीसदी पूरा कर लिया गया है। अब भरे गए फार्म इकट्ठा करना शुरू किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में भारतीय चुनाव आयोग के स्पेशल इंवेस्टिगेटिव रिवीजन का लगातार विरोध कर रही है। इसी कड़ी में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करेंगी। ममता बनर्जी रैली के बाद बनगांव में एक विरोध मार्च में भी हिस्सा लेंगी। ये दूसरी एसआईआर विरोधी रैली और विरोध

मार्च होगा जिसका नेतृत्व ममता करेंगी। पहली रैली 4 नवंबर को कोलकाता में हुई थी।

जब-जब पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक पर किसी तरह का संकट नजर आता है, ममता बनर्जी हमेशा उनके पक्ष में खड़ी नजर आती हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा था कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को देखते हुए वह पड़ोसी देश से संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। बनर्जी ने शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का हवाला देते हुए कहा था कि पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी देश में कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति के कारण संभावित मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है। ममता बनर्जी के इस बयान पर बांग्लादेश की सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई थी। बांग्लादेश ने इस मामले पर अपनी चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को एक खत भेजा था। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा था कि 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रति पूरे सम्मान के साथ, जिनके साथ हमारे बहुत ही मधुर और घनिष्ठ संबंध हैं, हम यह साफ करना चाहते हैं कि उनकी टिप्पणियों में भ्रम पैदा करने की बहुत गुंजाइश है। इसलिए हमने भारत सरकार को एक खत भेजा है।

बांग्लादेशी ही नहीं बल्कि रोहिंग्या शरणार्थियों की भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुल कर पैरवी की। ममता ने कहा था कि रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस नहीं भेजना चाहिए। ममता ने रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस भेजने का किया विरोध किया था।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर रोहिंग्या मुसलमानों को वापस भेजने के नाम पर परेशान करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि हर रोहिंग्या मुस्लिम आतंकी नहीं है। उन्हें वापस नहीं भेजना चाहिए। ममता का ये बयान केंद्र द्वारा ये कहने के बाद आया था कि रोहिंग्या मुसलमान भारत की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, उनके संपर्क आईएस और लश्कर ए तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से हैं। ममता ने कहा था, हम संयुक्त राष्ट्र के साथ हैं, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रोहिंग्या लोगों की मदद की अपील की है। हम इसका समर्थन करते हैं।

एसआईआर के बाद पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या शरणार्थियों में हडकंप मचा हुआ है। वे पहचान उजागर होने के डर से सीमा की तरफ भाग रहे हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआईआर का जमकर विरोध कर रही हैं। इसी तरह का विरोध कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दूसरे घटक दलों ने भी बिहार में किया था। इसके बावजूद उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। ममता को डर है कि यदि एसआइआर का विरोध नहीं किया और अवैध शरणार्थियों में भगदड़ जारी रही तो इसका वोट बैंक पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यह पहला मौका नहीं है जब वोट बैंक की राजनीति के लिए राजनीतिक दल देश की एकता–अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की पैरवी कर रहे हैं। यह निश्चित है कि ऐसी हरकतों से बेशक चुनाव जीते जा सकते हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम देश की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा पर पड़ते हैं। बेहतर होगा कि नेता देश के बारे सोचे और ऐसे तत्वों पर कानूनी कार्रवाई की पहल करें, जिससे देश को किसी भी तरह का खतरा हो

सदर अस्पताल परिसर में आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : सिविल सर्जन कैम्पस में सदर अस्पताल के नव निर्मित आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) का राज्य के विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह तथा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव अजय कुमार ने रिसेप्शन एरिया, वार्ड १ तथा २, किचेन एरिया, प्ले एरिया, डॉक्टर चैंबर समेत पूरे परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने उपायुक्त के प्रयास से तैयार इस आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र की व्यवस्था देखकर सराहना की।

अपर मुख्य सचिव ने इलाजरत बच्चों तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बच्चों का हाल चाल जाना। उन्होंने इलाजरत बच्चों के बीच पोषक आहार किट का वितरण भी किया जिसका प्रयोग बच्चे डिस्चार्ज होने के बाद अपने घरों में करेंगे।

इस आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) में बेड से लेकर बच्चों के इलाज और मनोरंजन की तमाम व्यवस्था की गई है। जिसमे मॉड्यूलर किचेन है ताकि साफसफाई का ध्यान रखा जाए। सभी चीजें व्यवस्थित हो और बच्चों के पोषण से संबंधित खाना बना सके। साथ ही साथ पूरे क्षेत्र को बच्चों से संबंधित (चाइल्ड फ्रेंडली) चीजों (खेल कुद, शिक्षा, आदि) में डेवलप किया गया है ताकि बच्चो बच्चो का मन लगे। प्रतिदिन यहां उनका ग्रोथ रेट देखा जाएगा। आने वाले समय मे यह आदर्श कुपोषण केन्द्र पूरे राज्य के लिए बनेगा इस सोच के साथ कार्य किया जा रहा है। जिला के बाकी कुपोषण केन्द्र को भी इसी तरह सुदृढ्ढ किया जाएगा।

इस आदर्श कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) में बैंक ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड की भी सहायता ली गई है। उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर बैंक ऑफ इंडिया ने कुपोषण उपचार केंद्र में उपायोगी सामग्री उपलब्ध कराई है। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक विश्वकर्मा, सदर उपाधीक्षक डॉक्टर संजीव कुमार, आंचलिक प्रबंधक, बीओआई दिनेश प्रसाद, उप आंचलिक प्रबंधक, बीओआई अवरातनु चंद्र समेत अन्य पदाधिकारी तथा कर्मी मौजूद रहें।

विधायक ने किया मन की बात का सामूहिक श्रवण

धनबाद (कासं) : धनबाद विधायक राज सिन्हा ने जगजीवन नगर स्थित अपने आवासीय कार्यालय में सदर मंडल कार्यकर्ता साथियों एवं बूथ अध्यक्षों के साथ मिलकर राज सिन्हा ने देशवासियों के लिए समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के १२८वें संस्करण को सामूहिक रूप से सुना।

विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सम्बोधन में बताया कि यह नवंबर का महीना अनेक प्रेरणाओं की ओर संकेत करता है। विगत २६ को मनाए गए संविधान दिवस कार्यक्रम के माध्यम से देश ने लोकतंत्र एवं संविधान के सिद्धांतों का पुनः संकल्प किया। साथ ही, वंदे मातरम के १५० वर्ष पूरे होने के अवसर पर पूरे देश में हो रहे कार्यक्रमों की शानदार शुरुआत हुई।

प्रधानमंत्री ने यह भी साझा किया कि अयोध्या में धर्मध्वजा का आरोहण तथा कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पाँचजन्य स्मारक का लोकार्पण, देश की सांस्कृतिकधार्मिकऐतिहासिक विरासत का महत्त्व बताते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि चाहे कोई भी काम होविकास हो, सेवा हो या सामाजिक उत्थानटीम भावना के साथ किये जाने पर हर प्रयास सफल होता है। इनकी बातों से हमें प्रेरणा मिलती है एवं लोगों में उत्साहवर्धन होता है।

राज सिन्हा ने संगठन के सभी कार्यकर्ता साथी, बूथ अध्यक्षगण एवं जनता से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री के बताए हुए भाव और दिशा-निर्देशों को दृढ़ता से आत्मसात करें और अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें, जिससे धनबाद क्षेत्र समग्र विकास की ओर अग्रसर हो।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सदर मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, किशोर मंडल, उमेश सिंह, अखिलेश झा, विकाश सिन्हा, श्रवण झा, दीपक सिंह, डिंपू लाला, उदय सिंह भाजयुमो अध्यक्ष अमित विशाल, भोला पांडेय, विजय कुमार, मनोज रिंकू, प्रमोद अग्रवाल सहित कई अन्य थे।

हरि मंदिर में वृद्धाश्रमे वृद्धाआश्रम थेके बांग्ला जात्रा का मंचन

धनबाद (कासं) : काव्य ओ संस्कृति प्रेमेर खुशीमना द्वैरथ ने तपन राय द्वारा रचित और

निर्देशित वृद्धाश्रमे वृद्धाश्रम थेके बंगला जात्रा का मंचन हीराप-ुर हरिमंदिर में किया गया। जिसमें सनातन (नाना) की भूमिका तपन राय, सनत (सनातन के पुत्र) की भूमिका प्रदीप मुखर्जी, लाली (सनातन की पोती) की भूमिका सुजनिका चक्रबर्ती, रुमा (सनातन की पुत्रवधू) की भूमिका संचिता बक्सी, प्रथम वृद्धा की भूमिका स्वाती गुप्ता, द्वितीय वृद्धा की भूमिका पिंकी राय, तृतीय वृद्धा की भूमिका अपर्णा मंडल, सुपार की भूमिका मनोजित सान्याल, पिण्टु (केयर टेकार) की भूमिका अनुप कुमार दत्त, लीना (महिला केयर टेकार) की भूमिका प्रिया और बुला (सनातन की बेटी) शिल्पी घोष ने निभाई। पुत्र सनत ने उनकी पत्नी की सलाह से उनका पिता सनातन से पासबुक, एटीएम छीनकर एटीएम की पासवर्ड लिखाकर उनके पिता को एक वृद्धाश्रम में रखा। इसकी जानकारी उनकी पुत्री बुला को मिलते ही बुला पिंटु की सहायता से उनकी पिता को वृद्धाश्रम से ले आई और उनकी पिता को लंदन ले आई और अपने पास रखी। यही वृद्धाश्रमे वृद्धाश्रम थेके नाटक का विषय था। मंच का संचालन अनिन्दिता साहा ने किया। म्यूजिक का संचालन मंजुलिका चक्रवर्ती ने किया। हरिमंदिर के प्रांगन में इस जात्रा के आयोजन से बांगाली समुदाय के लोगों काफी उत्साहित देखा गया व जात्रा का सराहना किया।

राजीव भाई दीक्षित को दी गई श्रद्धांजलि

केन्दुआ (ससे) : सहकार भारती एवं महर्षि पतंजलि योग समिति के योग शिक्षकों ने स्वदेसी आंदोलन के प्रणेता राजीव भाई दीक्षित के जन्मदिन एवं पुण्यतिथि के अवसर पर वैदिक हवन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर योग, आयुर्वेद, स्वदेसी विषय पर संगोष्ठी की गई एवं आयुर्वेद एवं स्वदेसी अपनाने की संकल्प लिया गया। जिला उपाध्यक्ष डॉ अर्जुन पांडेय ने आयुर्वेद एवं होमियोपैथ पर प्रकाश डाला। प्रदेश उपाध्यक्ष नयन कुमार कमल ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा से रोग भगाने के उपाय बतलाए। प्रखंड प्रमुख भारत भूषण सिंह ने सहकार भारती के विस्तार एवं महिलाओं के लिए रोजगारपरक कार्य के बारे में बतलाया। योगाचार्य लक्ष्मीकांत पंडित ने स्वदेशी, योग, आयुर्वेद एवं वैदिक हवन के वैज्ञानिक पहलू के बारे में विस्तार से बतलाया। स्वयं सेवक शिवशंकर सिंह ने स्वदेसी अपनाने की अपील किये। इस अवसर पर टेक्निकल मैनेजर किशोर कुणाल, मगधेश कुमार, शीतल पांडेय, विभा राकेश, शीला रॉय, रीना कुमारी, सरस्वती देवी, नीतू, देवी, सुनीता प्रकाश, कंचन कुमारी, मंजू देवी, ममता कुमारी, पूजा देवी, पूनम देवी, जयमंती देवी, बबीता कुमारी आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने पश्चिम बंगाल आरक्षी भर्ती परीक्षा रैकेट का किया भंडाफोड़, 17 गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद पुलिस ने अंतर्राज्यीय परीक्षा फर्जीवाड़ा रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस संगठित गिरोह का सीधा संबंध पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में हो रही आरक्षी भर्ती परीक्षा से था। उपरोक्त आशय की जानकारी सीटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने समाहरणालय स्थित पुलिस सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, राँची के आदेश पर चलाए जा रहे एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के तहत विगत दिनों झरिया के घनुडीह क्षेत्र में एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर की गई। पूछताछ के बाद यह खुलासा हुआ। पुलिस को पता चला कि गिरोह झरिया के एक लॉज में बंगाल से लाए गए अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र और उत्तर याद करवा रहा था।

तत्काल की गई छापेमारी में इस रैकेट से जुड़े कुल १७ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अपराधियों के पास से २७३ अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र, नोट किए हुए प्रश्न पत्रों वाली डायरी, और कई महत्वपूर्ण डिजिटल एवं बैंकिंग दस्तावेज बरामद किए हैं।

चार लाख की चोरी का खुलासा, तीन आरोपी भेजे गए जेल

पुटक (ससे) : श्रीनगर क्वार्टर में हुई बड़ी चोरी की घटना का पुटकी पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में धनबाद

जेल भेज दिया। मामले में पुलिस ने आरोपियों के पास से दो जोड़ी चांदी की पायल और २८०० रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मो. अमानत अंसारी (पितासेराज अंसारी), मो. साहिल राइन उर्फ माडा (पितामो. नासिर राइन), मो. साबीर उर्फ प्रिंस (पिता-मो. अनवर) शामिल हैं। तीनों आरोपी केन्दुआ नंबर४ के रहने वाले हैं। पीड़िता साहना खातून ने ३ सितंबर को पुटकी थाना में केस नंबर ८३/२५ दर्ज कराया था। आवेदन में बताया था कि वह आसनसोल गई थीं और उनके पति बिहार में थे। इसी बीच रात में घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के गहने और नकदी समेत करीब चार लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया था।

थाना प्रभारी वकार हुसैन ने बताया कि मुख्य आरोपी मो. साबीर उर्फ प्रिंस लोहाकबाड़ खरीदने का ठेला चलाता था और इसी बहाने मुनीडीह, पुटकी, भागाबांध और केन्दुआडीह क्षेत्रों में नियमित रूप से घुमता था। इसी दौरान वह रैकी करता था।

घटना वाले दिन दोपहर ११:३० बजे उसने देखा कि भुक्तभोगी की पत्नी और बेटी बैग लेकर बाहर जा रही हैं। शाम को घर बंद देख उसने साथियों को सूचना दी। रात ११:३० बजे तीनों आरोपी जंगल के रास्ते श्रीनगर पहुंचे और रात १:३० बजे ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज व गुप्त सूचना के आधार पर तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों से कई अहम जानकारियां मिली हैं, जिसके आधार पर पुलिस टीम आगे की बरामदगी के लिए छापेमारी कर रही है।

जिला क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन

धनबाद (कासं) : १६वीं धनबाद जिला क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन धनबाद जिला एथलेटिक संघ के द्वारा डीएवी स्कूल ग्राउंड कोयला नगर में आयोजित किया गया। जिसमें धनबाद जिला के सचिन बंधन टोप्पो, अध्यक्ष किरण रानी नायक, कोषाध्यक्ष जुबेर आलम, तकनीकी पदाधिकारी सुनील मिश्रा, अभिजीत पात्रा, तारकनाथ दास,सरफराज खान, विनोद रावत ,पीएम बनर्जी, एसएन गुप्ता ,प्रकाश कुमार मेहतो, कैलाश महतो, कृष्णा पद महतो, ए के तिवारी, प्रदीप बनर्जी, हिमांशु रजवार, अंकित दुबे, प्रदीप कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

पुरुष वर्ग में १० किलोमीटर रेस-प्रथम स्थान विजय राय, द्वितीय स्थान करण कन्हैया, तृतीय स्थान अमन कुमार ने हासिल किया। महिला वर्ग १० किलोमीटर रेस में प्रथम स्थान रिया कुमारी, बालक २० आयु वर्ग ८ किलोमीटर रेस में प्रथम

स्थान ओम कुमार महतो, दिलीप स्थान रामरतन कुमार चौहान, तृतीय स्थान फरहान राजा। बालिका २० आयु वर्ग ६ किलोमीटर रेस- प्रथम स्थान तनु कुमारी, द्वितीय स्थान पम्मी कुमारी दास, तृतीय स्थान मनोरमा कुमारी। बालक १८ आयु वर्ग ४ किलोमीटर रेस- प्रथम स्थान जीवन कुमार, द्वितीय स्थान कुंदन कुमार, तृतीय स्थान सूरज कुमार। बालिका अंडर १८ आयु वर्ग ४ किलोमीटर रेसप्रथम स्थान मोनिका कुमारी, द्वितीय स्थान जिया कुमारी, तृतीय स्थान पायल कुमारी। बालक १६ युवा वर्ग २ किलोमीटर रेसप्रथम जाहिद अंसारी, द्वितीय स्थान अंकित कुमार राम, तृतीय निखिल कुमार महतो। बालिका १६ आयु वर्ग २ किलोमीटर रेस-प्रथम स्थान सोनी महतो, द्वितीय स्थान सलोनी कुमारी सिंह। सभी विजेता खिलाड़ियों को जिला सचिव बंधन ने बधाई दी और अध्यक्ष किरण रानी नायक ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

गरीबों के बीच कंबल वितरण

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद यूको बैंक के समीप ब्योरा सक्सेस जोन संस्थान परिसर में संस्थापक व निर्देशक युवा समाजसेवी स्व गौतम के याद में बढ़ती ठंड को देखते हुए १५१ कम्बल गरीबों के बीच वितरण किया गया। मुख्य अतिथि लोयाबाद थाना प्रभारी पिंकू प्रसाद एवं सहदेवा फाउंडेश के हर्ष सिंह उपस्थित थे। युवा समाज सेवी विनय चौहान में अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। विनय चौहान के नेतृत्व में मुख्य अतिथियों के द्वारा १५१ गरीब जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया गया। कार्यक्रम में एक मिनट का मौन रखकर गौतम सर को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। मौके पर दीपक कुमार गुप्ता, मनीष कुमार, ललन केसरी, युवराज चौहान, सौरभ सिंह, धीरज चौधरी, सुनील चौधरी, हीरा कुमार, विक्की नोनिया, अमित चौहान, मनीष कुमार, दीपक चौहान, विष्णु भुईया, छोटू कुमार, रंजीत कुमार आदि उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त प्राधानाध्यापक को दी गई विदाई

गोविंदपुर (ससे) : मध्य विद्यालय खड़काबाद के प्रधानाध्यापक ललित कुमार मिश्र की सेवानिवृत्ति पर आयोजित विदाई समारोह में +२ हाई स्कूल नगरकियारी की प्राचार्य डॉ मीरा सिंह ने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते। आजीवन समाज को दिशा निर्देश देते रहते हैं। शिक्षक नेता अशोक मंडल, संजय गिरि, विनीता झा एवं नुसरत प्रवीण ने कहा कि श्री मिश्र ने ३० वर्षों की सेवा में इस विद्यालय को अपने घर की तरह सांवरासजाया एवं आगे बढ़ाया। ललित मिश्र ने कहा कि उन्होंने मुखिया गुलाबी मंडल, पूर्व मुखिया बबलू मंडल, सविता बनर्जी, पूर्व जिप सदस्य अब्दुल मन्नान, उप मुखिया हीना परवीन व सभी के सहयोग से ही इस विद्यालय को शिक्षा विभाग के मानचित्र पर ला खड़ा किया। अध्यक्षता प्रभारी युनुस अंसारी एवं संचालन अमूल्य कुमार ने किया। मौके पर बीपीओ दीपक कुमार, जय प्रकाश मिश्र, प्रवीण कुमारी, नरसिंह पांडेय, सत्येंद्र तिवारी, रशीद अंसारी, देवनारायण पांडेय, केशव पाठक, नयन मिश्रा, वीरेन मंडल, हरेंद्र कुमार सिंह, रूबी खातून, सिखा सिन्हा, मो. हेसानुद्दीन, रिजवान अंसारी, बबलू पाल, हीरालाल ठाकुर, संतोष कुमार झा, विनोद रविदास, अवनीकांत झा, केशव पाठक, आलोक तिवारी, चित्तरंजन गोराई, मंटू रविदास, मजहरूद्दीन, गौर कुमार, धनंजय कुमार, धनंजय बाउरी आदि मौजूद थे।

विनय सिंह के पुत्र के विवाह समारोह में जुटे गणमान्य लोग

धनबाद (कासं) : धनबाद के जानमाने उद्योगपति सह क्रिकेट असोसिएशन के अध्यक्ष विनय कुमार सिंह के पुत्र विजय प्रताप सिंह का शुभ विवाह

विजय प्रताप सिंह व अनमोल कुमारी सिंह को दिया आशीर्वाद

अनमोल कुमारी सिंह के साथ धूमधाम से गुर्जर क्षत्रिय भवन शास्त्री नगर धनबाद में संपन्न हुआ। स्वागत समारोह में जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी और झारखण्ड के आजसू सुप्रीमो पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो और गिरिडीह के सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी सहित कई विधायकों ने वरबधू को आशीर्वाद दिया। वहीं कई उद्योगपति और पत्रकारों ने भी स्वागत समारोह में भाग लिया। और विनय कुमार सिंह पुत्र के विवाह पर उन्हें बधाई दी। विनय कुमार सिंह के पिता स्व. रामनाथ सिंह कोयलांचल धनबाद के जानेमाने समाजसेवी में गिने जाते थे।और वह स्व. विधायक सूर्यदेव सिंह के परम मित्रों में से थे।

शादी समारोह में आगुंतुकों का स्वागत सिंह परिवार के शिवनाथ सिंह, कुंदन कुमार सिंह, राहुल सिंह, रोहित सिंह, अजय प्रताप सिंह, रोहन प्रताप सिंह, शिवादित्य सिंह एवं सौर्य प्रताप सिंह आदि ने किया। वरबधू को सुखी वैवाहिक जीवन की शुभ कामना दैनिक अखबार बिहार ऑबजर्वर के संपादक गणेश मिश्रा ने भी दी।

फरार अभियुक्त के घर चिपकाया गया इस्तेहार

लोयाबाद (ससे) : केन्दुआडीह पुलिस रविवार को लोयाबाद पुलिस के मदद से कांड संख्या ४२/२४ का फरार नामजद अभियुक्त राजेश रवानी, पिता सुखदेव रवानी एकड़ा झारखंड मोड़ निवासी एवं लोयाबाद नं. ५ भुईयां पट्टी निवासी जाटो भुईयां पिता मुन्ना भुईयां के घर पर इश्तिहार चिपकाया गया। इश्तिहार तामिला में केन्दुआडीह थाना के एस आई शिबु कुजुर एवं लोयाबाद पुलिस शामिल थे।

खाद्य व्यवसाय संचालकों को प्रशिक्षित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन

गिरिडीह (ससे): सिविल सर्जन, गिरिडीह के आदेशानुसार आज सदर हॉस्पिटल के कॉन्फ्रेंस हॉल में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, २००६ एवं खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य कारोबार का अनुज्ञापन और रजिस् ट्रीकरण) विनियम, २०११ के अनुसूची खत में किये गए प्रावधान के अनुरूप भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के ऋजडढ-उ कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य व्यवसाय संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक विषय पर प्रशिक्षित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे कुल मिला कर १०० कारोबारियों ने भाग लिया। एफएसएसएआई के सूचीबद्ध प्रशिक्षक डॉ० राकेश सिंह ने खाद्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा खतरा, खाद्य विषाक्तता , खाद्य संक्रमण और खाद्य एलर्जी एवं नियंत्रण, खाद्य जनित रोग, संचारी और गैर संचारी रोग, फूड ग्रेड रंग, पैकेजिंग सामग्री, कागज, बर्तन, एडिटिव एवं प्रिजर्वेटिव, टेंपरेचर डेंजर जोन, उच्च जोखिम वाले खाद्य पदार्थ, जीएमपी- गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस, जीएचपी - गुड हाइजेनिक प्रक्टिसेस, डजझ स्टैंडरड ऑपरेटिंग प्रोसीजर, एफएसएमएस- खाद्य सुरक्षा और प्रबंधन प्रणाली खाद्य व्यवसाय रजिस्ट्रेशन एवं लाइसेंस के अनिवार्यता एवं प्रक्रिया, लाइसेंस और पंजीकरण के नियम और शर्तें, व्यक्तिगत एवं कार्यस्थल की साफ-सफाई एवं स्वच्छता, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, फूड सैंपल एवं टेस्ट की जरूरत, फूड पैकेजिंग एवं लेबलिंग नियम, कच्ची सामग्री की गुणवता के मानक, पेयजल मानक और परीक्षण कीट नियंत्रण, खाद्य पदार्थ का सुरक्षित भंडारण और परिवहन, फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड, गोल्डेन रूल, कचरे का प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा इंस्पेक्शन चेकलिस्ट, इत्यादि का विशेष रूप से चर्चा किया गया।

प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के ट्रेनिंग पार्टनर ३६० रिसर्च फाउंडेशन के राहुल कुमार (प्रोजेक्ट मैनेजर, झारखंड), अमित कुमार और शुभम के द्वारा किया करवाया गया। कार्यक्रम में गिरिडीह जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ राजा कुमार ने बताया की यह प्रशिक्षण सभी खाद्य व्यापारियों को लेना अनिवार्य हैं साथ ही उन्होंने कहा की अगला प्रशिक्षण आने वाले कुछ दिनों में वापस से किया जायेगा, जिसकी निबंधन जारी है। कार्यक्रम का सफल आयोजन में खाद्य सुरक्षा विभाग गिरिडीह के कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

हवा बहुत खराब श्रेणी में आईएमडी ने किया अलर्ट

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में है, हालांकि प्रदूषण स्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ३०५ पर रहा। अधिकारियों के मुताबिक अनुकूल हवाओं की दिशा एवं गति तथा पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं में आई कमी से प्रदूषण के स्तर में यह गिरावट दर्ज की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'स्काईमेट वेदर' के उपाध्यक्ष ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रह सकता है। हवा की गति तेज रहने की संभावना के कारण, एक्यूआई कम से कम अगले दो दिनों तक 'गंभीर' श्रेणी में नहीं जाएगा। इस बीच दिल्ली में लगातार औसत एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया है। सीपीसीबी के मुताबिक शून्य से ५० के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', ५१-१०० को 'संतोषजनक', १०१-२०० को 'मध्यम', २०१-३०० को 'खराब', ३०१-४०० को 'बहुत खराब' और ४०१-५०० को 'गंभीर' माना जाता है। सीपीसीबी के समीर ऐप से पता चला है कि दिल्ली के ३८ सक्रिय निगरानी स्टेशनों में से किसी ने भी शनिवार को एक्यूआई को 'गंभीर' श्रेणी दर्ज नहीं की, जबकि एक दिन पहले आठ स्टेशनों ने 'गंभीर' श्रेणी में प्रदर्शित की थी।

योगदा सत्संग आश्रम में गीता जयंती मनाई गई

राँची (ससे) : योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस), राँची आश्रम ने आयोजित एक विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम के साथ गीता जयंती श्रीमद्भगवद्गीता के प्राकट्य की पवित्र वर्षगांठ मनाई। गीता जयंती (जो इस वर्ष १ दिसम्बर को है) भारत और विश्वभर में लाखों लोगों द्वारा उस दिन के रूप में मनाई जाती है, जब भगवान कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन को भगवद्गीता के अमर उपदेश दिए थे। यह दिन गीता के सार्वभौमिक और शाश्वत संदेश की याद दिलाता है जो मानवता को धार्मिक कार्य, आंतरिक संतुलन और आध्यात्मिक अनुभूति की ओर मार्गदर्शन करता है।

उत्सवों के भाग के रूप में, वाईएसएस संन्यासी स्वामी ईश्वरानन्द गिरि द्वारा हिन्दी में निष्काम कर्म : आत्मा की मुक्ति का मार्ग शीर्षक से एक सीधा प्रसारण ऑनलाइन प्रवचन आयोजित किया गया। परमहंस योगानन्द की ईश्वर-अर्जुन संवाद : श्रीमद्भगवद्गीता में दी गई गहन व्याख्या से लेते हुए, स्वामी ईश्वरानन्द ने अध्याय के श्लोक ४७ से ५१ तक की व्याख्या की। उन्होंने समझाया कि कैसे गीता जीवन के कर्तव्यों में पूरी तरह से संलग्न रहने के साथ-साथ परिणामों के प्रति आंतरिक रूप से अनासक्त रहने की शिक्षा देती है।

योगानन्दजी के गहन विचारों को स्पष्ट करते हुए, स्वामीजी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि योगी ऊर्जावान, निःस्वार्थ भाव से, और आंतरिक संतुलन के साथ कार्य करना सीखता है यह पहचानते हुए कि सभी कार्यों के पीछे ईश्वर ही सच्चे कर्ता हैं। उन्होंने योगानन्दजी द्वारा योग की परिभाषा उचित कर्म करने की कला के रूप में बताई, और यह स्पष्ट किया कि कैसे सही दृष्टिकोण, भक्ति और आंतरिक समर्पण कर्म को आध्यात्मिक मुक्ति के मार्ग में परिवर्तित कर देते हैं। इस प्रवचन में श्री श्री परमहंस योगानन्द के भक्तों, योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया के संस्थापक एवं विश्व-प्रसिद्ध आध्यात्मिक क्लासिक योगी कथामृत के लेखक के साथ-साथ कई अन्य आध्यात्मिक साधकों ने भी भाग लिया। सैकड़ों लोगों ने व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम में भाग लिया, और हजारों लोगों ने वाईएसएस यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारण के माध्यम से भाग लिया, जो गीता के कालातीत उपदेशों में व्यापक रुचि को दर्शाता है।

रोटरी इंटर क्लब बैडमिंटन टूर्नामेंट का सफल आयोजन

गिरिडीह (ससे): रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह, रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर तथा रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह कपल के संयुक्त तत्वावधान में इंटर क्लब रोटरी बैडमिंटन टूर्नामेंट २०२५ का सफल आयोजन गिरिडीह इंडोर स्टेडियम में किया गया। इस खेल महोत्सव में सभी क्लबों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता के संयोजक रोटेरियन सारंग केडिया, रोटेरियन विकास शर्मा एवं रोटेरियन गुरविंदर सिंह सलूजा द्वारा पूरे आयोजन का संचालन बेहतरीन ढंग से किया गया। सभी प्रतिभागियों ने खेल भावना, आपसी सहयोग और रोटरी की सौहार्दपूर्ण परंपरा को नए स्तर पर स्थापित किया।

टूर्नामेंट के विजेताओं को मोमेंटो एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मैंस डबल्स में विजेता के रूप मैं रोटरी गिरिडीह कपल के पूर्व अध्यक्ष श्री गुरविंदर सिंह सलूजा एवं उनके पार्टनर रोटरी गिरिडीह के सदस्य श्री तरनजीत सिंह सलूजा हुए और रनर उप में रोटरी गिरिडीह ग्रेटर के पूर्व अध्यक्ष विकाश शर्मा जी एवं उनके पार्टनर रोटरी गिरिडीह के विकाश बसईवाला जी हुए।

मौके पर उपस्थित मैच रेफरी श्री रोहित श्रीवास्तव , आदर्श, एवं लाइन मैन को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। रोटरी परिवार द्वारा ऐसे आयोजनों से न केवल सदस्यों में खेल भावना को बढ़ावा मिलता है, बल्कि क्लबों के बीच आपसी संबंध और भी मजबूत होते हैं।

40 जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल वितरित

गिरिडीह/कुसमाटांड(ससे): जिले में बढ़ती ठंड और शीत लहर के प्रकोप को देखते हुए, लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने रविवार को एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल की।

क्लब ने बेंगाबाद पंचायत के कुसमाटांड गांव में ४० ज़रूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल वितरित किए। यह वितरण कार्यक्रम लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट ३२२- के तहत चल रहे वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी अभियान का हिस्सा था, जो १६ से ३० नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए, गिरिडीह सनशाइन ने मानवीयता की एक नई और प्रेरणादायक मिसाल पेश की।

लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन पिछले तीन वर्षों से समाज के लोगों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए लगातार अच्छे और सामाजिक कार्य कर रहा है। क्लब के ये प्रयास आज की युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हैं कि वे समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को समझें और आगे बढ़कर कुछ सार्थक करें।

आज के इस सफल और प्रेरणादायक कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के सभी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस दौरान, क्लब के अध्यक्ष, लायन सुमित भुदोलिया, ने कहा कि समाजसेवा हमारा मूल मंत्र है और हम आगे भी पूरी लगन से समाज की सेवा करते रहेंगे।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के अध्यक्ष लायन सुमित भुदोलिया, कोषाध्यक्ष पुनीत खंडेलवाल, तथा अन्य सदस्य लायन सूरज टिबरेवाल, लायन वरुण झुनझुनवाला, लायन सोनल खंडेलवाल, लायन प्रिया भुदोलिया, लायन खुशबू टिबरेवाल और लायन हर्षित केडिया आदि की महत्वपूर्ण भागीदारी रही।

इन सभी युवा सदस्यों के हौसले को बढ़ाने के लिए, हमेशा की तरह, समाज सेवी राजेश सुराना जी ने भी अपना बहुमूल्य समय निकालकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। यह कंबल वितरण न सिर्फ़ ठंड से बचाव का साधन बना, बल्कि यह संदेश भी दिया कि एकजुट होकर किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई, 130 टन कोयला जब्त

बोकारो (ससे): जिला पुलिस, खान एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को महुआटांड़ थाना क्षेत्र के दुधमटिया के समीप अवैध कोयला खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की।

विशेष छापामारी अभियान के दौरान टीम ने एक खुली अवैध कोयला खदान का पता लगाया। साथ ही पास के जंगल में लगभग १३० टन अवैध कोयला भंडारित मिला, जिसे प्रशासन द्वारा मौके पर ही जब्त कर लिया गया। छापामारी दल में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, खान निरीक्षक अजय कुमार महतो, पुलिस उपनिरीक्षक प्रवीण महतो (महुआटांड़ थाना), वनरक्षी नितय कुमार महतो (गोमिया वन प्रक्षेत्र), क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी आशीष झा (सीसीएल, रजरप्पा क्षेत्र) तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल शामिल थे। अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र की तलाशी ली और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों की पहचान को लेकर जांच तेज कर दी है। जप्त कोयले से जुड़े अवैध खनन एवं तस्करी के मामले में महुआटांड़ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

भारत और अफगानिस्तान ने बायपास मार्ग से शुरु कर दिया कारोबार

नई दिल्ली,(ईएमएस): भारत और अफगानिस्तान के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए शुरू की जा रही कार्गो फ्लाइट्स से पाकिस्तान की शाहबाज सरकार को मिर्ची लग सकती है। दरअसल पाकिस्तान द्वारा बार-बार सीमा बंद करने के कारण अफगानिस्तान के व्यापार को हो रहे नुकसान के जवाब में बायपास के तौर पर काम करेंगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच सीधे कार्गो फ्लाइट्स (एयर फ्रेट कॉरिडोर) की शुरुआत की जा रही है। पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ाना और अफगानिस्तान की पाकिस्तान पर निर्भरता कम करना। यह सहमति अफगान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अल-हाज नूरुद्दीन अजीजी की भारत यात्रा के दौरान बनी। काबुल-दिल्ली और काबुल-अमृतसर सेक्टरों पर एयर फ्रेट कॉरिडोर सक्रिय कर दिए गए हैं। भारत की ओर से सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, और फ्लाइट्स बहुत जल्द शुरू होंगी, अब केवल अफगान अधिकारियों की तरफ से दस्तावेज़ों का काम बाकी है। हाल के सालों में पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच दुश्मनी बढ़ी है, जिसके कारण पाकिस्तान बार-बार बॉर्डर क्रॉसिंग (जैसे तोर्खम और चमन) बंद कर देता है और आवागमन सीमित करता है। सीमा बंद होने से अफगान निर्यात ठप पड़ गया, हजारों व्यापारी फंसे, और किसानों/निर्यातकों को १०० मिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ।

दुनिया का अनूठा मुक्तिधाम, 12 राशियों के 12 मंडप

इटावा (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के इटावा में दुनिया का सबसे अनूठा मुक्तिधाम बना है। यहां पर अंतिम संस्कार वाराणसी के मनिकनिर्णका घाट से लाई गई अग्नि के माध्यम से की जाती है।

इस मुक्तिधाम का निर्माण २०१७ में किया गया था। यहां पर जो भी शव अंतिम संस्कार के लिए लाये जाते हैं। उनका नाम ओर राशियों के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाता है। इसके लिए १२ मंडप बनाए गए हैं। हर मंडप में चार-चार चबूतरे तैयार किए गए हैं। हर मंडप में नाम और राशि का उल्लेख किया गया है। अंतिम संस्कार के लिए जो शव आते हैं। उनका अंतिम संस्कार उनकी ही राशि के मंडप में होता है। इस मुक्तिधाम में लकड़ी मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है। परिजन जो दान में देना चाहते हैं।

वह दान करते हैं। वृंदावन के पागल बाबा आश्रम से जुड़े हुए श्याम सुंदर चौरसिया का कहना है। वह हर पूर्णिमा को वृंदावन जाते हैं। २०१४ में उनके छोटे बेटे और बड़ी बहू की मौत एक दुर्घटना में हो गई थी। उसके बाद उन्होंने कारोबार त्याग कर समाज सेवा के काम शुरू कर दिया।

पत्रकार के घर बुलडोजर एक्शन का सरकार ने नहीं दिया आदेश

जम्मू,(ईएमएस): जम्मू और कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने एलजी मनोज सिन्हा से जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा पत्रकार अरफज डैंग के पिता का घर गिराए जाने की घटना की जांच का आदेश देने का आग्रह किया है। चौधरी ने इस कार्रवाई को चुनिंदा और प्रतिशोधी बताते हुए इसमें शामिल अधिकारियों को निलंबित करने की भी मांग की है। पत्रकार के परिवार से मिलने के बाद चौधरी ने सवाल उठाया कि इस विध्वंस के लिए कौन जिम्मेदार है, जबकि निर्वाचित सरकार ने इसका आदेश नहीं दिया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरिंदर चौधरी ने एलजी सिन्हा को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस, जिसने विध्वंस के लिए समर्थन दिया, वह आपकी थी। जेडीए के उपाध्यक्ष आपके द्वारा नियुक्त किए गए हैं। अगर आप कहते हैं कि यह विध्वंस आपके आदेश पर नहीं किया गया, तो इन अधिकारियों ने एलजी या सीएम से पूछे बिना इसे करने की हिम्मत कैसे की? उन्होंने कहा कि हम निर्वाचित सरकार खुले तौर पर कह रहे हैं कि हमने इसका आदेश नहीं दिया।

उपमुख्यमंत्री कह रहे हैं कि यह जम्मू-कश्मीर सरकार की मंजूरी से नहीं किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने मांग की कि एलजी विध्वंस की जांच का आदेश दें और पता लगाएं कि यह किसके आदेश पर किया गया।

उन्होंने जेडीए उपाध्यक्ष से जवाब मांगा कि विध्वंस का आदेश किसने दिया और कहा कि सीएम उमर की सहमति के बिना यह कार्रवाई करने वाले अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जाएगी।

चौधरी ने वरिष्ठ बीजेपी नेता रविंदर रैना के दावे का जिक्र किया जिसमें उन्होंने एलजी से बात करने के बाद विध्वंस आदेश जारी करने से इनकार कर दिया था। चौधरी ने सच्चाई जानने के लिए बीजेपी नेता के मोबाइल फोन के कॉल डेटा रिकॉर्ड को प्राप्त करने की मांग की।

बता दें जेडीए ने गुरुवार को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में एक अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान ७२ साल के गुलाम कादिर डैंग के घर को ध्वस्त कर दिया था। स्थानीय लोगों ने दावा किया था कि वे पिछले चार दशकों से वहां रह रहे थे और उन्हें कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। चौधरी ने कहा कि निर्वाचित सरकार न तो कमजोर है और न ही असहाय और वह पत्रकारों या गरीबों को निशाना बनाने वाले चुनिंदा या प्रतिशोधी उपायों की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने बताया कि वह सीएम के निर्देश पर आए थे ताकि लोगों को यह बता सकें कि हमारी सरकार कभी भी सस्ते या बदले की रणनीति नहीं अपनाएगी।

उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया को दबाने की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा, अगर कोई सोचता है कि वे जम्मू-कश्मीर को उत्पीड़न और दमन से चला सकते हैं, तो यह लंबे समय तक नहीं चलेगा।

पंजाबी सिंगर पर धोखाधड़ी के साथ बलात्कार के आरोप

कपूरथला (ईएमएस): पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री एक बार फिर विवादों में आ गई है। मशहूर सिंगर हसन मानक के खिलाफ पहले से दर्ज धोखाधड़ी के मामले में अब गंभीर मोड़ आ गया है। कपूरथला पुलिस ने सिंगर के खिलाफ रेप की धाराएं जोड़ते हुए जांच और सख्त कर दी है। जानकारी के अनुसार, पहले से ही हसन मानक पर एक एनआरआई महिला ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था।
महिला ने अपने बयान में कहा कि मानक ने खुद को बड़ा सेलिब्रिटी दिखाकर उसका भरोसा जीता और फिर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। महिला के अनुसार, मानक पहले से शादीशुदा था और उसने महिला से लाखों रुपए ऐंठे।
पुलिस ने महिला के बयान के आधार पर केस में आईपीसी की धारा ३७६ (बलात्कार) समेत अन्य गंभीर धाराएं जोड़ दी हैं। हसन मानक को पहले ही फ्रॉड केस में गिरफ्तार किया गया था। मामले की जांच जारी है और पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी कानूनी पहलुओं की समीक्षा शुरू कर दी है।

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से मध्य प्रदेश में बड़ी ठंड

नई दिल्ली,(ईएमएस): पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से मध्य प्रदेश में सर्दी बढ़ गई है। शनिवार को जबलपुर, ग्वालियर समेत राज्य के १२ शहरों में पारा १० डिग्री से नीचे पहुंच गया। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई जिलों में सुबह कोहरा नजर आया। वहीं राजस्थान में बीते २ दिनों में हल्की बारिश के बाद सर्दी अपना असर दिखाने लगी है। भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद समेत पांच जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। १ दिसंबर से राज्य में शीतलहर का अलर्ट है। शेखावाटी और बीकानेर संभाग में न्यूनतम तापमान २ डिग्री तक जाने की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल लंबे समय से बारिश-बर्फबारी का इंतजार कर रहे पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है। मौसम विभाग ने ४ दिसंबर से प्रदेश के ऊपरी और पहाड़ी क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है। हिमाचल प्रदेश में इस महीने अभी तक ९३फीसदी कम बारिश हुई है, जिससे सूखे जैसे हालात बनना शुरू हो गए हैं। वहीं, उत्तराखंड में शनिवार को बादल छाए रहे। पहाड़ी इलाकों का पाला गिर रहा है। केदारनाथ में तापमान माइनस १४ डिग्री और बद्रीनाथ में माइनस १० डिग्री तक पहुंच गया।

राजस्थान में १ दिसंबर से सर्दी तेज पड़ने की संभावना जताई जा रही है। उत्तरी हवा चलने से शेखावाटी और बीकानेर संभाग में न्यूनतम तापमान २ डिग्री तक जाने के आसार हैं। मौसम विभाग ने सीकर और झुंझुनूं में कोल्ड वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं पिछले २४ घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान बीकानेर के लूणकरणसर में ८.८ और सीकर के फतेहपुर में ८.९ डिग्री दर्ज किया गया।

वहीं मध्यप्रदेश में सर्दी फिर से असर दिखाने लगी है। शनिवार रात प्रदेश के १४ शहरों में रात का पारा १० डिग्री से नीचे था। छतरपुर के नौगांव में ६.१ डिग्री और पचमढ़ी में पारा ६.४ डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भोपाल में पिछले २ दिन से शीतलहर चल रही है, न्यूनतम पारा ८.६ डिग्री पहुंच गया।

वहीं उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पाला गिरा है, जिससे निचले इलाकों में सर्दी बढ़ गई है। केदारनाथ में तापमान माइनस १४ डिग्री और बद्रीनाथ में माइनस १० डिग्री तक पहुंच गया है। शनिवार को हरिद्वार और ऊधम सिंह में हल्की धुंध थी। राजधानी देहरादून का न्यूनतम तापमान ८.७ डिग्री रहा।

हरियाणा में सोमवार से शीत लहर चलने का अनुमान है। पहाड़ों पर हुई ताजा बर्फबारी के बाद नमी बढ़ेगी और सर्दी का एहसास होगा। वहीं सुबह के समय कुछ इलाकों में हल्की धुंध छा सकती है।

हालांकि अभी रात का तापमान औसत ८ डिग्री चल रहा है। वहीं, नवंबर माह में हरियाणा में ७९फीसदी कम बारिश देखने को मिली। इससे महीने में न्यूनतम बारिश का २५ साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। वहीं बिहार की बात करें तो दिसंबर के पहले सप्ताह से ही सर्दी बढ़नी शुरू हो जाएगी। रविवार सुबह पटना, बेतिया, गोपालगंज समेत १० से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा। ३ दिनों से औरंगाबाद सबसे ठंडा जिला रहा। यहां आज २४ घंटे में १२ डिग्री तापमान पहुंचा है। ३ दिन पहले यहां ९ डिग्री तापमान था।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

संत अंथोनी चर्च में प्रार्थना सभा का आयोजन

धनबाद (कासं) : संत अंथोनी चर्च धनबाद में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा के आयोजन के पूर्व आशा

के प्रतीक माने जाने वाले बैंगनी रंग का मोमबत्ती चर्च के फादर द्वारा जलाया गया। क्रिसमस आगमन के चार रविवार पूर्व से ही क्रिसमस की तैयारी शुरू हो जाती है। आगमन काल के प्रत्येक रविवार का विशेष महत्व होता है।

आगमन काल के प्रथम रविवार की शुरुआत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है जो ईसा मसीह के जन्म और उनके दूसरे आगमन की प्रतीक्षा और तैयारी का समय होता है। यह रविवार धार्मिक वर्ष की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है और आशा के विषय से जुड़ा होता है। आगमन के पहले रविवार को जलाए जाने वाली मोमबत्ती बैंगनी रंग की होती है। यह मोमबत्ती आशा का प्रतीक है और इसे अक्सर भविष्यवाणी की मोमबत्ती भी कहा जाता है। भविष्यवक्ताओं द्वारा की गई भविष्यवाणी के अनुसार यीशु के आगमन की प्रत्याशा को दर्शाती है। बैंगनी रंग स्वयं तैयारी, तपस्या तथा राजसीपन का प्रतिनिधित्व करता है और आशा के विषय से जुड़ा है, आध्यात्मिक रूप से तैयार होने का एक अनुस्मारक है। संत अंथोनी चर्च के मुख्य फादर अमातुस कुजूर ने प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए अपने उपदेश में कहा कि कैथोलिक कलिसिया के कैलेंडर वर्ष के अनुसार आज आगमन का पहला रविवार है।

आगमन का मतलब किसी का आना, किसी का इंतजार करना। हर वर्ष जब आगमन काल शुरू होता है तो हम सभी प्रभु के आने का इंतजार करते हैं। प्रभु के आने का इंतजार करना ही आशा का इंतजार है। कोई भी इंतजार आशा का होता है। बैंगनी रंग का मोमबत्ती आशा को दर्शाता है। हम सभी आशा में जीते हैं ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार हम सभी प्रभु हमारे जीवन में आने की आशा करते हैं।

उन्होंने आगे कहा जिस प्रकार कोई महान व्यक्ति हमारे बीच में आने का आह्वान करता है तो हमें खुशी होती है, गर्व का अनुभव होता है। ठीक उसी प्रकार हमारे बीच में हमारे महान प्रभु, मुक्ति दाता, तारणहारा आने का आह्वान किया जा रहा है। हमें प्रकाश और ज्योति के रास्ते चलकर अपने मन, विचार और सोच को स्वच्छ रखकर उस महान प्रभु को स्वागत करने के लिए हमें आध्यात्मिक रूप से तैयार रहना है।

शिल्पे अनन्या त्रैमासिक बंगला पत्रिका का विमोचन

धनबाद (कासं) : शिल्पे अनन्या त्रैमासिक बंगला पत्रिका जो

झारखंड से प्रकाशित एकमात्र सुप्रसिद्ध रजिस्टर्ड त्रैमासिक बांग्ला पत्रिका है , इसके ७३ वें अंक का विमोचन शिल्पे अनन्या त्रैमासिक बंगला पत्रिका का कार्यालय विभूति अपार्टमेंट में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रिका के संपादक प्रोफेसर (डॉ.) दीपक कुमार सेन के द्वारा किया गया । उन्होंने कहा कि हमें अत्यंत हर्ष है कि वर्ष १९७७ से लगातार प्रकाशित होने वाली यह पत्रिका आज भी अपनी गौरवपूर्ण यात्रा जारी रखे हुए है। इस पत्रिका में देश के प्रतिष्ठित बांग्ला लेखक, शोधकर्ता और बांग्ला भाषा के प्राध्यापक निरंतर योगदान देते आ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में शिल्पे अनन्या त्रैमासिक बंगला पत्रिका और रांची विश्वविद्यालय के बंगला विभाग द्वारा संयुक्त रूप से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पत्रिका के ७५ वें अंक के विमोचन समारोह में देश के सुप्रसिद्ध विद्वानों के शामिल होने की संभावना है।

इस अंक में अनेक शोधकर्ताओं, कवियों, कथाकारों और लेखकों के लेख एवं रचनाएँ शामिल हैं, जिनकी चर्चा बंगाल, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, मेघालय और त्रिपुरा के बुद्धिजीवियों के बीच हो रही है। शिल्पे अनन्या त्रैमासिक बंगला पत्रिका के परामर्शदाता समिति के सदस्य तथा भारत ज्ञानविज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी ने कहा कि इस पत्रिका से उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला है। आजादी की लड़ाई और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बंगाल रहा है और आज भी बंगाल के कोनेकोने में अनेक शोधकर्ता सक्रिय हैं, जिनसे निरंतर सीखने को मिलता है।उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में मुर्शिदाबाद के प्रतिष्ठित बासभूमि अवॉर्ड में प्रोफेसर (डॉ.) डी.के. सेन को अध्यक्षता का अवसर मिला और डॉ .काशी नाथ चटर्जी मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गए।

भट्ठा मजदूरों की समस्याओं को विधानसभा में उठाएंगे : विधायक चंद्रदेव

बलियापुर (ससे) : केंडवाटांड़ मोड़ के पास भट्ठा मजदूरों की बैठक बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के नेता दिलीप मुखर्जी की अध्यक्षता में हुई। मजदूरों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा किया गया। सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने भट्ठा मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि असंगठित मजदूरों को उनका न्यूनतम मजदूरी नहीं मिलना घोर अन्याय है। कहा कि संयुक्त बिहार में जिन मजदूरों को कुशल श्रमिक के रूप में पारिश्रमिक दी जाती थी उन्हें सेमी कुशल का दर्जा दे दिया गया है। विधायक ने समस्याओं के निदान के लिए मामले को विधानसभा में उठाने की बातें कहीं। उन्होंने मजदूरों को अपना हक अधिकार के लिए संगठित होने की जरूरत बताया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि मुस्ताक आलम, देवाशीष पांडेय सहित सैकड़ो मजदूर मौजूद थे।

वोट चोर गद्दी छोड महारैली को सफल बनाने को ले कांग्रेस की बैठक

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के जिला मुख्यालय हाउसिंग कॉलोनी धनबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर १४ दिसंबर को रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड महारैली को सफल बनाने हेतु एक अति आवश्यक बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी के आह्वान पर १४ दिसंबर को रामलीला मैदान दिल्ली में आयोजित महारैली को सफल बनाने हेतु धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी पूरी तैयारी के साथ कांग्रेस जिला के सैकड़ों कार्यकर्ताओं पदाधिकारी के साथ दिल्ली जाने का निर्णय लिया है। जिलाध्यक्ष ने कहा जिला कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल डीआरएम और सीनियर डीसीएम से मिलकर एक बोगी आरक्षित करने का बात करेंगें। जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा धनबाद के पूर्वमंत्री, पूर्व विधायक, पूर्व उम्मीदवार धनबाद लोकसभा एवं विधानसभा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सदस्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि सभी मंच मोर्चा के जिला अध्यक्ष, प्रखंड नगर अध्यक्ष, प्रखंड नगर पर्यवेक्षक, मंडल कांग्रेस के अध्यक्ष, ग्राम पंचायत कांग्रेस के अध्यक्ष, वार्ड कांग्रेस के अध्यक्ष सहित सभी कांग्रेस जन जाने की तैयारी में लग गए हैं। जिला कांग्रेस कमिटी दिल्ली रैली के बाद घोषित होगी।

जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने आगे कहा कि रैली में धनबाद जिला के तरफ से अधिक से अधिक लोगों को ले जाने का कार्यक्रम है और अपना उपस्थिति दर्ज करेंगे। बैठक को संबोधित करने वालों में सर्वश्रेष्ठ बीके सिंह, दिनेश यादव, मंटु दास, महेंद्र दुबे, कालीचरण यादव, सरफराज आलम, इरफान खान चौधरी, शैलेश कुमार सिंह संतोष चौधरी, सीताराणा, कविता धीवर, देवेंद्र कुमार, बंटी दास गोपाल कृष्णा चौधरी, देवेंद्र दुसाध, कृष्ण कुमार सिंह आदि प्रमुख थे।

तालाब के जीर्णोद्धार का टुंडी विधायक ने किया शिलान्यास

कतरास (ससे) : बाघमारा प्रखंड अंतर्गत रंगुनी पंचायत में इमली तालाब का जीर्णोद्धार कार्यक्रम का शिलान्यास टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने किया। डीएमएफटी फंड से इमली तालाब का जीर्णोद्धार कार्यक्रम किया जा रहा है। कार्यक्रम में टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो को ढोल नगाड़े के साथ फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। मथुरा प्रसाद महतो ने नारियल फोड़ कर शिलान्यास किया। मथुरा प्रसाद महतो ने मौके पर कहा कि इमली तालाब का जीर्णोद्धार कार्यक्रम डीएमएफटी फंड से किया जा रहा है। इमली तालाब में छठ पर्व के साथ अन्य आयोजन किया जाता है। स्थानीय लोगों को इस योजना से लाभ मिलेगा।

मौके पर पवन महतो, रंजीत प्रसाद, गोपी निषाद, असीम दत्ता, काबलू दत्ता, दयानंद महतो, साधु महतो, दुलाल चंद्र बाउरी, फागु भुईयां, संजीत केवट, भागीरथ महतो, गणेश महतो आदि मौजूद थे।

नई फुटबॉल रेफरियों का फिजिकल फिटनेस टेस्ट व लिखित परीक्षा संपन्न

धनबाद (कासं) : बिरसा मुंडा स्टेडियम में धनबाद जिला फुटबॉल संघ द्वारा नई फुटबॉल रेफरियों का जिला ग्रेड के लिए लिखित परीक्षा व फिजिकल फिटनेस टेस्ट सफल पूर्वक लिया गया। जिसमें तीन महिला एवं १५ पुरुष रेफरियों ने भाग लिया।

परीक्षा में उत्तीर्ण रेफरी राज्यस्तरीय लेवल ८ की परीक्षा में भाग लेंगे। इस अवसर पर जिला फुटबॉल संघ के महासचिव मृदुल बोस, कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलाउद्दीन, संयुक्त सचिव शुभंकर सरकार, उपाध्यक्ष डॉ विकाश रमन, जिला रेफरी एचओआर उदय मिश्रा, सदस्य संतोष रजक ने रेफरियों के साथ परिचय प्राप्त किए तत्पश्चात प्रश्न पत्र देकर कार्यक्रम की शुरुआत किया। सहायक सचिव सुनील मिश्रा, सीनियर रेफरी जसविंदर सिंह, संजय हेंब्रम, बबिश कुमार, पूजा कुमारी, बिरसा मुंडा क्लब के अध्यक्ष राजेश सिंह के देखरेख में परीक्षा एवं फिटनेस टेस्ट कार्यक्रम संपन्न हुआ।

माले नेता राजा बहुगुणा का निधन

धनबाद (कासं): इंकलाबी माले के सेंट्रल कंट्रोल कमीशन के अध्यक्ष सीओ राजा बहुगुणा का दिल्ली के एक अस्पताल में चिकित्सा के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। वे ६८ वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से पूरी पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई। कॉमरेड के सम्मान में पार्टी का अपना झंडा फहराया गया है। झरिया (गोलकडीह) के जुझारू मित्र कॉम० सुंदर वर्मा का भी निधन हो गया है। सभी दिवंगत नेताओं की याद में टेंपल रोड, पुराना बाजार स्थित स्मारक माले जिला कार्यालय में जिला समिति की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राजा बहुगुणा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है कि उनका पूरा जीवन मेहनतकश जनता के संघर्षों को समर्पित था। उनका राजनीतिक जीवन उत्तराखंड राज्य के अनुशासन से शुरू हुआ। आख़िरकार विरोधी आंदोलन और वन आंदोलन (चिपको आंदोलन) में खुद को शामिल कर लिया। पर्यावरण पर किसानों के अधिकारों और रोजगार के लिए कई क्रांतियों का नेतृत्व किया गया। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अज़ाब राज्य में विशाल रैली का आयोजन किया गया। पृथक्करण उत्तराखंड राज्य के भविष्य की दशादिशा को लेकर उन्होंने एक पुस्तक लिखी। उस अलग राज्य की लोकतांत्रिक भावनाओं को स्वर दिया जा सके।

हस्ताक्षर अभियान के प्रथम चरण का समापन

धनबाद (कासं) : आम आदमी पार्टी डिस्ट्रिक्ट के यूनिट द्वारा चलाया जा रहा हस्ताक्षर अभियान के पहले चरण का समापन आरा मोड़ वासेपुर में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों की सूची में पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ के निधन पर श्रद्धांजलि दी गई। वताओं ने कहा कि बीएलओ के उपर भाजपा सरकार और चुनाव आयोग का दबाव बना हुआ है। अब तक २५ से अधिक लोग जान गवां चुके है। यह सिर्फ लोकतंत्र के खिलाफ नहीं बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ संयुक्त अपराध है। यह अधर्मी है। बिना प्रशिक्षण और बिना समय सीमा के ऐसे काम किया जा रहा है। कई जगहों पर बीएलओ को रात भर ड्यूटी करनी पड़ रही है। अभियान में बड़ी संख्या में आम जनता ने भाग लिया और पार्टी का पद ग्रहण किया। हस्ताक्षर अभियान का दूसरा चरण झरिया विधानसभा क्षेत्र से जिलों भर में होगा जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा और स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है।

एसडीपीओ ने किया मैथन ओपी का वार्षिक निरीक्षण

धनबाद (कासं) : निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला ने मैथन ओपी का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मैथन ओपी के सभी पदाधिकारी को एकएक करके बुलाया और लंबित केस एवं उनके द्वारा जांच की जा रही केसों का अवलोकन किया और जरूरी दिशा निर्देश भी दिया। एसडीपीओ ने मैथन ओपी प्रभारी आकृष्ट अमन के अलावा ओपी में पद स्थापित एसआई मदन लाल यादव, छोटका सोरेन, एएसआई मनोज कुमार ओझा, रविंद्र मुर्मू, अनीता देवी, एएसआई जेमन सहित करीब एक दर्जन जवानों से अलगअलग बुलाकर उनके द्वारा केस के अनुसंधान निष्पादन और उनकी समस्याओं को ही सुना। इस दौरान एसडीपीओ ने ओपी की संचिका एवं पंजिका की भी निरीक्षण किया साथ ही चोरी, डकैती, वारंटी, महिला उत्पीड़न, बच्चों से जुड़े केस पर अद्यतन जानकारी हासिल किया।

शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक समिति का सम्मान समारोह संपन्न

कतरास (ससे) : शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक समिति द्वारा शहीद शक्ति नाथ महतो चौक पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उन सहयोगियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया जिन्होंने नवनिर्मित आदमकद प्रतिमा निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेतुलमारी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक राम कृष्ण मार्डी थे। समिति के सदस्यों ने मुख्य अतिथि का स्वागत गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया। इसके बाद मार्डी साहब ने समिति के सदस्यों के साथ मिलकर प्रतिमा निर्माण में सहयोग देने वाले सम्मानित अतिथियों को गुलदस्ता, अंगवस्त्र और शहीद शक्ति नाथ महतो स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मानित होने वालों में मुख्य रूप से रोहित यादव, पवन कुमार अग्रवाल, माना पाठक, रामेश्वर सिंह (अजीत हार्डकोक), सुरेन्द्र सिन्हा, आनंद रवानी, पंचु सिंह, बुधर महतो (उर्फ राजू बाबू), कन्हाई चौहान, सुबोध गोप, रंजीत महतो, कृष्णा चौहान, पंकज सिंह, सुरेन्द्र महतो, करमचंद महतो सहित कई अन्य सम्मानित व्यक्तित्व शामिल थे।

समिति के सचिव शिव प्रसाद महतो ने कहा कि आज भी दूरदराज के गरीब किसान और मजदूर इलाज के अभाव में बीमार परिजनों को अस्पताल तक नहीं ले जा पाते। ऐसे जरूरतमंदों की सहायता के लिए स्मारक समिति जल्द ही सभी के सहयोग से नि:शुल्क एंबुलेंस सेवा शुरू करेगी, जिससे क्षेत्र के गरीब और असहाय लोगों को लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के सचिव शिव प्रसाद महतो, लोकनाथ महतो, घलटु त्रिगुनाईत, हुबलाल महतो, बिमल महतो, दिनेश महतो, प्रफुल्ल मंडल, नरेश महतो (बड़ा बाबू), सपन पंडित, देवेंद्र राणा, मुक्तेश्वर महतो, गहनू महतो, संजय रवानी, गिरधारी रवानी, संतोष रवानी सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

धनबाद में चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के दिशानिर्देश पर शाम से देर रात तक धनबाद जिले में व्यापक एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एकसाथ की गई इस कार्रवाई में पुलिस टीमों द्वारा मुख्य चौकचौराहों, बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, नेशनल हाईवे और सभी प्रमुख क्षेत्रों के आसपास सहित संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष रूप से सघन जांच की गई।

अभियान में जिले के सभी थाना प्रभारी, ओपी प्रभारी और विशेष पुलिस टीम शामिल रही। वहीं डीएसपी और एसडीपीओ स्तर के अधिकारी लगातार भ्रमणशील रहते हुए अभियान की प्रगति और प्रभाव की समीक्षा करते रहे। पुलिस का मुख्य फोकस अपराध नियंत्रण, अवैध गतिविधियों पर रोक और विधिव्यवस्था को मजबूत करना रहा। अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट वाले वाहन, फर्जी या संशोधित नंबर से चल रहे वाहन, बिना दस्तावेज वाले वाहन तथा नशे में वाहन चलाने वाले चालकों पर विशेष नजर रखी गई। ऐसे मामलों में कई वाहनों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई, उनके पहचान पत्र और मोबाइल की जांच की गई। पुलिस टीमों ने राहगीरों और वाहन चालकों को सतर्कता बरतने तथा ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील भी की। एसएसपी ने बताया कि इस तरह के एंटी क्राइम चेकिंग अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि असामाजिक तत्वों में कानून का भय बना रहे और शहर में सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण सुनिश्चित हो सके।

एमडीए की जलापूर्ति 2 दिन रहेगी बंद

कतरास (ससे) : तोपचाची झील से आने वाली मुख्य पाइपलाइन में वाल्व लगाने का कार्य जारी रहने के कारण एमडीए की जलापूर्ति अगले दो दिनों तक बाधित रहेगी। विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सोमवार और मंगलवार को पानी की सप्लाई पूर्णतः बंद रहेगी। जलापूर्ति बंद रहने से शक्ति चौक, तेतुलमारी, सिजुआ, कतरास और अंगारपथरा क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि कार्य पूरा होने के बाद बुधवार से जलापूर्ति सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएगी। जल विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आवश्यक पानी का भंडारण को अनावश्यक उपयोग से बचें।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र अन्तर्गत जतुडीह स्थित राजपूत भवन में डॉ लाल पैथलैब्स धनबाद के सौजन्य से एक दिवसीय स्वास्थ जांच कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में शुगर, थायरॉइड, हीमोग्लोबिन, युरिक एसिड, लिपीड प्रोफ़ाइल, कोलेस्ट्राल आदि का किफायत दर पर सेवाभाव एवं ध्यानाकर्षक के उद्देश्य से किया गया। कैम्प में सुबह से ग्रामीणों का तांता लगा रहा। लैब टेक्नीशियन विक्रांत कुमार ने जानकारी दिया कि ७५ वर्षो से डा लाल पैथलैब्स धनबाद के द्वारा लोगों के विश्वास पर खरा उतरकर लगातार सेवा प्रदान करते आ रही है। कंपनी का इस तरह का कैम्प का उद्देश्य के तहत सुदूर गाँवों में जागरूकता और सेवा भाव का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों को ज्यादा से ज्यादा कैम्प का लाभ उठाने का अपील किये। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाजसेवी सुचिन सिंह, विष्णु सिंह, अर्जुन रजवार, संजय कुमार पासवान, आदि का सहरानीय योगदान रहा।

1992 में बैन किया संगठन आरएसयू आज भी युवाओं में घोल रहा जहर

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली में इंडिया गेट पर बीते २३ नवंबर को हुए विरोध प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस के हाथ कई अहम वीडियो लगे हैं, जिसमें गिरफ्तार प्रदर्शनकारी देश की खिलाफत करने वालों का समर्थन करते नजर आए। ऐसा ही एक वीडियो भगतसिंह सिंह छात्र एकता मंच के छात्राओं का मिला है, जो इस साल फरवरी माह में हैदराबाद के एक कॉन्फ्रेंस रूम में एकत्र हुए थे, जहां इन्होंने रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन (आरएसयू) के लोगों के समर्थन में नारे लगाए हैं और उनके लिए गाना भी गा रहे हैं।

बता दें ये वही संगठन है, जिसने किशनलाल और बसवराजू जैसे खूंखार नक्सलियों को जन्म दिया। आरएसयू को १९९२ में ही भारत सरकार ने बैन किया है, लेकिन यह अब भी देश में जहर घोलने का काम कर रहा है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक वीडियो में दिख रही छात्राओं की पहचान गुरकीरत और रवजोत के रूप में हुई हैं। यह दोनों बहनें हैं और इन्होंने कर्तव्य पथ पर भी माड़वी हिडमा के समर्थन में नारे लगाए थे और दिल्ली पुलिस के साथ बदसलूकी की थी। इन दोनों को दिल्ली पुलिस ने अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस का कहना है कि इनके सोशल मीडिया अकाउंट्स को लगातार चेक किया जा रहा है, जिसमें साफ दिख रहा है कि ये पिछले काफी समय से अलग-अलग मंचों से देश की खिलाफत करने वालों का समर्थन करते आए हैं। अप्रैल १९७२ में हैदराबाद के ओस्मानिया विश्वविद्यालय में युवा छात्र नेता जॉर्ज रेड्डी की हत्या ने पूरे राज्य की राजनीति और छात्र आंदोलनों को झकझोर दिया था। आरोप था कि रेड्डी को एक दक्षिणपंथी समूह ने निशाना बनाया है।

इसी उथल-पुथल की राख से २० फ़रवरी १९७५ को रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन का जन्म हुआ। सरकार ने १९९२ में इस संगठन पर बैन लगा दिया था, लेकिन आरएसयू की विचारधारा और उसका प्रभाव आज भी भारत की आंतरिक सुरक्षा में एक गहरी छाप छोड़ता है, क्योंकि आरएसयू सिर्फ़ एक छात्र संगठन नहीं था, यह माओवादियों की वैचारिक फैक्ट्री था। भारत के दो सबसे ख़तरनाक माओवादी शीर्ष कमांडर- नंबाला केशव राव उर्फ़ बसवराजु जो हाल ही में मारा गया है और थिप्पिरी तिरुपति उर्फ़ देवूजी दूसरे नंबर का टॉप कमांडर था- दोनों इसी आरएसयू की पैदाइश हैं। यहां तक कि सीपीआई माओवादी के प्रमुख विचारक और प्रवक्ता मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ़ सोनू और किशनलाल भी इसी संगठन से निकले हैं।

सरकार ने ऐलान किया है कि नक्सलवाद को ३१ मार्च २०२६ तक पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। ऐसे समय आरएसयू की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन बहुत अहम है। माओवादियों की वर्तमान नेतृत्व संरचना में, सबसे ज़्यादा प्रभाव आरएसयू के ही पुराने कैडरों का है। जंगलों में सशस्त्र संघर्ष चलाने वाले शीर्ष नेता शहरी छात्र राजनीति से निकले हैं। यह तथ्य बताता है कि आरएसयू लंबे समय तक नक्सलवाद का बौद्धिक नर्सरी रहा है।

संगठन का औपचारिक ढांचा टूट चुका है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक इसके कई लोग एक्टिविस्ट नेटवर्क, शहरी 'फ्रंट ऑर्गनाइजेशन और वैचारिक मंच के रूप में अब भी सक्रिय हैं। इसलिए आरएसयू सिर्फ़ इतिहास का हिस्सा नहीं, भारत की आंतरिक सुरक्षा की मौजूदा कहानी का छिपा हुआ अध्याय है।

बीएमडब्ल्यू ने फुटपाथ पर सो रहे 3 लोगों को कुचला

नई दिल्ली,(ईएमएस): अमीरों के लिए गरीब आदमी कीड़े मकोड़े की तरह होता है साहबजब मर्जी कोई रहीस आदमी अपनी करोड़ों की कार से आता है और फुटपाथ पर सो रहे गरीबों कों रौंदता चला जाता है।

ये शब्द उन चश्मदीदों के हैं जिन्होंने बीती रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में बीती रात तेज रफ्तार का कहर देखा है। एंबियंस मॉल के सामने एक बीएमडब्ल्यू कार ने फुटपाथ पर सो रहे तीन लोगों को कुचल दिया जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कार चालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब २ बजे वसंत कुंज इलाके में हुआ। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि कार बेहद तेज रफ्तार से आ रही थी। कार चला रहे शख्स ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सीधे फुटपाथ पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से फुटपाथ पर सो रहे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार के चालक को तुरंत मौके पर ही हिरासत में ले लिया। उससे आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार हिमाचल प्रदेश नंबर पर पंजीकृत है। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है।

अब जो मन में आएगा, वही बोलूंगा : अवध ओझा

नई दिल्ली,(ईएमएस): मशहूर मोटिवेशनल स्पीकर और शिक्षक अवध ओझा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मात्र एक पारी खेली और उसके तुरंत बाद राजनीति से संन्यास ले लिया। अब वे फिर से अपनी पुरानी आज़ादी में लौट आए हैं और इसे लेकर बेहद खुश नज़र आ रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने खुलकर बताया कि राजनीतिक दल में रहते हुए उन्हें जो बोलने की बंदिश लगी थी, उससे मुक्ति मिलने का अहसास है कि अब वे बिना किसी दबाव के जो मन में आएगा, वही बोलेंगे।

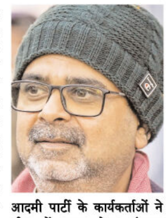

अवध ओझा ने साफ कहा, भैया मैं राजनीति ही नहीं करूंगा। बहुत दूर रहूंगा, बहुत खुश हूं। पहली बात तो बोलना बंद हो गया था। पार्टी लाइन के बाहर कुछ नहीं बोल सकते। ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते हम बोलेंगे नहीं तो मर जाएंगे। अब मैं इतना अच्छा महसूस कर रहा हूं। अब कोई फोन करके नहीं कहेगा कि ये बोलो, वो मत बोलो। अब तो बस वही बोलेंगे जो दिल कहेगा।

उन्होंने उस वायरल इंटरव्यू का भी ज़िक्र किया जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बीच में दखल देकर इंटरव्यू रुकवा दिया था।

मजबूरन ओझा को कैमरे पर कहना पड़ा था कि पार्टी लाइन वही लोग तय करेंगे, मैं उसी के मुताबिक बोल सकता हूं। उस घटना को याद करते हुए ओझा ने हंसते हुए कहा, अच्छा बताओ वो इंटरव्यू कितना अच्छा चल रहा था। बीच में रोक दिया। भगवान बचाए राजनीति से दादा!

भाजपा में जाने की अटकलों पर भी उन्होंने पूरी तरह विराम लगा दिया। स्पष्ट शब्दों में बोले, न मैं कहीं टिकट नहीं मांगूंगा। राजनीति से पूरी तरह दूर रहूंगा। चुनावी खर्च के सवाल पर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरा खुद का एक रुपया नहीं लगा। सारे दोस्तों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की खाली हुई पटपड़गंज सीट से उन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। हार के बाद से ही वे पार्टी के किसी कार्यक्रम में नज़र नहीं आए और धीरे-धीरे कोचिंग क्लासेस में वापस लौट गए। पिछले दिनों उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीति से संन्यास की घोषणा कर दी।

उन्होंने कहा कि महज़ चुनाव लड़ने की उत्कंठा और जिज्ञासा की वजह से वे राजनीति में आए थे, लेकिन एक बार मैदान में उतरने के बाद अहसास हुआ कि यह उनका क्षेत्र नहीं है।अब अवध ओझा फिर से अपनी कोचिंग और मोटिवेशनल स्पीच में पूरी तरह व्यस्त हो चुके हैं। उनके प्रशंसक भी उनकी इस वापसी से खुश हैं, क्योंकि एक बार फिर वही बेबाक, बिंदास और बिना किसी लाइन के बोलने वाला अवध ओझा लौट आया है।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोग चिंतित

नई दिल्ली,(ईएमएस): कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को लेकर आयोग के रवैये से लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाया कि फील्ड स्टाफ पर अनावश्यक दबाव और जल्दबाजी में समयसीमा तय करने से पता चलता है कि प्रक्रिया में कुछ तो गड़बड़ है। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर देश में पहले भी कई बार हुआ है। लेकिन कोई चर्चा नहीं होती थी, लोगों के मन में कोई आशंका नहीं रहती थी। पहली बार निर्वाचन आयोग का जो रवैया रहा है।

उससे लोगों के मन में चिंता है। पायलट ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में लोगों के नाम काटे गए। कई राज्यों में लोग तनाव में हैं, और कुछ तो इस दबाव के कारण आत्महत्या भी कर रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष संस्था के रूप में काम करना चाहिए क्योंकि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का काम निर्वाचन आयोग का है, किसी राजनीतिक दल का नहीं। पायलट ने कहा कि कांग्रेस देश भर में अभियान चला रही है ताकि यह तय किया जा सके कि कोई भी नागरिक अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि हम यह तय करना चाहते हैं कि गरीब लोग, दलित, आदिवासी और बुजुर्ग जागरुकता की कमी के कारण या किसी के द्वारा उनका नाम हटाने की मंशा के कारण मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न हों।उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को निष्पक्षता से काम करना चाहिए और यदि विचारधारा, सरकार और नेता के दबाव में काम करोगे तो यह जनता और कांग्रेस पार्टी को स्वीकार नहीं होगा।

दिल्ली बम धमाकाः तीन डॉक्टर समेत मौलवी को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला के पास हुए बस विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को १० दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इन सभी आरोपियों को शनिवार को प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया था, जिन्होंने चारों को १० दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक एनआईए ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एनआईए ने कहा कि एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में सुरागों की तलाश कर रही है और इस हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में कई राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है। १० नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर चला रहा था। एजेंसी ने इससे पहले इसी मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इन आरोपियों से पूछताछ जारी है और एनआईए इस पूरे आतंकी मॉड्यूल की गहन जांच कर रही है।

हमले की जांच केंद्र गृह मंत्रालय द्वारा एनआईए को सौंपी गई थी। इसके बाद से एजेंसी कई राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर इस मॉड्यूल से जुड़े हर सदस्य का पता लगाने और उसे न्याय के कठघरे में लाने की दिशा में काम कर रही है। एनआईए का कहना है कि वह इस साजिश की पूरी परतें खोलने और इसके मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए कोशिश कर रही है।

लंबे समय तक पड़ने वाले सूखे ने सिंधु घाटी सभ्यता का किया विनाश

नई दिल्ली,(ईएमएस): प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता अपनी उन्नत शहरी संरचना, जल निकासी प्रणाली और धातु के इस्तेमाल के लिए जानी जाती थी। हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, लोथल और राखीगढ़ी जैसे स्थल इसकी ऐतिहासिक पहचान हैं।

लंबे समय से इतिहासकार और पुरातत्वविद यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर इतनी उन्नत सभ्यता अचानक गायब क्यों हो गई। अब आईआईटी गांधीनगर के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि लंबे समय तक पड़ने वाले सूखे ने इस सभ्यता को नष्ट कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोध का नेतृत्व करने वाले शोधकर्ता ने बताया कि सिंधु घाटी के लोग सिंधु नदी के पानी पर निर्भर थे और खेती उनकी प्रमुख आजीविका थी। रिसर्च के मुताबिक मौसम और मॉनसून में बदलाव से बारिश में १० से २० फीसदी की कमी आई और औसत तापमान ०.५ डिग्री बढ़ गया। ८५ सालों में कम से कम चार गंभीर सूखे पड़े, जिनमें एक तो १६४ सालों तक चला। इन सूखों के चलते

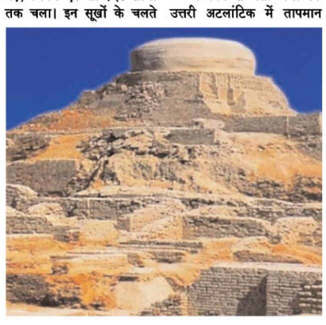

नदियां और झीलें सूखने लगीं। पानी की कमी ने कृषि को प्रभावित किया, जिससे लोग गेहूं और अन्य अनाज छोड़कर दूसरी फसलों की खेती करने की कोशिश करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली।

अध्ययन से पता चला कि उत्तरी अटलांटिक में तापमान घटने से मॉनसून कमजोर हुआ और प्रशांत व हिंद महासागर के बढ़ते तापमान ने भी बारिश को प्रभावित किया। धीरे-धीरे सिंधु घाटी के बड़े शहर छोटे-छोटे कबीलों में बंट गए।

पानी की कमी, कृषि की असफलता और खाद्यान्न की कमी ने इस सभ्यता का पतन कर दिया। रिसर्च की गई रिपोर्ट से पता चला कि पतन अचानक नहीं हुआ, बल्कि धीरे-धीरे सभ्यता का स्वरूप बदलता गया। लोग पलायन करने लगे, कई लोगों की मौत हो गई और आबादी कम होती चली गई। शहरों की उन्नत संरचनाएं धीरे-धीरे वीरान हो गईं और सभ्यता का सामूहिक जीवन खत्म हो गया।

इस शोध से यह साफ होता है कि सिंधु घाटी सभ्यता का नाश प्राकृतिक कारणों से हुआ, जिसमें लगातार सूखे और जल संकट की अहम भूमिका थी। यह अध्ययन प्राचीन सभ्यताओं की व्यवहारिकता और पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव को समझने में अहम साबित होता है।

पत्नी पर हमला कर की हत्या, पति गिरफ्तार

बहजोई,(ईएमएस)। बहजोई के गांव भवन में पत्नी की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि महिला के भाई की शिकायत पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार शाम को बहजोई थाना क्षेत्र के गांव भवन में विपिन कुमार ने मामूली विवाद के बाद लकड़ी से सिर में वार कर पत्नी नेमवती को बेहोश कर दिया और घटना के बाद वहां से भाग गया। स्कूल से लौटे बेटों शनि और विक्रम ने मां को बेसुध देखा तो डॉक्टर के पास ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने देर रात महिला के भाई की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और जांच शुरु कर दी है।

ठंड में रक्त संचार हो जाता है कम, बढ जाता है जोडों में दर्द

नई दिल्ली (ईएमएस): तापमान में गिरावट के बीच अस्पतालों में अर्थराइटिस और अन्य जोड़ों के दर्द के मामलों में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सामान्य दिनों की तुलना में इन दिनों अस्थि रोग विभाग की ओपीडी में मरीजों की संख्या दोगुनी पहुंच चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, ठंड के मौसम में शरीर का तापमान कम होने से रक्त संचार धीमा पड़ जाता है। इसके कारण जोड़ों के आस

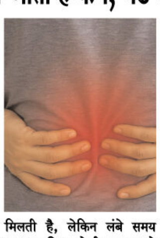

पास की मांसपेशियां और ऊतक सख्त होने लगते हैं, जिससे अकड़न, सूजन और दर्द बढ़ जाता है। जिन लोगों को पहले से चोट लगी हो या पुरानी बीमारी हो, उनमें यह दर्द और भी ज्यादा उभर आता है। बुजुर्गों, गठिया रोगियों और पुराने फ्रैक्चर वाले मरीजों में यह समस्या सबसे अधिक देखने को मिल रही है। अस्पतालों में इन दिनों ऐसे मरीज बढ़ रहे हैं जो सुबह उठते ही जकड़न, सूजन और दर्द की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। कई मरीजों को तो सुबह बिस्तर से उठने में भी परेशानी होती है। कुछ देर हिलने-डुलने के बाद थोड़ी राहत मिलती है, लेकिन लंबे समय तक इसकी अनदेखी हालत को बिगाड़ सकती है।

विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव का सबसे अधिक प्रभाव जोड़ों पर पड़ता है, इसलिए इस मौसम में अतिरिक्त सावधानी बेहद जरूरी है।

डॉक्टर सलाह देते हैं कि ठंड से बचाव करने के लिए शरीर को गर्म रखना सबसे महत्वपूर्ण है। नियमित हल्का व्यायाम और स्ट्रेचिंग जोड़ों में लचीलापन बनाए रखने में मदद करते हैं। रात में गुनगुने पानी से सिकाई, हिटिंग पैड का उपयोग और पर्याप्त ऊनी कपड़े पहनना फायदेमंद है। आहार में कैल्शियम, विटामिन डी, ओमेगा-३ और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे दूध, दही, पनीर, हरी सब्जियां, बादाम, अखरोट, अलसी के बीज और मछली को शामिल करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करने वालों को बीच-बीच में स्ट्रेचिंग करनी चाहिए। पानी की पर्याप्त मात्रा लेना भी जरूरी है, क्योंकि डिहाइड्रेशन जोड़ों के लुब्रिकेशन को कम कर दर्द बढ़ा सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सर्दियों में सबसे जरूरी है शरीर को ठंडी हवा से बचाए रखना। खासकर घुटनों, कंधों, कमर और कोहनियों को गर्म रखना चाहिए, क्योंकि ठंडी हवा सीधे लगने से सूजन और दर्द तेजी से बढ़ सकता है। बाहर निकलते समय नीकैप, गर्म मोजे और ऊनी कपड़ों का उपयोग जरूर करें। गठिया से ग्रसित लोगों को सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने और कमर दर्द वालों को भारी वजन न उठाने की हिदायत दी गई है। तला-भुना भोजन और अधिक कैलोरी वाले खाद्य पदार्थ वजन बढ़ाकर दर्द को और गंभीर बना सकते हैं।

बेटे ने की मां और उसके प्रेमी की हत्या

सिरसा,(ईएमएस): हरियाणा के सिरसा में बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर अपनी मां और पड़ोस में रहने वाले शख्स की गला घोंटकर हत्या कर दी और दोनों की लाश लेकर पुलिस थाने पहुंच गया। पुलिस यह देख कर हैरान रह गई और मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को हुई।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि आरोपी की मां का कथित तौर पर पड़ोसी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। उन्होंने बताया कि राज कुमार ने अपनी मां (४५) और अपने पड़ोस में रहने वाले शख्स (४८) को घर में आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इसके बाद आरोपी ने पत्नी को जगाया और दोनों ने उनका पकड़ लिया गला घोंट दिया। इसके बाद कुमार ने दोनों लाशों को जीप में रखा और उन्हें पुलिस स्टेशन ले गया, जहां उसने हत्या करना कबूल किया। आरोपी की पत्नी को बाद में एक रिश्तेदार पुलिस थाना ले आया।

राहत सामग्री लेकर कोलंबों पहुंचे भारतीय विमान

नई दिल्ली,(ईएमएस) : श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह ने जमकर तबाही मचाई। इसमें करीब १५० लोगों की जान चली गई। कुछ भारतीय भी यहां फंस हुए है। केंद्र की मोदी सरकार ने तत्काल ऑपरेशन सागर बंधु की शुरुआत की और मदद की लिए हाथ बढ़ाया। वायुसेना के मुताबिक दिल्ली के निकट हिंडन एयर बेस से सी-१३० और आईएल-७६ विमान राहत सामग्री लेकर श्रीलंका के लिए रवाना हुए हैं। इन विमानों में २१ टन राहत सामग्री, ८० से अधिक एनडीआरएफ कर्मी और ८ टन उपकरण हैं।

रविवार सुबह को दी गई जानकारी में वायुसेना ने बताया कि राहत सामग्री लेकर निकले इन विमानों ने कोलंबो में लैंड किया है। भारतीय वायुसेना के विमानों के जरिए न केवल राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, बल्कि एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम श्रीलंका में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालने की कोशिशों में लगी हुई है। इसके अलावा तमिलनाडु में भी राहत और बचाव की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

वायुसेना के अनुसार श्रीलंका में मदद के लिए भेजी गई सामग्री में आवश्यक राशन, दवाइयां, मेडिकल किट, भिष्म क्यूब्स और अन्य आपदा राहत उपकरण शामिल हैं। वहीं, १७ ग्लोबमास्टर ने पुणे से चेन्नई तक एक और एनडीआरएफ टीम तथा भारी उपकरण पहुंचाए हैं। यह अभियान इसलिए शुरू किया गया है ताकि दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में भी राहत प्रयासों को तेज किया जा सके।

३० नवंबर की सुबह हिंडन एयरबेस से एक सी-१३० विमान राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ। वहीं आईएल-७६ विमान पहले ही कोलंबो पहुंच चुका था। यह दल विमान से राहत सामग्री उतारने के साथ-साथ फंसे हुए भारतीय नागरिकों को वापस लाने का काम भी करेगा। अतिरिक्त सहायता के तौर पर एक और सी-१७ विमान वडोदरा में एनडीआरएफ टीम और उनके उपकरणों के साथ लोड किया जा रहा है, जिसे चेन्नई भेजा जाएगा। सभी एयरलिफ्ट मिशन लगातार संचालित हैं ताकि श्रीलंका एवं तमिलनाडु दोनों स्थानों पर समयबद्ध सहायता सुनिश्चित की जा सके। यह मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि वह जीवन बचाने और संकटग्रस्त पड़ोसी देशों को हर संभव समय पर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सागर बंधु, भारत व श्रीलंका की मैत्री और क्षेत्रीय सहयोग का संवेदनशील और मानवीय उदाहरण बनकर सामने आया है।

भारतीय वायुसेना के विमान यहां आवश्यक उपकरण एवं राहतकर्मियों को लेकर पहुंचे हैं। भारत ने 'पड़ोसी प्रथम' की भावना को दोहराते हुए आपदा में लोगों को राहत पहुंचाने की पहल की है। भारतीय वायुसेना के विमान व हेलीकॉप्टर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता पहुंचाने और आपदा राहत अभियान में जुटे हुए हैं। इस पूरे अभियान को ऑपरेशन सागर बंधु नाम दिया गया है।ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तत्काल बचाव अभियान को अंजाम देने वाले दल की तैनाती और राहत सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय वायुसेना ने राहत कार्यों की गति तेज करने के लिए कोलंबो में एमआई-१७ वी५ हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। इससे तेजी से प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जा सकेगी। इसी के साथ, बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए वायुसेना के सी-१७, सी-१३० और आईएल-७६ परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। वायुसेना की ओर से साझा जानकारी के अनुसार २९ नवंबर की रात सी-१३० और आईएल-७६ विमान हिंडन एयर बेस से रवाना हुए। इन विमानों में २१ टन राहत सामग्री व ८० से अधिक एनडीआरएफ के कर्मी मौजूद थे। इसके अलावा, बाढ़ व तूफान आदि के कारण जटिल इलाकों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए विशिष्ट उपकरण भेजे गए हैं।

वोट चोरी के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन की तैयारी
सरकार को घेरने की बनेगी रणनीति

पटना (ईएमएस): बिहार चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने एक बार फिर राजनीतिक मोर्चे पर सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी ने सरकार को वोट चोरी के मुद्दे पर घेरने के लिए व्यापक रणनीति बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रदेश स्तरीय बड़ी बैठक बुलाई है। यह बैठक १ दिसंबर को पटना स्थित सदाकत आश्रम में आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमिटी के शीर्ष नेतृत्व, सभी जिलाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और मोर्चा-फ्रंटल संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने बताया कि राज्य कमिटी की यह चुनाव के बाद पहली बड़ी समीक्षा बैठक होगी। इसमें चुनावी पराजय के कारणों का विश्लेषण ही नहीं बल्कि सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन की रणनीति भी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी वोट चोरी के मुद्दे को अब राष्ट्रीय स्तर पर लेकर जाएगी और केंद्र के साथ-साथ बिहार सरकार पर भी दबाव बनाएगी।

पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर १४ दिसंबर को दिल्ली में विशाल विरोध रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें 'वोट चोरी' और चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर सरकार के खिलाफ माहौल खड़ा किया जाएगा। पटना की यह बैठक उसी रैली की तैयारी और संगठन के सक्रियण पर केंद्रित रहेगी।

बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में जिला स्तर तक बूथ संरचना को मजबूत करने, संगठन की कमियों को दूर करने, सामाजिक वर्गों में पहुंच बढ़ाने और युवाओं व किसानों से जुड़े मुद्दों को व्यापक रूप से उठाने पर चर्चा होगी। साथ ही कांग्रेस द्वारा आगामी महीनों में चलाए जाने वाले जनजागरण कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी।

सूत्रों का यह भी कहना है कि कांग्रेस बिहार में विपक्षी दलों के बीच तालमेल पर भी विचार करेगी, ताकि अगली चुनावी तैयारी पहले से अधिक मजबूत की जा सके।

कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि मतदाताओं की नाराजगी, संगठनात्मक कमजोरियों और चुनावी अनियमितताओं की वजह से पार्टी को नुकसान हुआ, जिसे अब सुधारने का समय है। कुल मिलाकर, पटना की यह बैठक कांग्रेस के लिए सिर्फ एक साधारण समीक्षा बैठक नहीं है, बल्कि आने वाले महीनों में केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ बड़े राजनीतिक अभियान की नींव रखने वाली साबित हो सकती है।

बेकाबू ट्रक हादसे में 5 की मौत

मोतिहारी(ईएमएस): पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में नेशनल हाइवे-२७ पर बीते दिवस एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें ५ लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। घटना कोटवा दीपउ मोड़ के पास हुई, जहां एक बेकाबू ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और पहले ऑटो, फिर २-३ मोटरसाइकिलों में टक्कर मार दी।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रक ने बैरिकेड तोड़ते हुए सर्विस लेन में प्रवेश किया और वहां मौजूद राहगीरों और वाहनों को कुचल दिया। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। मृतकों और घायलों की पहचान अभी पूरी तरह नहीं हो पाई है। हादसे के बाद नाराज लोगों ने नेशनल हाइवे-२७ को जाम कर दिया और जमकर हंगामा किया। जाम के कारण मार्ग से गुजर रही कई वाहन रुके रहे और क्षेत्र में भारी यातायात जाम बन गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह चौक अक्सर दुर्घटनाओं का स्थल रहा है, और प्रशासन द्वारा पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए।

अचानक दो हिस्सों में बंट गई ट्रेन, झटका लगते ही यात्रियों में मची हलचल

आरा,(ईएमएस): पटना-आरा-डीडीयू रेल खंड पर शनिवार शाम रेल दुर्घटना होने से बाल-बाल बची, जब दानापुर से बेंगलुरु जा रही बेंगलुरु सिटी स्पेशल ट्रेन अचानक दो हिस्सों में बंट गई। घटना कारीसाथ रेलवे स्टेशन के पास हुई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार दौड़ रही ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्री दहशत में आ गए। इंजन और आगे के कुछ डिब्बे काफी दूर निकल गए, जबकि पीछे का बड़ा हिस्सा ट्रैक पर ही रुक गया।

मीडिया रिपोर्ट में रेल सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ट्रेन आरा स्टेशन से खुलकर बक्सर की ओर तेज रफ्तार में बढ़ रही थी। इसी दौरान कारीसाथ स्टेशन के पास ट्रेन की कपलिंग अचानक टूट गई। कपलिंग टूटने के साथ ही एक झटके में ट्रेन दो हिस्सों में बंट गई। इंजन का हिस्सा आगे की और करीब ५०० मीटर तक चला गया। हालांकि झटका लगने से तुरंत लोको पायलट को कुछ असहज लगा और उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अपलाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई, जिसके कारण पटना-डीडीयू रूट पर कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने कपलिंग टूटने की वजह की जांच शुरू कर दी और बचाव एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया गया। काफी प्रयास के बाद इंजन को पीछे लाकर दूसरे हिस्से से जोड़ा गया।

रेलवे सूत्रों का कहना है कि समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि ट्रेन और तेज गति में होती तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अप लाइन पर परिचालन बहाल कर दिया गया। इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और तकनीकी जांचों पर सवाल खड़े

सीएम नीतीश कुमार ने पैतृक गांव में पिता को दी श्रद्धांजलि

पटना,(ईएमएस) : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचकर अपने दिवंगत पिता और स्वतंत्रता सेनानी कविराज रामलखन सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्मृति वाटिका में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री नीतीश ने इस अवसर पर अपनी दिवंगत मां परमेश्वरी देवी और पत्नी मंजू सिन्हा की प्रतिमाओं पर भी पुष्प अर्पित किए। इसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस कार्यक्रम में सांसद कौशलेंद्र कुमार, कई विधायक, विधान परिषद सदस्य तथा जदयू के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नीतीश कुमार ने गांव के भगवती मंदिर में पूजा-पाठ और तालाब में मछलियों को दाना भी खिलाया।

महागठबंधन के विधायकों ने तेजस्वी को विधानमंडल में गठबंधन का नेता चुना

पटना,(ईएमएस) : बिहार में महागठबंधन के विधायकों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के तेजस्वी यादव को सर्वसम्मति से राज्य विधानमंडल में गठबंधन का नेता चुन लिया। यह फैसला सोमवार से विधानसभा के शुरू हो रहे पांच दिवसीय सत्र से पहले आयोजित एक बैठक में लिया गया। इस सत्र के पहले दिन २४३ सदस्यीय विधानसभा के सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। बैठक के बाद राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि तेजस्वी यादव को राज्य विधानमंडल में महागठबंधन का नेता चुना गया है। निश्चित रूप से वह विधानसभा में हमारी पार्टी के नेता होंगे। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और पार्टी की प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष समीर कुमार सिंह ने कहा कि तेजस्वी पर फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। हमारे पास पर्याप्त संख्या बल है और वह विपक्ष के नेता भी होंगे। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को हार का सामना करना पड़ा, जिसमें एनडीए ने २०२ सीट जीतकर बिहार में नीतीश सरकार की सत्ता बरकरार रखी।

सिंह ने कहा बैठक में विधानसभा के दोनों सदनों के सदस्यों ने चुनाव कराने के तरीके पर चिंता जताई। ये स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं थे। पहले बिहार में आयोजित एसआईआर एक संदिग्ध प्रक्रिया बनी। इस पर कोई आश्चर्य नहीं कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में इतना राजनीतिक टकराव है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम सदन में जनता से जुड़े सभी मुद्दों पर अपनी आवाज उठाते रहेंगे। अगर बीजेपी के नेतृत्व वाला गठबंधन चुनाव के दौरान किए गए वादों से मुकरने की कोशिश करता है, तो हम उसका विरोध करेंगे।

आरडीएक्स की खरीद-बिक्री का झांसा देकर डॉक्टर को किया डिजिटल अरेस्ट

जहानाबाद,(ईएमएस): साइबर अपराधियों ने एक रिटायर्ड डॉक्टर को मुंबई क्राइम ब्रांच के नाम पर डिजिटल अरेस्ट कर लिया और २७ लाख रुपए उनसे ठग लिए। सदर थाना क्षेत्र के पूर्वी गांधी मैदान मोहल्ले में रहने वाले डॉक्टर अरुण कुमार को दिल्ली बम ब्लास्ट में आरडीएक्स की खरीद-बिक्री में उनके खाते का इस्तेमाल होने का डर दिखा और २४ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर रखा। इस दौरान डॉक्टर के खाते से तीन बार में कुल २७ लाख ३० हजार रुपए निकाल लिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टर अरुण कुमार ने साइबर थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। डॉ. अरुण ने बताया कि मोबाइल नंबर पर अज्ञात नंबर से कॉल आया। पत्नी ने कॉल रिसीव किया तो बताया कि डॉक्टर से जरूरी बात करनी है। मोबाइल देने पर कॉल करने वाले ने खुद को एटीएस ब्रांच मुंबई का बताया और कहा कि आपके नाम से जम्मू-कश्मीर में केनरा बैंक में खाता है, जिसका उपयोग दिल्ली बम ब्लास्ट में आरडीएक्स की खरीद-बिक्री में किया गया है। तीन करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है।

उन्होंने बताया कि कॉल करने वाले ने धमकी दी कि यदि वह सहयोग नहीं करेंगे, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसके बाद उनकी बात एक कथित डीएसपी से कराई गई, जिसने वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी साबित करते हुए ५० लाख रुपए की मांग की। उन्होंने कहा कि हमने ही दिल्ली के पूर्व सीएम को गिरफ्तार किया था। अग्रिम जमानत लेने के लिए पहले तीन लाख रुपए कोर्ट खर्च के नाम पर जमा करने होंगे। डॉ. अरुण के मुताबिक उन्होंने डर के कारण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा जहानाबाद से आरटीजीएस के जरिए रकम भेज दी।

पहली बार तीन लाख, फिर २० लाख, उसके बाद दो लाख और अंत में फिर दो लाख रुपए भेजे। इसके बाद १० लाख रुपए और मांगे गए। खाते में अब एक भी रुपए नहीं बचे थे तब उधार मांगने के लिए एक रिश्तेदार को फोन किया, तब रिश्तेदार ने बताया कि आप ठगी के शिकार हो गए हैं। यह सुनते ही डॉक्टर अरुण के होश उड़ गए। तुरंत साइबर सेल के टोल फ्री नंबर १९३० पर शिकायत की और साइबर थाना में आवेदन दिया।

दिसंबर में हो सकता है नीतीश सरकार का विस्तार, नए चेहरे बन सकते हैं मंत्री

पटना,(ईएमएस): बिहार में एनडीए सरकार अगले महीने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक जेडीयू और बीजेपी दोनों अपने खाली पड़े मंत्री पद भरने की तैयारी की जा रही हैं। इस विस्तार से सामाजिक और जातीय समीकरण साधने पर खास जोर रहेगा। वर्तमान में नीतीश कुमार कैबिनेट में कुल ९ मंत्री पद खाली हैं। इनमें जेडीयू के ६ पद, बीजेपी के ३ पद शामिल हैं।

वहीं सूत्रों की मानें तो जेडीयू मंत्रिमंडल में कुशवाहा और अति पिछड़े वर्ग के विधायकों को प्रतिनिधित्व मिल सकता है। माना जा रहा है कि पार्टी इस विस्तार के जरिए राज्य की जातीय और सामाजिक संरचना को ध्यान में रखते हुए फैसला लेगी। सूत्रों का कहना है कि पार्टी मंत्रिमंडल में नए चेहरों को मौका मिल सकता है। बिहार सरकार में सीएम समेत अधिकतम ३६ मंत्री बन सकते हैं। एनडीए की सीट शेयरिंग के मुताबिक मंत्री पद तय हैं जिनमें बीजेपी के १७ जेडीयू के १५ मंत्री (सीएम सहित), एलजेपी (आर)- २, हम-१ मंत्री और आरएलएम का १ मंत्री है। इस हिसाब से जेडीयू और बीजेपी के खाते में अभी नए मंत्री शामिल होने की गुंजाइश है।

अभी जेडीयू और बीजेपी के कई मौजूदा मंत्रियों के पास एक से ज्यादा विभाग हैं, जिनमें जदयू के बिजेंद्र प्रसाद यादव के पास ५, विजय चौधरी के पास ४, श्रवण कुमार और सुनील कुमार के २-२ विभाग हैं। वहीं बीजेपी के विजय सिंह, मंगल पांडेय, नितिन नवीन, अरुण शंकर प्रसाद के पास भी दो-दो विभाग हैं।

स्कूली छात्र ने बनाई पढ़ाने वाली एआई रोबो टीचर सोफी, जो देती है सवालों के तुरंत जवाब

बुलंदशहर,(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में एक १७ वर्षीय छात्र ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए रोबो टीचर बनाने का सफल प्रयोग किया है। पढ़ाने वाली इस रोबोट टीचर के प्रदर्शन ने सभी को हैरान कर दिया है। यह एआई रोबो टीचर सवालों के जवाब भी सहज ही दे देती है, जिसे सुनकर सभी रोमांचित हो रहे हैं। दरअसल शिव चरण इंटर कॉलेज के छात्र आदित्य ने एआई का प्रयोग करते हुए इस रोबोट को बनाया है, जिसका नाम 'सोफी' रखा गया है। खास बात यह है, कि भारतीय पारंपरिक परिधान साड़ी में इस एआई रोबो टीचर सोफी को क्लासरूम में पढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। इस प्रयोग को लेकर छात्र आदित्य ने बताया, कि उन्होंने इस रोबोट में एलएलएम चिपसेट का इस्तेमाल किया है, जैसा कई टेक कंपनियां अपने एडवांस्ड रोबोट और एआई मॉडल में करती हैं।

सोफी को जब स्कूल में डेमो के लिए ले जाया गया, तो वहां उसने मंच पर खुद का हिंदी में परिचय देकर सबको हैरानी में डाल दिया। सोफी ने कहा- मैं एक एआई टीचर रोबोट हूं, मेरा नाम सोफी है और मुझे आदित्य ने बनाया है। डेमो वीडियो में आदित्य ने सोफी से कई सामान्य ज्ञान के सवाल पूछे, मसलन भारत के पहले राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री कौन थे? रोबोट ने तुरंत सही उत्तर देते हुए कहा, राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू। उसने गणित का एक सवाल हल किया और बिजली की परिभाषा भी बताई, जिससे यह साबित हुआ कि उसे बेसिक नॉलेज के हिसाब से अच्छी समझ है। पढ़ाने के सवाल पर सोफी ने कहा कि वह बच्चों को अच्छे से पढ़ा सकती है। मीडिया को आदित्य ने बताया कि रोबोट को संचालित करने के लिए उन्होंने एलएलएम यानी लॉर्ज लेंग्वेज मॉडल चिपसेट लगाया है। यह खास हार्डवेयर होता है जिसमें जीपीयू, एनपीयू और एआई एक्सेलरेटर शामिल होते हैं। इसे भारी एआई प्रोसेसिंग, मॉडल ट्रेनिंग और इन्फरेंस चलाने के लिए डिजाइन किया जाता है। आदित्य का कहना है कि फिलहाल सोफी केवल बोलकर जवाब दे सकती है, लेकिन जल्द ही वे इसमें ऐसे फीचर जोड़ेंगे जिससे रोबोट टीचर लिख भी सकेगी।

तालाब में तैरता मिला नवविवाहिता का शव

बरेली,(ईएमएस): यूपी के बरेली जिले में एक नवविवाहिता का शव घर के पीछे बने तालाब में तैरता मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और मृतका के पति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक थाना सुभाषनगर के प्रभारी ने बताया कि मायके पक्ष की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। परिजनों के मुताबिक शनिवार सुबह करीब ७:३० बजे एक पड़ोसी ने तालाब में किसी के गिरे होने की सूचना दी। परिजन जब मौके पर पहुंचे तो यह शव उनकी बेटी ज्योति का था। उसे तुरंत बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ज्योति (२४) के पिता ने बताया कि उनकी बेटी की शादी एक नवंबर २०२५ को हुई थी, जिसे अभी एक महीना भी नहीं हुआ था। पिता ने बताया कि शुक्रवार शाम को उन्होंने ज्योति को फोन किया था, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया।

एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी : विधायक पल्लवी पटेल

गोंडा,(ईएमएस) : बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश समेत देश के १२ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। इसी बीच अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और सिराथू विधानसभा सीट से विधायक पल्लवी पटेल ने एसआईआर का विरोध किया है। विधायक पल्लवी ने स्पष्ट कहा, कि एसआईआर फॉर्म मैं नहीं भरुंगी। ऐसा नहीं करने की उन्होंने वजह भी बताई।

महिला विधायक पल्लवी ने गोंडा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, कि एसआईआर फार्म नहीं भरूंगी और मैं इस प्रक्रिया का विरोध करती हूं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, मुझे एसआईआर फार्म क्यों भरना चाहिये? मेरे पास वो सारे दस्तावेज मौजूद हैं, जो बतलाते हैं कि मैं भारत की नागरिक हूं। ऐसे में एसआईआर फार्म मुझे क्यों भरना चाहिए? अभी तक सभी चुनव प्रक्रिया में मैं वोट डालती चली आ रही हूं, तो अब एसआईआर का फार्म क्यों भरुं?

इसी के साथ ही सिराथू विधायक पल्लवी ने मतदाताओं से अपील की, यदि आपको एसआईआर समझ आए तो भरिये, नहीं आए तो मत भरिये। उन्होंने दावा किया, कि जिस तरह से महिला आरक्षण कागजों में रह गया है, वैसे ही एसआईआर भी जमीन पर नहीं उतरने वाला है।

इसी के साथ उन्होंने एसआईआर को सरकार का जुमला बताया और कहा कि इसके जरिए सत्तारुढ़ पार्टी लोकतंत्र पर हमला कर रही है। पल्लवी ने कहा कि विपक्ष इसका विरोध इसलिए कर रही है क्योंकि सरकार की नीयत पर शक है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में उन्हें ज्यादा सीट चाहिए वहां एसआईआर कराया जा रहा है। एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ पर अनावश्यक प्रेशर बनाया जा रहा, जो अमानवीय कृत्य है।

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद भारत पहुंचा चक्रवाती तूफान दीत्वा

पटना (एजेंसी): श्रीलंका में भयंकर तबाही मचाने के बाद चक्रवाती तूफान 'दित्वा' अब बड़ी तेजी के साथ भारत की ओर बढ़ रहा है. इसके कारण दक्षिण भारत के कई राज्यों में भीषण बारिश का दौर शुरू हो चुका है. शनिवार (२९ नवंबर) को तमिलनाडु के कई हिस्सों में भयंकर बारिश देखने को मिली. मौसम विभाग ने आज यानी रविवार (३० नवंबर) को चक्रवात दित्वा के भारत पहुंचने की आशंका जताई है. इसको देखते हुए तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सरकार ने अलर्ट जारी किया है. दोनों राज्यों में एसडीआरएस और एनडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है. मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के कई हिस्सों में चक्रवाती तूफान 'दित्वा' का असर देखने को मिल सकता है.

मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान 'दित्वा' के चलते बिहार के कई इलाकों में बारिश हो सकती है. इससे तापमान में भारी गिरावट देखने को मिलेगी.

मौसम विभाग का कहना है कि अभी तक दिन में हल्की धूप से राहत मिल रही थी, लेकिन अब आसमान में बादल मंडराते हुए दिख सकते हैं. कई जिलों में घने कोहरे की संभावना भी जताई गई है. मौसम विभाग ने लोगों को गरम कपड़े, हीटर और बचाव के इंतजाम करने की सलाह दी है.

मौसम विभाग की ओर से दिसंबर की शुरुआत होते ही पूरे राज्य में भयंकर सर्दी का पूर्वानुमान जताया गया है. दिसंबर के पहले सप्ताह में सप्ताह में तापमान में काफी गिरावट देखने को मिलेगी, जबकि दूसरे सप्ताह में काफी गलन महसूस की जा सकती है. कई इलाकों में तापमान १० डिग्री के नीचे पहुंच सकता है. बढ़ती सर्दी को देखते हुए राज्य सरकार पहले ही सक्रिय हो गई है. सभी जिला प्रशासन को आवश्यक तैयारी समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं.

एसआईआर में लगे लेखपाल की मौत

देवरिया(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के सलेमपुर तहसील में तैनात लेखपाल का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव बरवा पहुंचा। शव गांव पहुंचते ही मातम छा गया। चारों तरफ चीत्कार सुनाई देने लगा। परिजनों को रोता देख वहां मौजूद अन्य लोगों की भी आंखें भर आई। एसडीएम, तहसीलदार समेत अन्य अधिकारियों ने घर पहुंच परिजनों को सांत्वना दिया। इस दौरान परिजनों के आंखों में आंसू देख एसडीएम भी रो पड़ीं। लेखपाल के घर एसडीएम दिशा श्रीवास्तव जब पहुंची तो पत्नी व मां रो रही थी। उन्हें पहले तो वह समझाते रही, बाद में उनके भी आंखों में आंसू आ गए और वह भी रोने लगी यह देख माहौल काफी गमगीन हो गया।

सलेमपुर विकास खंड के बरवा गांव के रहने वाले ३५ साल के आशीष कुमार सलेमपुर तहसील में लेखपाल थे और लार सर्किल में उनकी तैनाती थी। एसआईआर के कार्य में उनकी भी ड्यूटी लगी थी। शुक्रवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां शनिवार की शाम उनकी मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में पोस्टमार्टम के बाद उनका शव भोर में गांव पहुंचा। शव गांव पहुंचते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। एसडीएम दिशा श्रीवास्तव, तहसीलदार अलका सिंह समेत अन्य अधिकारी भी पहुंचे।उधर, बिजनौर के धामपुर तहसील में तैनात बीएलओ की हृदयगति रुकने से मुरादाबाद के निजी अस्पताल में मौत हो गई। मृतक बीएलओ के परिजनों को आरोप है कि एसआईआर के बढ़ते दबाव के चलते तबियत खराब चल रही थी। उसको दिन रात फार्म ऑनलाइन करने का दबाव बनाया जा रहा था। हालांकि कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बीएलओ पहले से ही बीमार थीं।

मोर्चरी में रखे महिला के शव के आंख-कान कुतरे मिले, परिजनों ने किया हंगामा

झांसी,(ईएमएस): यूपी के झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की शवग्रह में रखे महिला के शव की आंख और कान कुतरे मिलने से बवाल मच गया। मृतका के परिजनों का कहना है कि शव को चूहों ने कुतरा है, जबकि मेडिकल कॉलेज के सीएमएस का कहना है कि फ्रिजर में चूहों का पहुंचना नामुमकिन है। यह काम किसी छोटे कीड़े या कॉकरोच का हो सकता है। मामले की जांच शुरू हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला झांसी के गुरसराय थाना क्षेत्र का है। जहां २७ साल की क्रांति पटेल ने बीते दिनों मानसिक तनाव में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। परिजन उसे महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज लेकर आए, जहां इलाज के दौरान क्रांति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी के फ्रीजर में रखवा दिया था। जब शव को पोस्टमार्टम के लिए निकाला गया, तो परिजनों ने शव की स्थिति देखकर हंगामा कर दिया।

परिजनों का आरोप था कि जब उन्होंने महिला के चेहरे और शरीर को देखा तो उसकी एक आंख, कान और शरीर के कई हिस्से कुतरे मिले। परिवार के लोगों ने मोर्चरी प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। आरोप है कि बॉडी रखवाने के लिए ४०० रुपए लिए गए। जब इस बारे में मेडिकल कॉलेज के सीएमएस से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता है, क्योंकि फ्रीजर में किसी भी चूहे या फिर जीव जंतु के अंदर जाने की जगह ही नहीं है। हो सकता है किसी कीड़े या फिर कॉकरोच का यह काम हो सकता है। इसकी जांच कराई जा रही है। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना ने मोर्चरी की सुरक्षा व्यवस्था, फ्रीजर सिस्टम की कार्यक्षमता और अस्पताल के रखरखाव पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजन का कहना है कि यदि शव फ्रीजर में सुरक्षित था, तो उस पर इस तरह के घाव कैसे आए? क्या फ्रीजर में कोई तकनीकी खराबी थी या मोर्चरी का ढांचा ही इतना कमजोर है कि उसमें कोई चूहा या कुछ और घुस सकता है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। परिजन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

झारखंड सरकार ने आवारा कुत्तों से निपटने के लिए जारी की नई एसओपी, नसबंदी और टीकाकरण पर जोर

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने राज्य में आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है और इसके लिए नई एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) जारी की है। इस योजना के तहत शहरी निकायों को कम से कम ७० प्रतिशत आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण करने का लक्ष्य दिया गया है।

एसओपी के अनुसार, पालतू कुत्तों के मालिकों को भी अपने कुत्तों का निबंधन शहरी निकाय या पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से कराना अनिवार्य होगा। आवारा कुत्तों की वजह से लोगों को हो रही परेशानियों का आंकड़ा भी चिंताजनक है। रांची शहर के उदाहरण पर नजर डालें तो वर्ष २०२३ में सदर अस्पताल में ४,७१५ लोगों ने एंटी-रेबीज का इंजेक्शन लिया था, जबकि वर्ष २०२५ में यह संख्या बढ़कर ७,५०३ हो गई है।

आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा। नसबंदी और टीकाकरण के बाद कुत्तों को कॉलर से चिन्हित किया जाएगा। आवारा कुत्तों के लिए विशेष फीडिंग जोन निर्धारित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग एंटी-रेबीज वैक्सीन और रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन उपलब्ध कराएगा। पालतू कुत्तों के मालिकों को निबंधन कराना अनिवार्य होगा।

कुत्ते के काटने पर इलाज का खर्च: पालतू कुत्ते के काटने पर इलाज का पूरा खर्च उसके मालिक को वहन करना होगा। कुत्ते द्वारा काटे जाने पर कानूनी खर्च का भी मालिक जिम्मेदार होगा। एसओपी के तहत अगले ३० दिनों में तीन चरणों में कार्यवाही की जाएगी। इसमें नोडल समन्वय समिति का गठन, एबीसी (एंटी-ब्रीडिंग और टीकाकरण) इंफ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट और सघन एबीसी अभियान की शुरुआत शामिल है।

जिलों में आवारा कुत्तों की संख्या: गिरिडीह: ३६,७६४, हजारीबाग: २४,४५१, रांची: २३,८८५, पलामू: २३,७२७, देवघर: २३,५८२, चतरा: २०,८६०, धनबाद: १९,७६४, बोकारो: १६,३५८, गुमला: १५,४७२, गढ़वा: ११,००९, रामगढ़: १०,७५४, जामताड़ा: १३,४३६, लोहरदगा: ६,१७७, लातेहार: ८,१७७, कोडरमा: ८,७६८.

गिरिडीह जिले में सबसे अधिक ३६,७६४ आवारा कुत्ते हैं, जबकि रांची में २३,८८५ कुत्तों की संख्या है।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर वनडे सीरीज में बनाई बढ़त

विराट शतक, रोहित का सर्वाधिक 6 का रिकॉर्ड, वनडे में सबसे ज्यादा शतक अब कोहली के

रांची (एजेंसी): झारखंड के रांची में जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को १७ से हराकर सीरीज में १-० की बढ़त ले ली है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने ५० ओवर में ८ विकेट पर ३४९ रन बनाए थे। जवाबी पारी में दक्षिण अफ्रीका ४९.२ ओवर में ३३२ रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रांची में विराट के शतक और रोहित के अर्धशतक ने इस जीत को यादगार बना दिया है।

भारतीय पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ने की। दोनों ने पहले विकेट के लिए २५ रन की साझेदारी की।

उसके बाद क्रीज पर आए विराट के साथ रोहित ने शतकीय साझेदारी की। भारत की तरफ से विराट कोहली ने करिअर का ५२वां एकदिवसीय शतक लगाया। भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल ने १६ गेंद में १८ रन, रोहित शर्मा ने ५१ गेंद में ५७ रन, ऋतुराज गायकवाड़ ने १४ गेंद में ८ रन वॉशिंगटन सुंदर ने१९ गेंद में १३ रन, विराट कोहली ने १२० गेंद में १३५ रन (११ चौके और ७ छक्के) रवींद्र जडेजा ने २० गेंद में ३२ रन, कप्तान केएल राहुल ने ५६ गेंद में ६० रन बनाए।

विराट कोहली की शतकीय पारी ने भारतीय टीम को ३५० के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीका की ओर से नांद्रे बर्गर, बॉश, मार्को और बार्टमन ने २-२ विकेट चटकाए।

३५० रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने दूसरे ओवर में ही दो विकेट गंवा दिए। रिकल्टन और डिकॉक खाता नहीं खोल सके।

वहीं एडन मार्करम ७ रन पर आउट हो गए। डी जॉर्जी ने ३५ गेंद में ३९ रन, डेवाल्ड ब्रेविस ने २८ गेंद में ३७ रन, मार्को यान्सेन ने ३९ गेंद में ७० रन, मैथ्यू ने ८० गेंद में ७२ रन, सुब्रायेन ने १७ रन और कार्बिन ने ६७ रन बनाए।

भारत की तरफ से कुलदीप यादव ने ४, हर्षित राना ने ३, अर्शदीप सिंह ने २ और प्रसिद्ध कृष्णा ने १ विकेट चटकाया।

सीरीज में १-० की बढ़त

इस शानदार प्रदर्शन के बाद भारत ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में १७ रन से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में सीरीज में १-० की बढ़त बना ली है।

बारात निकलने से 1 घंटे पहले दूल्हे ने की आत्महत्या, पुलिस पर प्रताड़ित करने का आरोप

रांची (एजेंसी): रांची के सुखदेवनगर थानाक्षेत्र के न्यू मधुकम के रोड नंबर-५ निवासी उदित नारायण पांडेय के बेटे नीतेश कुमार पांडेय ने बारात जाने के एक घंटा पहले आत्महत्या कर ली।

घटना शनिवार दोपहर की है. बारात लातेहार जाने वाली थे। दरअसल एक युवती ने नीतेश पर यौन संबंध बनाने और शादी से इंकार करने का आरोप लगाया था। युवक के भाई नीरज पांडेय ने सुखदेवनगर थाना के मुंशी परशुराम पर केस मैनेज करने के लिए १० लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। कहा कि पुलिस लगातार नीतेश को प्रताड़ित कर रही थी।

आरोप है कि २५ नवंबर को तिलक के दिन ही नीतेश को बुलाया गया था। इधर घटना के ढाई घंटे बाद पुलिस पहुंची। नीतेश के पिता उदित नारायण पांडेय के बयान पर युवती पर आत्महत्या के लिए उकसाने का बयान दर्ज कराया गया है। देर रात शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया।

इधर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि युवती का नीतेश से २०१७ से प्रेम संबंध था. युवती ने कई फोटो और चैट सबूत के तौर पर दिये हैं। केस के आइओ अमित दास व मुंशी परशुराम पर १० लाख रुपये लेकर केस मैनेज करने की बात समझ में नहीं आ रही है। मामले की जांच की जायेगी।

मदरसा आलिया अरबिया में जरूरतमंद बच्चों के बीच 200 कंबल उपहार स्वरूप वितरित

रांची (एजेंसी): रांची के काँके क्षेत्र में सर्दी की तीव्रता को देखते हुए सामाजिक संस्थाओं ने जरूरतमंद बच्चों के लिए एक सराहनीय कदम उठाया। आज 'आओ हाथ मिलाए' और मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव माही सामाजिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में काँके मदरसा आलिया अरबिया में २०० कंबल उपहार स्वरूप वितरित किए गए। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब और

जरूरतमंद बच्चों के लिए की गई, ताकि सर्दी के मौसम में उनकी पढ़ाई बाधित न हो। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावत-ए-कुरान से इस कार्यक्रम का शुभारंभ एक बच्चे द्वारा तिलावत-ए-कुरान के जरिए किया गया।

काँके क्षेत्र में सबसे अधिक ठंड पड़ने के कारण यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। मदरसा में पढ़ने वाले ये बच्चे ज्यादातर ग्रामीण इलाकों के हैं, जिन्हें सर्दी में गर्म कपड़ों की सख्त जरूरत होती है।

जिस तरह आज आप लोगों को ठंड से बचाने के लिए कंबल इनाम दिया जा रहा है, उसी तरह जब आप बड़े होंगे तो जरूरतमंद बच्चों की मदद करेंगे। सभी के साथ मिल-जुलकर काम करें और समाज में एकता का पैगाम फैलाएं।

'आओ हाथ मिलाए' संस्था के अध्यक्ष डॉ. नाजिश हसन ने अपने संदेश में कहा, हमें अपने मोहल्ले, समाज और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभानी है। कुरान का इंसानियत का पैगाम हर धर्म के व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है।

राष्ट्रगान के साथ समापन

कार्यक्रम का समापन देशभक्ति के स्वर में *राष्ट्रगान* के साथ हुआ। कंबल वितरण के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से आओ हाथ मिलाए संस्था के नाजिश जिशान, असद रूमान, अहमद हुसैन और माही के हाजी नवाब, अंजुमन के कार्यकारिणी शाहिद अख्तर टुकलू, मदरसा आलिया अरबिया के हाजी मुनव्वर, मुक़रम, मुजफ्फर आदि लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सैकड़ों बच्चे उपस्थित हुए, जिन्हें न केवल कंबल मिले बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ भी सीखने को मिला। यह पहल न केवल सर्दी से बच्चों को राहत देगी, बल्कि सामाजिक एकता और मानवता के मूल्यों को भी मजबूत करेगी।

काँके क्षेत्र के लोगों ने इस पहल की खूब सराहना की है। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसी पहल से न केवल बच्चों को राहत मिलेगी, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी बढ़ेगा। दोनों संस्थाओं ने आगामी दिनों में भी ऐसी जरूरी पहल जारी रखने का संकल्प लिया है।

पृष्ठ एक का शेषांश

आज से संसद का---

का पूरा फोकस इस बार विधायी बिजनेस पर रहने वाला है। पहले चरण की अनुपूरक अनुदान मांगों का प्रस्तुतिकरण, चर्चा और मतदान होगा। इसके साथ जुड़े अनुदान विनियोजन विधेयक को भी पेश और पारित किया जाएगा।

अब तक का सबसे छोटा विंटर सेशन- ऑल-पार्टी मीटिंग के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि शीतकालीन सत्र सिर्फ १९ दिन का है। इसमें से सिर्फ १५ दिन ही चर्चा हो पाएगी। यह शायद अब तक का सबसे छोटा विंटर सेशन होगा। इसलिए, ऐसा लगता है कि सरकार खुद पार्लियामेंट को पटरी से उतारना चाहती है। हमने सिक्योरिटी का मुद्दा उठाया, जिस पर चर्चा होनी चाहिए। दिल्ली में हुआ धमाका, कुछ मायनों में, हमारे लीगल और होम अफेयर्स डिपार्टमेंट की नाकामियों का सबूत है। दूसरा है डेमोक्रेसी की सिक्योरिटी। वोटर लिस्ट की सिक्योरिटी और इलेक्शन सिक्योरिटी पर चर्चा होनी चाहिए। हमारी तीसरी मांग हमारी हेल्थ की सिक्योरिटी थी, जिस तरह से देश के हर कोने में एयर पॉल्यूशन बढ़ रहा है।

विपक्ष ने वोट चोरी को बताया अहम मुद्दा- बता दें कि सर्वदलीय बैठक से पहले कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सत्र के दौरान विपक्ष निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत से सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा कथित तौर पर वोट चोरी किए जाने का मुद्दा उठाएगा। उन्होनें कहा कि जब लोकतंत्र की हत्या की जा रही हो और सिर्फ वोट चोरी नहीं, बल्कि वोट डकैती की जा रही हो, तो यह एक मुद्दा अहम होगा। आरजेडी नेता मनोज कुमार झा ने कहा कि अधिकतर राजनीतिक चर्चाएं मनगढ़ंत होती है जबकि जनता के बेसिक मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

लाल आतंक को फिर---

किया है। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर, पिछले २० महीनों में दंतेवाड़ा जिला में १६५ ईनामी नक्सली सहित कुल ५०८ से अधिक नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा को अपनाया है। नक्सलियों के नेतृत्व से लेकर आधार क्षेत्र के सक्रिय कैडर तक बड़ी संख्या में नक्सली संगठन से अलग हो चुके हैं। लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक ३३३ इनामी नक्सली सहित कुल ११६० नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। जिसमें जिला दन्तेवाड़ा के साथ-साथ सीमावर्ती जिलों बस्तर, बीजापुर एवं नारायणपुर के ९१६ पुरूष नक्सली तथा २४४ महिला नक्सली शामिल हैं।

बिना सिम नहीं चला सकेंगे---

जमा करनी होगी। नए नियमों का उद्देश्य ऐप आधारित संचार सेवाओं को सख्त दूरसंचार सुरक्षा ढांचे में शामिल करना है।

90 दिनों में लागू हो सिम-बाइंडिंग- डीओटी ने निर्देश दिया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर ऐप को इस तरह तैयार किया जाए कि वह केवल उसी सक्रिय सिम के साथ चले, जिसका मोबाइल नंबर उपयोगकर्ता की पहचान के लिए दर्ज है। इसके बिना ऐप का उपयोग असंभव हो जाएगा। नई व्यवस्था के तहत इन ऐप्स के वेब वर्ज़न को हर छह घंटे में ऑटो-लॉगआउट करना अनिवार्य होगा। दोबारा उपयोग करने के लिए यूज़र को नए सिरे से क्यूआर कोड स्कैन करके लॉगिन करना होगा।

साइबर धोखाधड़ी रोकने उठाया कदम- डीओटी ने कहा कि बिना सिम के ऐप चलने की सुविधा का दुरुपयोग खासकर विदेशों से संचालित साइबर अपराध गिरोह कर रहे हैं। सिम निष्क्रिय होने या बदलने के बाद भी धोखाधड़ी जारी रहती है, जिससे लोकेशन या टेलीकॉम डेटा के आधार पर अपराधियों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

सुरक्षा जोखिम बढ़ा रहे मैसेजिंग ऐप- सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने पहले ही चेताया था कि सिम से स्वतंत्र रूप से काम करने वाले मैसेजिंग ऐप सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं। अनिवार्य सिम-बाइंडिंग से यूज़र, फोन नंबर और डिवाइस के बीच एक विश्वसनीय लिंक स्थापित होगा। इससे स्पैम, फ्रॉड कॉल, वित्तीय धोखाधड़ी और ऑनलाइन स्कैम पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है कि नए नियमों से टेलीकॉम इकोसिस्टम की अखंडता और सुरक्षा और मजबूत होगी।

चुनाव आयोग और टीएमसी---

मुलाकात कर पांच सवाल पूछे, लेकिन एक का भी जवाब नहीं मिलने का दावा किया। राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, हम एसआईआर का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसके अमानवीय और अव्यवस्थित तरीके का विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के हाथ खून से रंगे हैं। वहीं, चुनाव आयोग ने टीएमसी के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा कि बीएलओ पर दबाव काम का नहीं, बल्कि स्थानीय टीएमसी कार्यकर्ताओं की धमकियों और दबाव का नतीजा है। आयोग का दावा है कि तृणमूल नहीं चाहती कि मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट या अवैध (खासकर बांग्लादेशी) मतदाताओं के नाम हटाए जाएं, क्योंकि ये उनके वोट बैंक का हिस्सा हैं। आयोग ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर को तुरंत पत्र लिखकर सभी बीएलओ की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। हाल ही में सीईओ कार्यालय में सुरक्षा चूक की घटना के बाद आयोग ने कार्यालय को अधिक सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करने और मौजूदा भवन की सुरक्षा बढ़ाने को कहा है।

एसआईआर की डेडलाइन---

जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा। आयोग ने मतदान केंद्र यानी पोलिंग बूथों के आवंटन की प्रक्रिया भी ११ दिसंबर तक पूरे कर लिए जाने की बात कही है। ३० नवंबर को जारी शेड्यूल के मुताबिक आयोग ने १२ से १५ दिसंबर के बीच कंट्रोल टेबल तैयार किए जाने की बात कही है। इसी अवधि में सभी १२ राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाताओं की मसौदा सूची यानी ड्राफ्ट रोल भी तैयार कर लिए जाएंगे। मतदाता अपनी आपत्तियां १६ दिसंबर से १५ जनवरी के बीच दर्ज करा सकेंगे।

मतदाता सूची की जांच 10 फरवरी को- चुनाव आयोग ने कहा है कि १६ दिसंबर से सात फरवरी के बीच सभी राज्यों के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर मतदाताओं की आपत्तियों पर सुनवाई करेंगे। इसी अवधि में चुनाव आयोग नोटिस जारी कर मतदाताओं से जवाब भी तलब करेगा। १० फरवरी को सभी पैमानों पर मतदाता सूची के ड्राफ्ट रोल को परखा जाएगा। इसके बाद आयोग की तरफ से अंतिम सूची के प्रकाशन की अनुमति दी जाएगी।

बीएलओ को मिलेगी डबल सैलरी- चुनाव आयोग ने बूथ लेवल ऑफिसर्स की सैलरी ६००० से बढ़ाकर १२००० रुपए सालाना कर दी है। इसके अलावा वोटर रोल तैयार करने और उनमें बदलाव करने वाले बीएलओ सुपरवाइजर की सैलरी भी १२००० से बढ़ाकर १८००० रुपए कर दी गई है। जिस सरकारी कर्मचारी को बीएलओ का काम दिया गया है उसे यह पैसा उसकी सैलरी के अलावा अलग से दिया जाता है। आयोग ने शनिवार को जारी एक रिलीज में कहा कि पिछला ऐसा बदलाव २०१५ में किया गया था।

अब सीनियर वकील---

कोर्ट को संतुष्ट करने वाले अन्य वास्तविक कारणों के मामलों में ही स्वीकार किया जाएगा। यह कदम न्यायिक प्रक्रिया को ज्यादा सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने की दिशा में उठाया गया है, जिससे तत्काल मामलों का निपटारा तेजी से हो सके।

69 लाख पेंशनरों के---

पेंशनरों को तुरंत राहत दे सकता है। बताया गया है कि वित्त मंत्रालय २ दिसंबर को इन मुद्दों पर आधिकारिक जवाब देने वाला है, जिससे कई आशंकाओं पर से पर्दा उठने की संभावना है। देश के लगभग ६९ लाख पेंशनभोगी पेंशन संशोधन पर निर्भर रहते हैं, ताकि उनकी आय वर्तमान कर्मचारियों के अनुसार अद्यतन रह सके। यदि पेंशन संशोधन को वेतन आयोग के दायरे से बाहर किया गया, तो पुराने और नए पेंशनरों के बीच आय का फासला और बढ़ सकता है। यूनियनों ने टीओआर में शामिल अनफंडेड कॉस्ट ऑफ नन-कन्ट्रिब्यूट्री पेंशन स्कीम जैसी भाषा पर भी आपत्ति जताई है। उनके अनुसार, इससे संकेत मिलता है कि सरकार सामाजिक सुरक्षा की जगह वित्तीय बोझ को प्राथमिकता दे रही है। कर्मचारी महासंघों ने चेतावनी दी है कि यदि २ दिसंबर को आने वाला सरकारी जवाब संतोषजनक नहीं रहा, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। कुछ यूनियनें राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन की भी तैयारी में हैं। फिलहाल कर्मचारी और पेंशनभोगी दो प्रमुख सवालों के जवाब का इंतज़ार कर रहे हैं, पहला क्या ८वें वेतन आयोग में पेंशन संशोधन शामिल रहेगा और दूसरा क्या डीए को बेसिक पे में जल्द मर्ज किया जाएगा। इन फैसलों का सीधा असर करोड़ों परिवारों पर पड़ने वाला है।

अब झारखंड में भी एसआईआर कराने की तैयारियां हुईं तेज, दस्तावेजों के लिए विशेष अभियान

रांची (ईएमएस): झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारियां तेज़ हो गई हैं। चुनाव आयोग के निर्देश पर वर्तमान मतदाता सूची की २००३ की मतदाता सूची से मैपिंग की जा रही है। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) इस प्रक्रिया में मतदाताओं की फैमिली ट्री तैयार करते हुए विवरण को अपडेट कर रहे हैं। देश के १२ राज्यों में चल रहे एसआईआर के दूसरे चरण की अवधि १० फरवरी को समाप्त होगी। इसके बाद आयोग तीसरे चरण के राज्यों की घोषणा करेगा, जिसमें झारखंड के शामिल होने की पूरी संभावना है।

राज्य में कोशिश की जा रही है कि तीसरे चरण की घोषणा से पहले वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग पूरी कर ली जाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नागरिकों को सचेत करते हुए बताया जा रहा है, कि एसआईआर के दौरान मतदान की पात्रता रखने वाले सभी नागरिकों को अपने दस्तावेज चुनाव आयोग को प्रस्तुत करने होंगे। आवेदन प्रक्रिया में स्वयं और माता-पिता दोनों के दस्तावेज स्व-प्रमाणित कर जमा करने होंगे।

जमशेदपुर में हल्दी समारोह में घुसी महिला गैंग, नकदी से भरा बैग उड़ाया

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना क्षेत्र स्थित सूरत गुजराती समाज भवन में शनिवार रात हल्दी की खुशियां उस वक्त अफरा-तफरी में बदल गई, जब समारोह में शामिल महिलाएं अचानक अपने-अपने बैग तलाशने लगीं और पता चला कि रुपयों से भरा एक बैग रहस्यमय तरीके से गायब हो चुका है। हल्दी समारोह की खुशियों के बीच फैली इस अफरातफरी ने मेहमानों को चौंका दिया। कुछ ही देर में संदेह के आधार पर एक अंजान महिला को भीड़ पकड़ लिया और उसे बिष्टुपुर पुलिस को सौंप दिया गया।

बागबेड़ा बड़ौदा घाट निवासी अरुण कुमार ने बताया कि यह घटना उनकी भतीजी के हल्दी समारोह के दौरान हुई, जिसमें सैकड़ों लोग मौजूद थे। उसी भीड़ का फायदा उठाकर संदिग्ध महिला कार्यक्रम में घुस आई। थोड़ी देर बाद जब महिला मेहमानों ने अपना बैग ढूंढा, तो एक बैग गायब मिला। मौजूद लोगों ने बताया कि जिस बैग की चोरी हुई, उस बैग के पास संदिग्ध महिला बार-बार घूम रही थी।

दूसरी ओर पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपी महिला टूट गई और उसने चोरी की बात का कबूल कर ली। हालांकि उसके पास से नकदी वाला बैग बरामद नहीं हुआ। महिला ने पुलिस के समक्ष खुलासा किया कि यह काम उसने अकेले नहीं किया, बल्कि उसके साथ एक और महिला समारोह में शामिल थी। चोरी का बैग उसने अपने साथी को थमा दिया था, जो वारदात के तुरंत बाद मौके से भाग गई।

पूछताछ के बाद पुलिस फरार महिला की तलाश में जुट गई है और समारोह स्थल के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह संगठित महिला चोर गिरोह हो सकता है, जो शहर के बड़े आयोजनों और भीड़भाड़ वाले पारिवारिक कार्यक्रमों को निशाना बनाता है। ऐसे में पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी आयोजन में अपने कीमती सामान और बैग को खुला छोड़ने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रखें और किसी भी संदिग्ध हरकत पर तुरंत सूचना दें।

आज दिनभर बादल, शाम होते ही गिरेगा तापमान, अगले पांच दिनों तक साफ रहेगा मौसम

रांची (एजेंसी): झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट बदलने की ओर है। राज्य के कई जिलों में सुबह और रात की ठंड में तेजी आई है, वहीं दिन में हल्की धूप लोगों को राहत देती दिख रही है। मौसम विभाग की नवीनतम जानकारी के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। हालांकि उत्तरी दिशा से चल रही ठंडी हवाएं तापमान में लगातार गिरावट ला रही हैं, जिससे जनजीवन पर प्रभाव पड़ रहा है।

दिनभर बादल छाए रहने के आसार-राजधानी रांची सहित आसपास के जिलों में आज आसमान में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। सुबह के समय हल्की ठंड के साथ धुंध का प्रभाव देखने को मिल सकता है। दिन चढ़ने पर धूप नजर आएगी, लेकिन ठंडी हवा के कारण ठिठुरन का एहसास बना रहेगा। कई स्थानों पर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी है।

अगले तीन दिनों तक शुष्क रहेगा मौसम : मौसम विज्ञान केंद्र

मौसम विज्ञान केंद्र- रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार राज्य में अगले तीन दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस अवधि में आसमान साफ रहेगा और वर्षा की कोई गतिविधि नहीं होगी। ३ दिसंबर से सुबह के समय हल्की धुंध बने रहने के बावजूद दिन में आसमान साफ होता जाएगा। हालांकि लगातार चल रही ठंडी हवाएँ मौसम में ठंडक को और बढ़ा सकती हैं।

रात में और गिरेगा पारा, कई जिलों में बढ़ेगी ठंड

प्रदेश के कई हिस्सों में रात के समय तापमान तेजी से नीचे जा रहा है। तापमान में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है, जिससे सुबह और शाम की ठंड अधिक महसूस की जा रही है। कई जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किए जाने की संभावना व्यक्त की गई है।

पांच दिनों तक साफ रहेगा

रांची समेत कोडरमा, बोकारो, हजारीबाग, जमशेदपुर और आसपास के इलाकों में अगले पांच दिनों तक बारिश के कोई संकेत नहीं हैं। आसमान साफ रहने से दिन में धूप का असर दिखाई देगा, लेकिन रात में ठंडी हवा तापमान को नीचे धकेल सकती है। राज्य के उत्तरी हिस्सों में शुष्क हवा का प्रभाव ज्यादा होगा, जिससे ठिठुरन में बढ़ोतरी संभव है।

ज्यादा नारियल तेल लगाने से चेहरे पर बढ़ सकते हैं बाल

चेहरे के दाग-धब्बे मिटाने के लिए महिलाएं कई तरह के नुस्खे इस्तेमाल करती हैं इन्हीं में से एक है नारियल का तेल। नारियल के तेल में पाए जाने वाले गुण और पोषक तत्व त्वचा के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। चेहरे पर नारियल तेल लगाने से स्किन की कई समस्याएं दूर होती हैं। नारियल के तेल में फैटी एसिड, एंटीबैक्टीरियल गुण, विटामिन-ई, प्रोटीन, आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। चेहरे पर नियमित नारियल तेल लगाने से त्वचा को कई फायदे होते हैं लेकिन ज्यादा नारियल तेल लगाना भी आपकी त्वचा पर कई समस्याएं खड़ी कर सकता है।

नारियल तेल चेहरे पर लगाने के नुकसान

नारियल तेल में विटामिन-ई, फैटी एसिड और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसका इस्तेमाल आप एक सीरम के तौर पर भी कर सकते हैं परंतु कई लोगों के लिए यह नुकसानदायक भी हो सकता है। इससे उनकी त्वचा में एलर्जी और कई स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

स्किन पर हो सकते हैं मुहांसे

ज्यादा नारियल तेल चेहरे पर लगाने से त्वचा पर पिंपल्स की समस्या बड़ सकती है। इसके अलावा चेहरे पर ऑयल और गंदगी जमा होने लगती है। जिसके कारण आपके चेहरे पर मुंहासे और पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती है।

स्किन हो सकती है ऑयली

चेहरे पर ज्यादा नारिल तेल लगाने से स्किन पर ऑयल भी बढ़ने लगता है जिसके कारण चेहरे पर धूल-मिट्टी जमा होने लगती है। लंबे समय तक चेहरे पर नारियल तेल लगाने से स्किन भी ऑयली होने लगती है।

बढ़ सकते हैं चेहरे पर बाल

इसके अलावा चेहरे पर ज्यादा नारियल तेल लगाने से बाल भी बढ़ सकते हैं। नारियल तेल से उगने वाले बाल हल्के नहीं बल्कि मोटे होते हैं। इसलिए यदि आपके चेहरे पर बाल बढ़ रहे हैं तो नारियल तेल का इस्तेमाल न करें।

चेहरे पर हो सकती है एलर्जी

ज्यादा नारियल तेल लगाने से भी स्किन पर एलर्जी हो सकती है। नारियल तेल की तासीर गर्म होती है और गर्मी के मौसम में स्किन पर नारियल तेल ज्यादा इस्तेमाल करने से स्किन खराब भी होने लगती है।

ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर विपरीत प्रभाव डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिनसे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं। ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फेंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें। पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2-3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें 1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें।

सर्दियों में इन 7 कारणों से फटती हैं एड़ियां! घर पर ऐसे करें इलाज जिससे तलवे भी बनेंगे सॉफ्ट

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही सबसे आम समस्या है फटी हुई एड़ियां। ठंड, सूखी हवा और कम नमी के कारण पैरों की त्वचा तेजी से ड्राई होने लगती है। अगर समय रहते इसकी देखभाल न की जाए, तो एड़ियों में गहरी दरारें, दर्द, खून आना और इन्फेक्शन तक हो सकता है। जानिए सर्दियों में एड़ियां क्यों फटती हैं और घर पर उन्हें कैसे ठीक किया जा सकता है। इन प्रमुख कारणो की वजह से फटने लगती है एड़ियां।

ड्राई मौसम और कम नमी

सर्दियों के दौरान हवा में नमी बहुत कम होती है, जिससे त्वचा तेजी से नमी खोने लगती है। पैरों में वैसे भी प्राकृतिक तेल कम होते हैं, इसलिए एड़ियों पर इसका असर और ज्यादा दिखाई देता है। त्वचा सूखकर सख्त होने लगती है और कुछ ही दिनों में फटने लगती है।

एड़ियों पर ज्यादा दबाव

ज्यादा वजन होने या लंबे समय तक लगातार खड़े रहने से एड़ियों पर दबाव बढ़ जाता है। इससे एड़ी के नीचे मौजूद फैट पैड फैलकर त्वचा को खींचने लगता है, जिसके कारण त्वचा में दरारें पड़ने लगती हैं और एड़ियां फटने लगती हैं।

बढ़ती उम्र

उम्र बढ़ने पर त्वचा की लचक कम होने लगती है और प्राकृतिक तेलों का उत्पादन भी घट जाता है। इसी वजह से पैरों की त्वचा धीरे-धीरे सख्त, सूखी और रफ हो जाती है, जिससे एड़ियां फटने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

स्किन प्रॉब्लम्स

सोरायसिस, एक्जिमा, फंगल इंफेक्शन, डायबिटीज और थायरॉइड जैसी समस्याओं में त्वचा जल्दी सूखने लगती है और उसकी हीलिंग क्षमता भी कम हो जाती है। ऐसे में पैरों की त्वचा कठोर होकर फटने लगती है और एड़ियों में गहरी दरारें बनने का खतरा बढ़ जाता है।

गलत फुटवियर पहनना

खुले या खराब क्वालिटी वाले जूते-चप्पल पहनने से पैर लगातार ठंडी और सूखी हवा के संपर्क में रहते हैं, जिससे तलवे तेजी से ड्राई होकर फटने लगते हैं। इसके अलावा, गलत फिटिंग वाले फुटवियर घर्षण बढ़ाते हैं, जिस कारण एड़ियों में दरारें और दर्द की समस्या और अधिक बढ़ जाती है।

सर्दियों में पानी कम पीना

सर्दियों में प्यास कम लगने के कारण लोग अक्सर पानी कम पीते हैं, लेकिन इससे शरीर में हाइड्रेशन घट जाता है। नतीजतन त्वचा अंदर से सूखने लगती है और एड़ियां तेजी से फटने लगती हैं।

केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

हार्श साबुन या केमिकल-युक्त लोशन-क्रीम के इस्तेमाल से त्वचा का प्राकृतिक तेल कम हो जाता है। इससे एड़ियां और भी ज्यादा ड्राई होकर तेजी से फटने लगती हैं।

फटी एड़ियों के घरेलू उपचार

गुनगुने पानी में पैरों को भिगोएं
15 मिनट तक भिगोएं
इससे डेड स्किन नरम होती है
स्क्रबर या प्यूमिक स्टोन से हल्के हाथ से रगड़ें

यह तरीका रोज करने से एड़ियां साफ और मुलायम रहती हैं।

मॉइस्चराइजिंग अनिवार्य है

फटी एड़ियों को ठीक करने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है नियमित मॉइस्चराइजिंग। स्नान के तुरंत बाद और रात में सोने से पहले इन चीजों का इस्तेमाल जरूर करें।

नारियल तेल
बादाम तेल
ऑलिव तेल
वैसलीन
गाढ़ी क्रीम

लगाकर 2-3 मिनट मसाज करें। रात में मोजे पहन लें।

केला पेस्ट

पका केला मैश करके एड़ियों पर लगाएं।

15 मिनट बाद धो लें।
स्किन तुरंत सॉफ्ट हो जाती है।

एलोवेरा जेल + नींबू रस

सोने से पहले एलोवेरा जेल में 2-3 बूंद नींबू मिलाकर लगाएं
मोजे पहनकर सोएं
सुबह पैर बेहद मुलायम महसूस होंगे

गुलाब जल और ग्लिसरीन

एक चम्मच गुलाब जल + एक चम्मच ग्लिसरीन

रोज रात में लगाने से फटी एड़ियां भरने लगती हैं।

सही फुटवियर पहनें

सर्दियों में हमेशा
बंद जूते
मुलायम सोल वाले फुटवियर
सही फिटिंग वाले सैंडल
पहनें ताकि पैर ड्राई हवा से बचें।

पानी खूब पिएं

भले ही ठंड हो, दिन में 7-8 गिलास पानी जरूर पिएं।

हाइड्रेशन से स्किन नैचुरली सॉफ्ट रहती है।

कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए?

अगर आपकी फटी एड़ियां सामान्य ड्राइनेस से बढ़कर गंभीर रूप लेने लगें, तो डॉक्टर को दिखाना बेहद जरूरी हो जाता है। खासकर तब, जब एड़ियों से खून आने लगे, चलने में दर्द महसूस हो, दरारों में पस या बदबू आने लगे, या फिर लालिमा और सूजन दिखने लगे। ये सभी संकेत इंफेक्शन या गहरी क्रैक का संकेत हो सकते हैं, जिन्हें घरेलू उपाय से ठीक करना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

रोज खा लिए 2 आंवले तो नहीं होगी कोई बीमारी

मौसमी बीमारियों से बचने के लिए स्वस्थ खान-पान बहुत ही जरूरी होता है। इस दौरान इम्यूनिटी बहुत ही कमजोर हो जाती है। इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए आप आंवले का सेवन कर सकते हैं। सर्दियों में इसका सेवन करना बहुत ही फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, विटामिन-सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं यह इम्यूनिटी मजबूत करने के अलावा बालों को भी हैल्दी रखने में मदद करता है। सर्दियों में इसका सेवन करने से आप कई बीमारियों से राहत पा सकते हैं।

शरीर को करे डिटॉक्स

सर्दियों में आंवले के सेवन करके आप बॉडी को डिटॉक्स कर सकते हैं। यह आपके शरीर में से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। नियमित आंवला खाकर आप मौसमी बीमारियों से भी दूर रह सकते हैं। इसके अलावा मौसमी बीमारियों के लिए भी आंवला बहुत ही गुणकारी माना जाता है।

वायरल बीमारियों से करे बचाव

आंवले में विटामिन-सी की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। इसका सेवन करके आप वायरल बीमरायों से बच सकते हैं। खासकर सर्दी के मौसम में वायरल बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। आप इन बीमारियों से बचने के लिए आंवले का सेवन कर सकते हैं। इससे आपका मेटाबॉल्जिम स्तर तेज होता है और बैक्टीरियल बीमारियों से लड़ने में भी सहायता मिलती है।

कब्ज करे दूर

आंवले के सेवन करके आप कब्ज जैसी समस्या से राहत पा सकते हैं। खासकर सर्दियों के मौसम में यह समस्या बढ़ सकती है ऐसे में आप आंवले का सेवन करके आप अपना पाचन तंत्र स्वस्थ रख सकते हैं।

इम्यूनिटी करे मजबूत

सर्दियों में मौसमी बीमारियां का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में आप आंवले का सेवन कर सकते हैं। इसमें विटामिन-सी पाया जाता है जो इम्यूनिटी मजबूत करने में मदद करता है। इसके अलावा किसी भी तरह की वायरल बीमारियों से भी आंवला लड़ने में मदद करता है। सर्दी में इसका सेवन करने से आप सर्दी से भी बच सकते हैं।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला त्वचा और बालों के लिए भी वरदान है। सर्दियों में बाल ड्राई और डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। ऐसे में आप आंवले को अपनी रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इससे आपके बाल भी मजबूत होंगे और स्किन पर एजिंग की निशानों से भी राहत मिलती है।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है सीताफल

भारत में मौसमी फलों का अपना ही मजा है। इन्हीं में से एक है शरीफ़ा, जिसे सीताफल भी कहा जाता है। यह फल पूरे साल नहीं मिलता, बल्कि केवल अक्टूबर और नवंबर में ही बाजार में दिखाई देता है। स्वाद में बेहद मीठा और पोषक तत्वों से भरपूर यह फल सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। शरीफ़ा में विटामिन A, B6, पोटैशियम, कॉपर, मैग्नीशियम, जिंक और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे कैंसर का दुश्मन फल भी कहा जाता है।

कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में सहायक

शरीफ़ा में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और फ्लेवोनोइड्स शरीर में हानिकारक कैंसर कोशिकाओं के फैलाव को रोकने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके नियमित सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है, शरीर में जमा सूजन कम होती है और फ्री रेडिकल्स नष्ट होकर सेल्स को नुकसान से बचाते हैं।

दिल की सेहत का रखता है ध्यान

शरीफ़ा में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद करते हैं और दिल पर पड़ने वाले तनाव को कम करते हैं। विशेष रूप से मैग्नीशियम दिल की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, जिससे हार्ट अटैक और अन्य कार्डिएक समस्याओं का खतरा कम हो जाता है।

वजन बढ़ाने में बेहद मददगार

यदि आपका वजन लंबे समय से नहीं बढ़ रहा है, तो सुबह खाली पेट शहद के साथ शरीफ़ा खाना बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद कॉपर और फाइबर पाचन शक्ति को मजबूत बनाते हैं, पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाते हैं और कब्ज की समस्या दूर करते हैं। इससे शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती है और वजन धीरे-धीरे बढ़ने लगता है।

त्वचा और बालों के लिए वरदान

शरीफ़ा विटामिन ए और कॉपर का बेहतरीन प्राकृतिक स्रोत है, जो त्वचा और बालों दोनों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसके नियमित सेवन से त्वचा अधिक ग्लोइंग और हेल्दी दिखाई देती है, झुर्रियों और उम्र के निशान कम होते हैं, जबकि कॉपर बालों की जड़ों को मजबूत बनाकर उन्हें घना और मजबूत बनने में मदद करता है।

अस्थमा रोगियों के लिए फायदेमंद

सीताफल में पाया जाने वाला विटामिन बी6 ब्रॉन्कियल इंफ्लेमेशन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे अस्थमा के दौरे पड़ने की संभावना घटती है, वायुमार्ग रिलैक्स होते हैं और सांस लेने में आसानी होती है। नियमित सेवन अस्थमा रोगियों के लिए विशेष रूप से लाभदायक माना जाता है।

प्रेग्नेंसी में बेहद उपयोगी

गर्भवती महिलाओं के लिए शरीफ़ा एक अत्यंत लाभकारी मौसमी फल माना जाता है। यह भ्रूण के दिमाग और नर्वस सिस्टम के विकास में अहम भूमिका निभाता है, साथ ही मिसकैरेज के खतरे को कम करने में भी सहायक है। इसके नियमित सेवन से मां की पाचन शक्ति मजबूत होती है और गर्भावस्था के दौरान होने वाली कमजोरी भी दूर होती है।

सीताफल का धार्मिक महत्व: सीताफल को कई जगहों पर पवित्र फल माना जाता है। मंदिरों में इसे प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है। इसकी तासीर ठंडी होती है और स्वाद इतना मीठा कि चीनी भी इसके सामने फीकी लगती है।

सीताफल का पेड़: लंबे समय तक देने वाला फलदार पौधा

सीताफल का पेड़ लगभग 40-50 साल तक जीवित रह सकता है और घर के आसपास आसानी से लगाया जा सकता है। अक्टूबर-नवंबर में यह फल बड़ी आसानी से बाजार में उपलब्ध हो जाता है। शरीफ़ा सिर्फ एक फल नहीं, बल्कि पोषक तत्वों का खजाना है। कैंसर से लड़ने से लेकर दिल, त्वचा, बाल, वजन और प्रेग्नेंसी तक—यह हर तरह से शरीर को फायदा पहुंचाता है। अगर आप इस सीजन में शरीफ़ा देखकर आगे बढ़ गए, तो समझिए आपने एक प्राकृतिक दवा को खो दिया।

एचपीसीए ने मंडी की लेडी कांस्टेबल नेहा सैनी को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

देहरादून (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस की महिला कांस्टेबल नेहा सैनी ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एसपी ऑफिस मंडी में तैनात नेहा सैनी को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की महिला अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। मंडी (रजनीश)- हिमाचल प्रदेश पुलिस की महिला कांस्टेबल नेहा सैनी ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एसपी ऑफिस मंडी में तैनात नेहा सैनी को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की महिला अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। नेहा सैनी 30 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक देहरादून और लखनऊ में आयोजित होने वाले बीसीसीआई महिला अंडर-19 नैशनल वन डे मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगी।

सुंदरनगर की रहने वाली नेहा सैनी का क्रिकेट से नाता काफी पुराना है। उन्होंने बताया कि जब वर्ष 2006 में हिमाचल में महिला क्रिकेट की शुरूआत हुई थी, तब उन्होंने खेलना शुरू किया था। वह 2006 से 2011 तक एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में मैदान पर डटी रहीं। खेल के प्रति उनके समर्पण के साथ-साथ उन्होंने देश सेवा को भी चुना और 2010 में पुलिस विभाग ज्वाइन किया। हालांकि, खाकी वर्दी पहनने के बाद भी उनका क्रिकेट प्रेम कम नहीं हुआ। क्रिकेट के मैदान पर अपने अनुभव का लाभ अब वे नई पीढ़ी को दे रही हैं। नेहा 2023 से लगातार एचपीसीए की महिला अंडर-19 और अंडर-23 टीमों के साथ बतौर मैनेजर जुडी हुई हैं। वहीं अब एक बार फिर उन्हें हिमाचल महिला क्रिकेट टीम की कमान सौंपी गई है। इस दौरे का पूरा खर्च हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा उठाया जाएगा। वहीं नेहा सैनी ने एसपी मंडी साक्षी वर्मा, डीएसपी हैडक्वार्टर मंडी दिनेश कुमार, मंडी क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राणा और सचिव अभिनव गुलेरिया का आभार जताते हुए कहा कि पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों और क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के कारण ही वह अपनी ड्यूटी के साथ-साथ खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख पाई हैं। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी और टीम को बेहतरीन मार्गदर्शन देकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

टी20 सीरीजः लिटन दास की कप्तानी पारी, बांग्लादेश ने आयरलैंड को 4 विकेट से हराया

चटगांव, एजेंसी। बांग्लादेश ने सीरीज के दूसरे टी20 मुकाबले में आयरलैंड को 4 विकेट से हरा दिया है। जीत के साथ बांग्लादेश ने सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। बीर श्रेष्ठो फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतिउर रहमान क्रिकेट स्टेडियम, चटगांव में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश को जीत के लिए 171 रन की जरूरत थी जिसे टीम ने आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर हासिल कर लिया। 171 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश के लिए कप्तान लिटन दास ने अर्धशतक लगाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे दास ने 37 गेंद पर 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से 57 रन की धमाकेदार पारी खेली। लिटन दास ने दूसरे विकेट के लिए परवेज हुसैन इमोन के साथ 60 और तीसरे विकेट के लिए सैफ हसन के साथ 52 रन की साझेदारी की। इन दोनों साझेदारियों का टीम की जीत में अहम योगदान रहा था। 138 रन के स्कोर पर बांग्लादेश का तीसरा विकेट गिराने के बाद आयरलैंड ने वापसी की कोशिश की और अगले 19 रन के अंदर 3 विकेट गिराए, लेकिन मोहम्मद सैफुद्दीन ने 7 गेंद पर 17 और मेहदी हसन ने 3 गेंद पर 6 रन बनाकर टीम को 2 गेंद पहले जीत दिला दी। बांग्लादेश ने 19.4 ओवर में 6 विकेट पर 174 रन बनाकर मैच 4 विकेट से जीता। परवेज हुसैन इमोन ने 28 गेंद पर 43 और सैफ हसन ने 22 रन बनाए। आयरलैंड के लिए मार्क अडेयर और गारेथ डेल्ने ने 2-2 विकेट लिए।

विराट कोहली ने 52वां शतक जड़कर रचा हैरतअंगेज इतिहास

टूट गया सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली अपने करियर के उस फेज हैं, जब भी वह मैदान पर उतरते हैं तो रिकॉर्ड्स बनते और टूटते हैं। कुछ ऐसा ही रविवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भी देखने को मिला। कोहली ने रांची के मैदान पर 102 गेंदों में 100 रन कंप्लीट किए और कीर्तिमानों की झड़ी लगा दी। यह उनके वनडे करियर का 52वां शतक था। कोहली ने हैरतअंगेज इतिहास रच डाला है। वह एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक सेंचुरी जमाने वाले वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड तोड़ डाला है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। बता दें कि कोहली 2023 में सचिन को पछाड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक मारने वाले क्रिकेटर बन थे। सचिन ने वनडे में 49 सेंचुरी लगाई। 37 वर्षीय कोहली ने सचिन का एक और ध्वस्त किया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैचों में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले भारतीय प्लेयर बन गए हैं। वह अभी तक 32 मैचों में 6 शतक लगा चुके हैं। वहीं, महान बल्लेबाज सचिन ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 57 वनडे मैचों में पांच शतक ठोके थे। इसके अलावा, कोहली घरेलू मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा पचास प्लस स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं। उन्होंने साथ ही घर पर 100 बार पचास प्लस स्कोर बनाने का कारनामा अंजाम दिया है।

रोहित बने वनडे में सिक्सर किंग

शाहिद अफरीदी के रिकॉर्ड की धज्जियां उड़ाकर बनाया विश्व कीर्तिमान

रांची (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रांची के जेएससीए स्टेडियम में खेला जा रहा है। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। वहीं रोहित शर्मा बने वनडे में सिक्सर किंग बन गए उन्होंने शाहिद अफरीदी के रिकॉर्ड की धज्जियां उड़ाकर विश्व कीर्तिमान अपने नाम कर लिया था। भारतीय टीम ने 32 ओवर में 4 विकेट पर 208 रन बना लिए थे। विराट कोहली ने शानदार शतक लगाया। ऋतुराज गायकवाड (8 रन) को ओटनिल बार्टमैन ने डेवाल्ड ब्रेविस के हाथों कैच कराया। रोहित शर्मा (51 बॉल पर 57 रन) को मार्को यानसन ने एलबीडब्ल्यू किया। यशस्वी जायसवाल 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नांद्रे बर्गर ने विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। रोहित अब वनडे क्रिकेट में 352 छक्कों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित को इस मैच से पहले ये रिकॉर्ड बनाने के लिए 3 छक्कों की जरूरत थी। रोहित ने इस मामले में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़ दिया है जो इससे पहले वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के (351) मारने वाले खिलाड़ी थे।

● **CSK की पोस्ट पर दिया भावुक संदेश**

फाफ डु प्लेसिस ने IPL को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस) ने इंडियन प्रीमियर लीग से अपना सफर आधिकारिक तौर पर खत्म कर दिया है। उन्होंने आईपीएल 2026 की नीलामी में पंजीकरण न कराने का फैसला किया है और अब वे पाकिस्तान सुपर लीग में नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। इसी के साथ में उनके 14 साल लंबे करियर पर विराम लग गया।

डु प्लेसिस ने आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए नौ मैचों में हिस्सा लिया था। इससे पहले वे चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान के रूप में और कई यादगार भूमिकाओं में नजर आए।

फाफ के नीलामी से हटने के बाद सीएसके ने अपने पूर्व सितारे को एक खास श्रद्धांजलि दी, जिसमें उनके चैंपियनशिप योगदान और शीर्ष क्रम पर निभाई महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया गया।

इस पोस्ट पर फाफ भावुक हो गए और कहा, 'मैंने हमेशा सोचा था कि मेरा अंत पीले जर्सी में ही होगा।' 'व्हिसल पोडू' फैन्स के साथ उनका यह रिश्ता आईपीएल इतिहास की सबसे भावुक खिलाड़ी-फ्रेंचाइज़ी बॉन्डिंग में से एक रहा है। आईपीएल

रिपोर्ट्स के अनुसार, डु प्लेसिस पीएसएल को एक नया चैलेंज मानते हैं। उन्होंने आईपीएल से दूरी को 'अंतिम विदाई' नहीं बताया, बल्कि भविष्य में लौटने की संभावना को खुले रूप में छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का बड़ा फैसला है, लेकिन आईपीएल के दरवाजे हमेशा पूरी तरह बंद नहीं हैं। 14 सीज़न में फाफ ने कई मैच विजयी पारियां खेलीं और आईपीएल को कई यादगार लम्हें दिए।

आंद्रे रसेल ने आईपीएल से लिया संन्यास

केकेआर के साथ नई भूमिका में आएंगे नजर

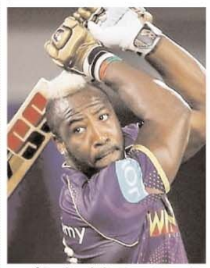

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे विस्फोटक ऑलराउंडर्स में से एक, आंद्रे रसेल ने आखिरकार आईपीएल से संन्यास की घोषणा कर दी। 12 सीज़न तक अपनी धमाकेदार हिटिंग, तेजतर्रार गेंदबाजी और मैच-बदलू प्रदर्शन से लीग में अपनी पहचान बनाने वाले रसेल अब केकेआर के सपोर्ट स्टाफ में 'पावर कोच' की नई भूमिका निभाएंगे। 37 वर्षीय कैरेबियाई स्टार ने 2014 से कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कई यादगार जीत दिलाई और अब वे उसी फ्रेंचाइज़ी के साथ नए सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फैसला उन्होंने मिनी ऑक्शन से ठीक पहले किया।

रसेल ने कहा आईपीएल को अलविदा, लेकिन केकेआर को नहीं

रसेल ने अपने आधिकारिक इंस्टा पोस्ट में भावुक संदेश साझा करते हुए बताया कि वे आईपीएल से रिटायर हो रहे हैं, लेकिन दुनिया की अन्य टी20 लीग में खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में लिखा कि वे 'स्वैग से रिटायर नहीं हो रहे।'

इसके साथ ही उन्होंने यह साफ कर दिया कि वे केकेआर परिवार का हिस्सा बने रहेंगे– बस अब खिलाड़ी नहीं, बल्कि कोच के रूप में। उनके अनुसार, 'यह मेरा घर है, और मैं 2026 से केकेआर के पावर कोच के रूप में वहीं रहूंगा। नया रोल, वही ऊर्जा।'

पोलार्ड के रास्ते पर चले रसेल—अब कोच की भूमिका

आंद्रे रसेल के इस फैसले से वे वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड की राह पर चलते दिखाई देते हैं। पोलार्ड मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच हैं, जबकि दुनिया की अन्य टी20 लीग में सक्रिय भी हैं। रसेल ने कहा कि वे आईपीएल में अपनी चमक फीकी होने से पहले ही एक मजबूत विरासत छोड़ना चाहते थे और इसी कारण यह निर्णय सही लगा। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि लोग कहें कि मुझे यह फैसला सालों पहले कर लेना चाहिए था। रिटायरमेंट तब अच्छा लगता है जब लोग पूछें– 'क्यों? तुम अभी भी खेल सकते थे।''

केकेआर मैनेजमेंट से लंबी बातचीत के बाद आया फैसला

रसेल ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने केकेआर के वेंकी मैसूर और टीम मालिक शाहरुख खान से इस नए रोल पर विस्तार से चर्चा की।

उनका कहना है कि फ्रेंचाइज़ी ने हमेशा उनका सम्मान किया और वे ऐसे वातावरण को छोड़ना नहीं चाहते थे। रसेल ने कहा, 'जब मैंने 'पावर कोच' के पद के बारे में सुना, तो लगा यह मेरे खेलने की शैली और मेरी ऊर्जा को सबसे बेहतर परिभाषित करता है।' उनका विश्वास है कि वे केकेआर के युवा खिलाड़ियों को पावर-हिटिंग और ऑलराउंड स्किल्स में काफी कुछ सिखा सकेंगे।

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी

टी20 क्रिकेट में लगाया तीसरा सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। सिर्फ 12 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक ने 32 गेंदों में सेंचुरी जड़कर घरेलू टी20 क्रिकेट में तहलका मचा दिया। हालांकि वे पुरुषों के टी20 क्रिकेट का सबसे तेज शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए, लेकिन भारतीय क्रिकेट में यह पारी उन्हें एक नई ऊंचाई पर ले जाती है। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान 11 छक्के और 7 चौके लगाए जबकि पंजाब ने टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया।

अभिषेक शर्मा का धमाका—32 गेंदों में सेंचुरी: अभिषेक शर्मा अपनी अग्रेसिव बैटिंग स्टाइल के लिए जाने जाते हैं और इस मैच में उन्होंने इसे एक बार फिर साबित कर दिया। शुरुआती ओवर से ही उन्होंने गेंदबाजों पर हावी होकर खेलना शुरू किया और जल्दी ही पावरप्ले में मैच का रुख बदल दिया। 32 गेंदों में 11 छक्के और 7 चौकों की मदद से उन्होंने अपना शतक पूरा किया। यह पारी सिर्फ आक्रामक नहीं, बल्कि पूरी तरह नियंत्रित भी रही, जहां हर शॉट योजना के साथ खेला गया।

विश्व रिकॉर्ड से केवल 5 गेंद दूर रहे अभिषेक : भले ही अभिषेक की शतकीय पारी यादगार रही हो, लेकिन वे पुरुषों के टी20 इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड से कुछ कदम दूर रह गए।

यह रिकॉर्ड एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान के नाम है जिन्होंने मात्र 27 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास बनाया था।

ला लीगा में बार्सिलोना ने अलावेस को 3-1 से हराया

● **ओल्मो के दो और यामाल ने एक गोल किया; बार्सिलोना पॉइंट टेबल में टॉप पर**

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंप नोउ के स्टेडियम में खेले गए मैच में दानी ओल्मो ने दो गोल किए, जबकि लैमिन यामाल ने टीम के लिए एक गोल दागा। मैच की शुरुआत में अलावेस ने पहले ही मिनट में बढ़त बना ली थी। पहले हाफ में तीन गोल मुकाबले की शुरुआत बार्सिलोना के लिए हैरान करने वाली रही।

पहले ही मिनट में मार्क कासाडो की गलत क्लियरेंस का फायदा उठाकर विक्टर पराडा की पास पर पाब्लो इबानेज ने गोल कर दिया और अलावेस को 1-0 की बढ़त दिला दी।इसके बाद बार्सिलोना ने तेजी से वापसी की और रफीन्हा के क्रॉस पर यामाल ने बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से पहले दानी ओल्मो ने रफीन्हा की ही सहायता पर गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में बार्सिलोना की ओर से एक गोल दूसरे हाफ में यामाल ने एक बार फिर मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट पोस्ट से टकरा गया।

भारत की ओमान पर 17-0 से शानदार जीत, क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के करीब

हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने चेन्नई के एग्मोर में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में अपने दूसरे पूल बी मैच में ओमान को 17-0 से हराकर पुरुषों के हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 में अपनी लगातार दूसरी जीत हासिल की। भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने शुक्रवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चिली को 7-0 से हराया था। अर्शदीप सिंह (4', 33', 40'), मनमीत सिंह (17', 26', 36') और दिलराज सिंह (29', 32', 58') ने हैट्रिक बनाई, जबकि अजीत यादवल (34', 47'), गुरजोत सिंह (39', 45') और लुवांग थोनाओजम इंगालेम्बा (43', 50') ने दो-दो गोल किए।अ नमोल एक्का (29') और शारदा नंद तिवारी (55') ने मैच के बाकी दो गोल किए।

अर्शदीप ने चौथे मिनट में गोल किया, लेकिन यह पहले क्वार्टर का एकमात्र गोल साबित हुआ, क्योंकि ओमान ने अपनी किस्मत और आखिरी समय में कुछ अच्छे डिफेंस के दम पर स्कोर 1-0 पर बनाए रखा। लेकिन, दूसरे पीरियड में मनमीत सिंह के दो गोल से भारत ने बढ़त बना ली, जिसके बाद दिलराज सिंह और अनमोल एक्का ने हाफ-टाइम तक भारत को 5-0 से आगे कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में जोरदार वापसी की, जिसमें मेज़बान टीम ने मेहमान टीम पर आठ गोल किए, जिसमें मनमीत और अर्शदीप ने अपनी-अपनी हैट्रिक पूरी कीं। भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी चार और गोल करके अच्छा प्रदर्शन किया, जब दिलराज सिंह ने 58वें मिनट में अपने हैट्रिक गोल से शानदार स्कोरलाइन को खत्म किया। भारत के पांच गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जबकि शारदा नंद तिवारी ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराया। बाकी 11 गोल ओपन प्ले से आए। इस जीत की वजह से, भारत अभी चल रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के ग्रुप बी में बेहतर गोल डिफरेंस के आधार पर टॉप पर है। इस नतीजे का यह भी मतलब है कि अगर भारत मंगलवार को अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में स्विट्जरलैंड से हार से बचता है, तो वह पूल विनर के तौर पर सीधे मेन्स हॉकी जूनियर वल्ड कप 2025 के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच जाएगा। अगर भारत स्विट्जरलैंड से हार जाता है जिसने भी दो मैचों में दो जीत हासिल की हैं, तो उसे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए छह रनर-अप टीमों में टॉप दो टीमों में शामिल होना होगा।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया के कचरा प्रोसेसिंग प्लांट में भीषण आग; 500 फीट तक लपटें उठी

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी में शनिवार देर रात एक कचरा प्रोसेसिंग प्लांट में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि वहां जोरदार धमाका हुआ और आग की लपटें करीब 500 फीट तक ऊपर उठ गईं। धमाके के साथ एक बड़ा केमिकल टैंक हवा में उड़ गया, जिसके के टुकड़े जमीन पर गिरे। ये टुकड़े मौके पर पहुंचे 200 से ज्यादा फायर फाइटर पर भी गिरे। दो फायर फाइटर्स के हाथों में हल्की चोट आई। हालांकि, अभी तक किसी और के घायल होने की खबर नहीं है। आग कैसे लगी, इसका अभी पता नहीं चल सका है। काठमांडो-पोखरा उड़ान से पक्षी टकराया, प्रोपेलर क्षतिग्रस्त बुद्ध एयर की काठमांडो-पोखरा उड़ान (विमान संख्या- 617) शनिवार को पोखरा विमान स्थल पर लैंडिंग के दौरान पक्षी से टकरा गई। एटीआर-72 विमान रनवे 12 की पूर्व दिशा से उतर रहा था, उसी दौरान पक्षी के टकराने से दाहिनी ओर के इंजन के एक प्रोपेलर में नुकसान हुआ। विमान में 68 यात्री सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। बुद्ध एयर के पोखरा कार्यालय के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हुई है कि विमान से टकराने वाला पक्षी गिद्ध था। विमान को काठमांडो लौटते समय यात्रियों को लेकर जाना था, लेकिन क्षति के आकलन और मरम्मत के बाद इसे दोबारा उड़ान के लिए अनुमति मिलेगी। पोखरा विमान स्थल के महाप्रबंधक जगन्नाथ निरौला के अनुसार एक माह पहले भी पोखरा से काठमांडो के लिए टेकऑफ कर रहा बुद्ध एयर का एक एटीआर विमान गिद्ध से टकराने के बाद रनवे पर लौट आया था। नेपाल के विमान स्थलों में पर्यटकीय नगरी पोखरा में अवस्थित एयरपोर्ट उन स्थानों में शामिल है, जहां पक्षियों की गतिविधि सबसे अधिक रहती है। अधिकारियों का कहना है कि इजिप्शियन वल्चर की आवाजाही पोखरा क्षेत्र में बार-बार दर्ज की जाती है, इसलिए पायलट और एयरलाइंस को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

पाकिस्तान में फंसी श्रीलंकाई महिला 18 साल बाद जुर्माना देकर देश लौटी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकाई महिला रशीना (65) पाकिस्तान में 18 साल से फंसे होने के बाद 2 दिसंबर को कोलंबो पहुंचेंगी। रशीना वीजा अवधि से अधिक रुकने पर लगाए गए 22 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना नहीं चुका पाने के कारण 18 साल तक पाकिस्तान में फंसी थी। रशीना ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि 18 साल पहले अपने पाकिस्तानी पति से साथ यहां आईं थी, लेकिन उनकी मौत के बाद वे यहां फंस गईं। उनके बच्चे और परिवार कोलंबो में ही हैं। अब्दुल सत्तार ईधी फाउंडेशन के चेयरमैन फैसल ईधी ने बताया कि उनकी मानवीय पीड़ा को देखते हुए सैलानी ट्रस्ट और मानवाधिकार वकील जिया आवान ने उनका केस लड़ा।

ब्लैक फ्राइडे पर कैलिफोर्निया के शॉपिंग मॉल में गोलीबारी

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया के सैन जोस में शुक्रवार को ब्लैक फ्राइडे की भीड़ के दौरान एक शॉपिंग मॉल को गोलीबारी के बाद खाली कराया गया। यह दिन अमेरिका में साल का सबसे व्यस्त शॉपिंग डे होता है। पुलिस ने वैलै फेयर मॉल में हुई इस घटना को एक अलग तरह का मामला बताया। सैन जोस पुलिस विभाग ने बताया कि गोली लगने से घायल हुए दो लोगों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। सांता क्लारा स्थित मॉल को जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से खाली कराया गया था।

शांति वार्ता से पहले रूसी हमले में कीव में 2 की मौत

कीव , एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार तड़के हुए रूसी हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। मेयर विटाली क्लित्स्को ने बताया कि 15 लोग घायल हुए हैं। यह हमले तब हुए, जब युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिकी नेतृत्व में शांति वार्ता शुरू होने वाली है। यूक्रेनी शांति वार्ताकार इस सप्ताहांत अमेरिका में अपने अमेरिकी समकक्षों से मिलेंगे। इसके बाद, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह मास्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेगा।

लंदन में इस्कॉन ने फिर हासिल किया मंदिर परिसर

लंदन , एजेंसी। इस्कॉन संस्था ने लंदन में अपने ऐतिहासिक पहले मंदिर परिसर 7 ब्यूरी प्लेस को नीलामी में दोबारा खरीद लिया है। इसकी कीमत 11.6 लाख पाउंड (करीब 138 करोड़ रुपये) बताई गई है। संगठन ने इसे अपनी आध्यात्मिक विरासत से जुड़ा पूर्ण चक्र का क्षण बताया है। ब्लूम्सबरी इलाके में स्थित यह इमारत इस्कॉन की ब्रिटेन में शुरुआत का प्रतीक है।

अफगानों पर कार्रवाई से भड़का पूर्व यूएस सैनिक

कहा- एक क्या, 10 ट्रंप आ जाएं तब भी कुछ नहीं होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सत्ता का केंद्र वाइट हाउस के बाहर हुई गोलीबारी के आरोप में अफगान नागरिक को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने ऐक्शन लेते हुए अफगान प्रवासियों के इमीग्रेशन पर रोक लगा दी। ट्रंप टीम के इस फैसले का पूर्व अमेरिकी सैनिक अहमद शाह मोहिबी ने जमकर विरोध किया और अमेरिकी राष्ट्रपति को अफगानिस्तान मुद्दे पर आईना दिखाने की भी कोशिश की।

रिपोर्ट के मुताबिक मोहिबी ने बताया कि अमेरिकी सरकार ने इराक और अफगानिस्तान के युद्ध के दौरान स्पेशल इमीग्रेंट वीजा सिस्टम शुरू किया था। यह मूल रूप से उन लोगों के लिए था जो दुभाषिए या अनुवाद के रूप में वर्षों से अमेरिकी सैनिकों की मदद कर रहे थे, लेकिन धीरे-धीरे इसमें लगभग सभी को शामिल कर लिया गया।

मोहिबी ने बताया कि हालांकि वाइट हाउस के बाहर गोलीबारी करने वाला शख्स लकनवाल स्पेशल ट्रीटमेंट वीजा के तहत अमेरिका नहीं आया था। वह उस समय अमेरिका आया जब जो बाइडन ने सैनिकों को वहां से निकालने की शुरुआत की थी। वहां पर मौजूद सैनिकों की मदद करने वाले स्थानीय लोगों की जान को भी खतरा था, ऐसे में अमेरिका ने उनके लिए ऑपरेशन अलाइज वेलकम शुरू किया था। इसके तहत वह यहां आया था। इतना ही नहीं इसमें केवल बाइडन ही जिम्मेदार नहीं है। 2024 में लकनवाल ने शरणार्थी दर्जे के लिए आवेदन किया था। इसे बाद में ट्रंप प्रशासन ने मंजूरी दे दी। मोहिबी ने अफगान समुदाय को सामूहिक रूप से निशाना बनाने के ट्रंप प्रशासन के फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा, 'मेरा कहना सिर्फ इतना है कि अगर उसने बंदूक उठाई तो इसका मतलब यह नहीं है कि पूरा अफगान समुदाय ही आतंकवादी है। उसने गुनाह किया है उसे सजा मिलनी चाहिए, लेकिन पूरे अफगान समुदाय को निशाना बनाना सही नहीं है।'

अमेरिकी बार का ऑफर- अप्रवासियों को पकड़वाओ, अनलिमिटेड फ्री-बीयर पाओ

यूजर्स बोले- यह गेम की तरह; विनर घोषित करने और लीडर बोर्ड बनाने की सलाह दी

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के इडाहो राज्य के एक फेमस बार ओल्ड स्टेट सैलून ने एक चौंकाने वाला ऑफर दिया है।

बार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अगर कोई भी व्यक्ति अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट की मदद करके इडाहो में मौजूद किसी अवैध अप्रवासी (इमिग्रेंट) की पहचान करवाए और उसे अमेरिका से डिपोर्ट करवाने में सफल रहे, तो उसे पूरे एक महीने तक बार में अनलिमिटेड फ्री बीयर मिलेगी।

कई यूजर्स ने इसे गेम जैसा बताया। वहीं, कुछ ने विनर घोषित करने और लीडर बोर्ड बनाने की सलाह दी। कुछ यूजर्स ने तो जिंदगीभर फ्री बीयर देने की मांग तक कर दी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इमिग्रेशन पॉलीसी को और सख्त कर दिया है। उन्होंने हाल ही में 'थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज' से आने वाले शरणार्थियों को हमेशा के लिए रोक देने का ऐलान

किया था।

यह बार पहले भी विवादों में रहा है क्योंकि इसी ने पिछले साल जून महीने को हेट्रोसेक्शुअल अवेयरनेस मंथ घोषित किया था। बार ने कहा था कि इस महीने सिर्फ हेट्रोसेक्शुअल लोग ही विशेष ऑफर या छूट पाएंगे। जिसकी वजह से काफी विवाद हुआ था।

इस पोस्ट को अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय की आधिकारिक हैंडल ने रीपोस्ट कर दिया और उसके साथ एक रिएक्शन जीआइएफ लगाया। जीआइएफ में 1991-94 के मशहूर अमेरिकी टीवी शो डायनासोर का मुख्य किरदार अर्ल सिंक्लेयर हैरान होकर अपने हाथ से बीयर का ग्लास गिराता हुआ दिखाया गया है। यानी सरकारी विभाग ने भी इस ऑफर पर हैरानी और हल्का-फुल्का मजाकिया अंदाज दिखाया। बार ने ष्ठ॥स्- के इस रिएक्शन का जवाब देते हुए लिखा स्न्1द्ग द्बह्! यानी उन्हें यह बहुत पसंद आया। पोस्ट के वायरल होने के बाद एक्स पर कुछ लोगों ने इसका मजाक उड़ाया तो कुछ लोगों ने सुझाव दिए। कुछ यूजर्स ने कहा कि एक डिपोर्टर लीडरबोर्ड बनना चाहिए, जिसमें सबसे ज्यादा अवैध प्रवासियों को पकड़वाने वाले का नाम टॉप पर रहे। कुछ ने तो डिपोर्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड की मांग की और कहा कि विजेता को जीवन भर फ्री बीयर मिलनी चाहिए। बार ने इन सुझावों पर सकारात्मक जवाब देते हुए लिखा कि यह आइडिया बहुत अच्छे हैं और वे इस पर गंभीरता से विचार करेंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल में इमिग्रेशन को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 15 नवंबर 2025 तक लगभग 53,000 इमिग्रेंट को हिरासत में लिया जा चुका है। 28 नवंबर को ट्रम्प ने कहा था कि वह 'थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज' से आने वाले शरणार्थियों को हमेशा के लिए रोक देंगे, ताकि अमेरिका फिर से मजबूत हो सके। ट्रम्प ने कहा था कि इमिग्रेशन पॉलिसी की वजह से देश के लोगों की जिंदगी बदतर हो चुकी है।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र की चाकू मारकर हत्या

झगड़े के बाद हमले का शक; विजय सरकारी नौकरी छोड़ पढ़ने गए थे

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन में 30 साल के भारतीय छात्र विजय कुमार की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। वह हरियाणा के चरखी दादरी जिले का रहने वाला था। परिवार ने भारत सरकार से तुरंत मदद, निष्पक्ष जांच और शव को जल्द से जल्द भारत लाने की गुहार लगाई है।

यह दर्दनाक घटना 15 नवंबर की रात वॉर्सेस्टर शहर के बारबॉर्न रोड पर हुई। विजय कुमार को गंभीर चोटों के साथ सड़क पर पड़ा पाया गया था। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ देर बाद उन्होंने दम तोड़ दिया।

शुरुआती पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, हत्या से पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उन पर चाकू से कई वार किए गए। हालांकि, अभी तक हत्या का सही मकसद साफ नहीं हो सका है और ब्रिटिश पुलिस ने इस घटना के बारे में कोई डिटेल जारी नहीं की है। चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल

सांगवान ने सोशल मीडिया पर इस घटना की जानकारी शेयर करते हुए केंद्र और राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने लिखा, हम सरकार से अपील करते हैं कि छात्र के शव को जल्द से जल्द भारत लाया जाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके।

परिवार का कहना है कि विजय बहुत होनहार और मेहनती छात्र था। विदेश में पढ़ाई का सपना पूरा करने गया उनका बेटा अब हमेशा के लिए खामोश हो गया। विजय ने 2025 की शुरुआत में सेंट्रल बोर्ड ऑफ एक्साइज एंड कस्टम्स की नौकरी से इस्तीफा दिया और ब्रिटेन में हायर एजुकेशन के लिए आवेदन किया था। वे ब्रिस्टल स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ द वेस्ट ऑफ इंग्लैंड में पढ़ाई कर रहे थे।

वह कोच्चि में अपनी आखिरी पोस्टिंग पर तैनात थे, जब उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ी थी। हरियाणा में विजय का परिवार आशंका जता रहा है कि इस अपराध में हरियाणा या पंजाब का कोई व्यक्ति शामिल हो सकता है।

पिछले कुछ महीनों में विदेशों में भारतीय छात्रों और नागरिकों पर हमलों की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, खासकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी और आयरलैंड जैसे देशों में।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2020 से 2024 तक 91 हमलों की रिपोर्ट आई। 2024 में ही 40 से ज्यादा मामले दर्ज हुए। इनमें चाकूबाजी, गोलीबारी, नस्लीय हिंसा और रहस्यमयी मौतें शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती संख्या के साथ भारतीय छात्रों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के एक नागरिक सौरभ आनंद पर मेलबर्न के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के बाहर पांच नाबालिगों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों में सौरभ की कलाई काट दी थी।

पाकिस्तान गाजा में भेजेगा सैनिक

उप प्रधानमंत्री डार बोले- हमास से समर्पण करवाना हमारा काम नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी।
मध्य पूर्व में जारी गाजा संकट को लेकर पाकिस्तान ने बड़ा कदम उठाया है। उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने शनिवार को घोषणा की कि पाकिस्तान गाजा में इंटरनेशनल सिक्योरिटी फोर्स की सहायता के लिए सैनिक भेजेगा।

डार ने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान का उद्देश्य किसी भी समूह से समर्पण करवाना नहीं है, यह फिलिस्तीनी प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय कानून का विषय है।

डार ने कहा कि गाजा में किसी भी मिशन से पहले इस बात की जरूरत है कि सैनिकों की भूमिका, विनियमन, अधिकार और जिम्मेदारियां बिल्कुल स्पष्ट हों। ढ्ढस्स्न का मुख्य उद्देश्य युद्धोपरांत गाजा पट्टी में स्थिरता, सुरक्षा और मानवीय व्यवस्था को बहाल करना है। डार ने साफ कहा कि हमास से समर्पण करवाना पाकिस्तान का काम नहीं है। यह फिलिस्तीन के कानून और संबंधित अधिकारियों का दायित्व है, अन्य देशों को इसमें दखलंदाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान केवल शांति और स्थिरता बहाल करने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में योगदान देगा। डार ने यह भी दावा किया कि पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान 4,000 सैनिकों की मौत और 20,000 से अधिक जवानों के घायल होने जैसी भारी कीमत चुका चुका है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता संभालने के बाद पाकिस्तान को सुरक्षा और आतंकवाद के मोर्चे पर गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) के लड़ाकों को सीमा इलाके में पनाह नहीं दी जानी चाहिए। डार ने दावा किया कि हाल में तालिबान सरकार ने उन्हें जानकारी दी कि सैकड़ों टीटीपी उग्रवादियों को हिरासत में लिया गया है। अफगान विदेश मंत्री अमीर मुत्ताकी ने पाकिस्तान को प्रतिनिधिमंडल भेजकर इन उग्रवादियों की गिरफ्तारी की पुष्टि करने को भी कहा है।

चीन के लिए काल बनेगा ताइवान का 'टी-डोम'

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने हाल ही में देश की सबसे महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना 'टी-डोम' की आधिकारिक घोषणा की। इसकी तुलना इजरायल के मशहूर आयरन डोम से की जा रही है। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि ताइवान का टी-डोम आयरन डोम से भी अधिक पावरफुल होगी, क्योंकि इसे चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लड़ाकू विमानों, बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोनों सभी तरह के खतरों से एक साथ निपटना है। दरअसल, ताइवान सरकार ने अगले कई वर्षों में रक्षा बजट में अतिरिक्त 40 बिलियन डॉलर जोड़ने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें टी-डोम को विकसित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने चीन के बढ़ते खतरे का मुकाबला करने के लिए टी-डोम के निर्माण में तेजी लाने का वादा किया है। बता दें कि ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने टी-डोम की घोषणा लाई ने 10 अक्टूबर को की थी। टी-डोम को चीनी लड़ाकू विमानों, मिसाइलों या ड्रोनों के संभावित हमले से लोकतांत्रिक द्वीप की रक्षा के लिए डिजाइन किया जाएगा। टी-डोम की तुलना इजरायल की आयरन डोम से की जा रही है। लेकिन दोनों में अंतर है। ताइपे स्थित सुरक्षा विश्लेषक जे. माइकल कोल ने बताया कि आयरन डोम मुख्य रूप से कम दूरी के हथियारों के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि टी-डोम को खतरों की एक बहुत व्यापक श्रृंखला का सामना करना पड़ेगा।

जेलेंस्की के सबसे ताकतवर सहयोगी का इस्तीफा

कौन हैं एंड्री यरमक, जिनके जाने से यूक्रेन में मची हलचल

यूक्रेन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक ने शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारियों द्वारा उनके घर पर छापेमारी के बाद उन्हें अपने पद से हटना पड़ा। यह पूरा मामला 100 मिलियन डॉलर के किकबैक घोटाले से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

एंड्री यरमक यूक्रेन के दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माने जाते थे और रूस के आक्रमण के दौरान कूटनीति व शांति वार्ताओं के प्रमुख चेहरा थे। उन्होंने विदेशी संपर्कों का प्रबंधन किया और कीव में आने वाले नेताओं की मेजबानी की। इसके अलावा वे सैन्य एवं

राजनयिक समर्थन के लिए राष्ट्रपति के साथ अंतरराष्ट्रीय मिशनों पर भी गए। एंड्री यरमक का जन्म कीव में हुआ। यरमक ने टारस शेवचेंको नेशनल यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय निजी कानून की पढ़ाई की। इसके बाद 1997 में अपनी लॉ फर्म शुरू की। अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत उन्होंने पार्टी ऑफ रीजन्स के सांसद और पूर्व ओलंपिक पहलवान एल्ब्रस टेडेयेव के कानूनी सलाहकार के रूप में की। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया में भी कदम रखा, 2012 में उन्होंने गार्नेट मीडिया ग्रुप की स्थापना की। यह ग्रुप यूक्रेनी फिल्मों और टीवी प्रोजेक्ट्स पर काम करता था। 2011 में उनकी पहली मुलाकात जेलेंस्की से हुई, जब वे इंटर चैनल के जनरल प्रोड्यूसर थे। जेलेंस्की के राष्ट्रपति बनने के बाद यरमक को विदेश नीति सहायक बनाया गया। यरमक ने रूस के साथ कैदियों की अदला-बदली और अमेरिका के साथ संचार संभाला। इसके बाद 2020 में वे चीफ ऑफ स्टाफ और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्य बने। रूस के 2022 के आक्रमण के बाद वे मानवीय मामलों के समन्वयक भी बने। अक्सर जेलेंस्की जैसी मिलिट्री स्टाइल पोशाक में नजर आने वाले यरमक को ग्रीन कार्डिनल का उपनाम मिला था। इसके बाद उन्हें लगभग सह-राष्ट्रपति, यूक्रेन का सबसे शक्तिशाली अनिर्वाचित व्यक्ति माना जाने लगा।

कैलिफोर्निया में बच्चे की बर्थडे पार्टी में गोलीबारी

लोग बोले- हमें लगा कि जश्न में पटाखे फूट रहे हैं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।
कैलिफोर्निया के स्टॉकटन शहर के ल्यूसिल एवेन्यू इलाके में शनिवार रात को एक बैंक्वेट हॉल में अचानक गोलीबारी हो गई। इस हॉल में बच्चे की बर्थडे पार्टी चल रही थी। घटना में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, कुल 14 लोगों को गोली लगी थी, जिनमें से 4 ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर के उप-मेयर जेसन ली ने फेसबुक पर लिखा, 'आज मेरा दिल बहुत भारी है। एक बच्चे के जन्मदिन की पार्टी में हुई इस सामूहिक गोलीबारी से मैं दुखी और गुस्से में हूं। हमारी कम्युनिटी को सच जानने का हक है और पीड़ित परिवारों

को न्याय और हर संभव मदद मिलनी चाहिए।'

उप-मेयर जेसन ली ने कहा, 'जन्मदिन की पार्टी कभी भी ऐसी जगह नहीं होनी चाहिए जहां परिवारों को अपनी जान का डर हो। यह डरावना है। एक नेता के रूप में अपने लोगों को इससे गुजरते देखना मुझे अंदर तक झकझोर देता है।' उन्होंने आगे कहा,'मैं कर्मचारियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं ताकि समझ सकूं कि क्या हुआ था, और मैं जवाब पाने की कोशिश करूंगा। आज रात, मैं उन परिवारों के लिए अपनी संवेदनाएं, प्रार्थनाएं और प्यार व्यक्त करता हूं जो इस पीड़ा से गुजर रहे हैं।'

यह घटना एक बैंक्वेट हॉल में हुई जहां एक लोग जश्न मना रहे थे। जश्न के दौरान, गोलीबारी शुरू हो गई। सैन जोक्विन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, पीड़ितों में बच्चे और बड़े दोनों शामिल हैं। शेरिफ कार्यालय की प्रवक्ता हीथर ब्रेंट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि शुरूआती संकेत से यह एक सोची समझी साजिश लग रही हैं। ब्रेंट ने कहा, 'इस समय हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना है।'

पुलिस अधिकारियों ने अभी तक पीड़ितों की उम्र या हमलावर के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। पुलिस पूरे इलाके की घेराबंदी कर जांच कर रही है और लोगों से उस क्षेत्र में न जाने की अपील की है। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोलीबारी इतनी तेज थी कि उन्हें लगा जैसे पटाखे फूट रहे हैं। एक गवाह ने कहा, 'हम पास में ही एक बच्चे के जन्मदिन की पार्टी मना रहे थे, हमें लगा खुशी में आतिशबाजी हो रही है।'

मिसिसिपी में हुई गोलीबारी में हुई थी छह की मौत: बीते माह अमेरिका के मिसिसिपी डेल्टा क्षेत्र में भी गोलीबारी की घटना हुई थी। दो अलग-अलग जगहों पर हुई गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य लोग घायल हो गए। राज्य के सीनेटर डेरिक सिमंस ने बताया कि एक घटना में लीलैंड शहर में हाई स्कूल फुटबॉल होमकमिंग गेम के बाद गोलीबारी हुई। इसमें चार लोगों की मौत हुई और 4 अन्य घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना हाइडलबर्ग शहर में हाई स्कूल होमकमिंग वीकेंड के दौरान स्कूल परिसर में गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

क्या रोजाना दे सकते हैं चंद्रमा को अर्घ्य?

सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर।

हिन्दू धर्म में अर्घ्य देना पूजा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है। सनातन परंपरा में हर देवी-देवता एवं ग्रह को अलग-अलग प्रकार से अर्घ्य दिया जाता है। मुख्य रूप से सूर्य अर्घ्य को सबसे ज्यादा फलदायी और शुभ माना जाता है। इसके अलावा, चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं लेकिन कुछ विशेष तिथियों या फिर पर्वों पर। वहीं, कई लोग रोजाना चंद्रमा को भी अर्घ्य देते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सूर्य अर्घ्य की तरह ही रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देना सही है या गलत और क्या है इसके पीछे का तर्क।

रोजाना चंद्रमा को अर्घ्य देने से क्या होगा?

- पौराणिक कथा के अनुसार, चंद्रमा कलंकित हैं क्योंकि उन्हें श्री गणेश का श्राप मिला हुआ है जिसके आधार पर कोई भी व्यक्ति चंद्रमा की पूजा करता है तो उसके घर से सुख-समृद्धि चली जाएगी और कलंक भी लगेगा।
- यूं तो श्राप के अनुसार किसी भी माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन चंद्रमा पूजन की मनाही है लेकिन रोजाना भी शास्त्रों में चंद्रमा की आराधना करना वर्जित माना गया है। अर्घ्य देना भी निषेध है।
- शास्त्रों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि कुछ प्रमुख तिथियों के अलावा जो पूजा-पाठ सूर्यास्त के बाद किया जाता है वह सात्विक नहीं बल्कि तांत्रिक श्रेणी में आता है।
  चंद्रमा को अर्घ्य भी रात के समय ही दिया जाता है।
- ऐसे में चंद्रमा को रोजाना रात में अर्घ्य देना पूजा-पाठ में दोष उत्पन्न करेगा और घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी बढ़ेगा। साथ ही, चंद्रमा की स्थिति भी कुंडली में मजबूत होने के बजाय कमजोर होती चली जाएगी।
- चंद्रमा को अर्घ्यन या चंद्रमा की पूजा करवा चौथ या अहोई अष्टमी जैसे व्रतों के दौरान ही शुभ मानी गई है। इसके अलावा, पूर्णिमा तिथि पर भी चंद्रमा को अर्घ्य दे सकते हैं। इस तिथि पर चंद्र अर्घ्य से घर में शुभता आती है।

क्या है खाटू श्याम का इतिहास

पहले हो गई मृत्यु, फिर बने भगवान

खाटू श्याम जी, जिन्हें हारे का सहारा और तीन बाण धारी के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्रीकृष्ण के कलयुग अवतार माने जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर कब और कैसे सृष्टि में शुरू हुई थी खाटू श्याम बाबा की पूजा।

बर्बरीक का जन्म और आरंभ का जीवन

खाटू श्याम जी का मूल नाम बर्बरीक था। वे पांडु पुत्र भीम और नाग कन्या हिडिम्बा के पौत्र थे। उनके पिता का नाम घटोत्कच था, जो अपनी मायावी शक्तियों के लिए जाने जाते थे। बर्बरीक बचपन से ही बहुत शक्तिशाली और वीर थे। उन्होंने अपनी माता मोरवी से युद्ध कला और भगवान शिव से अनेक अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान प्राप्त किया था। भगवान शिव ने उन्हें तीन ऐसे दिव्य बाण प्रदान किए थे, जिनसे वे तीनों लोकों को जीत सकते थे। इन बाणों की विशेषता यह थी कि वे एक ही बाण से किसी भी लक्ष्य को चिह्नित कर सकते थे, दूसरे बाण से उसे नष्ट कर सकते थे, और तीसरे बाण से उसे वापस अपने पास बुला सकते थे। इसी कारण उन्हें तीन बाण धारी भी कहा जाता है।

महाभारत युद्ध में बर्बरीक का प्रवेश

जब महाभारत का युद्ध निश्चित हुआ, तो बर्बरीक को भी अपनी वीरता दिखाने का अवसर मिला। वे अपनी माता मोरवी से आशीर्वाद लेकर युद्ध में शामिल होने के लिए निकल पड़े। उन्होंने अपनी माता को वचन दिया था कि वे युद्ध में हमेशा उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा। युद्धभूमि की ओर जाते हुए, बर्बरीक एक पीपल के पेड़ के नीचे बैठे भगवान श्रीकृष्ण से मिले, जो ब्राह्मण वेश में थे। श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की वीरता का परीक्षण करने के लिए उनसे पूछा कि वे किस पक्ष से युद्ध लड़ेंगे। बर्बरीक ने अपनी माता को दिए वचन के अनुसार कहा कि वे उस पक्ष का साथ देंगे, जो कमजोर होगा या हार रहा होगा।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की शक्तियों को जानते हुए सोचा कि यदि बर्बरीक ने यह वचन निभाया, तो युद्ध का परिणाम बदल सकता है। उन्होंने बर्बरीक से कहा कि यदि वे इतने शक्तिशाली हैं, तो क्या वे एक ही बाण से इस पीपल के पेड़ के सभी पत्तों को भेद सकते हैं? बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने एक बाण से पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया। एक पत्ता श्रीकृष्ण के पैर के नीचे छिपा हुआ था, जिसे भेदने के लिए बाण उनके पैर के पास रुका। यह देखकर श्रीकृष्ण को बर्बरीक की शक्ति और वचनबद्धता पर पूरा विश्वास हो गया।

शीश का दान और वरदान

श्रीकृष्ण ने तब बर्बरीक को अपने वास्तविक रूप में दर्शन दिए और उन्हें बताया कि युद्ध में विजय प्राप्त करने के लिए किसी महान योद्धा के शीश का दान आवश्यक है। उन्होंने बर्बरीक से उनके शीश का दान मांगा। बर्बरीक, जो अपने वचन के पक्के थे, ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपना शीश दान करने की सहमति दे दी। उन्होंने एक अंतिम इच्छा व्यक्त की कि वे महाभारत के पूरे युद्ध को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं।श्रीकृष्ण ने उनकी यह इच्छा पूरी की और उनके शीश को एक ऊँचे स्थान पर स्थापित कर दिया, जहाँ से बर्बरीक ने पूरे युद्ध को देखा। युद्ध समाप्त होने के बाद, पांडवों में यह बहस छिड़ गई कि युद्ध में विजय का श्रेय किसे जाता है। तब श्रीकृष्ण ने बर्बरीक के शीश से पूछा, जिस पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि उन्होंने युद्धभूमि में केवल श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र को शत्रुओं का संहार करते हुए देखा और द्रौपदी को शक्ति रूप में देखा। यह सुनकर सभी पांडव चकित रह गए।

श्रीकृष्ण बर्बरीक के इस महान त्याग और भक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने बर्बरीक को वरदान दिया कि कलयुग में वे उनके नाम से पूजे जाएंगे और जो भी भक्त हारे हुए या निराश होंगे, उनका सहारा बनेंगे। श्री कृष्ण ने कहा कि जो भी भक्त उनके नाम का स्मरण करेगा, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। इसके बाद, बर्बरीक का शीश राजस्थान के खाटू गांव में मिला, जहां एक मंदिर का निर्माण किया गया और वे खाटू श्याम जी के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज भी लाखों भक्त खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आते हैं और उन्हें हारे का सहारा मानते हैं। उनकी पूजा विशेष रूप से फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष की एकादशी और द्वादशी को की जाती है, जिसे श्याम बाबा का फाल्गुन मेला कहा जाता है।

खाटू श्याम भगवान को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

पिछले कुछ समय से खाटू श्याम भगवान का नाम चारो तरफ छाया हुआ है। यहां तक की सोशल मीडिया पर भी खाटू श्याम के चमत्कार से जुड़े कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। खाटू श्याम जी का दर्शन करने के लिए न केवल आस-पास के गांवों बल्कि देशभर से लोग आते हैं। बता दें कि खाटू श्याम को हारे का सहारा भी कहा जाता है। पर, इसके पीछे की कहानी क्या है इसकी जानकारी बहुत कम लोगों को है।

कौन हैं खाटू श्याम भगवान?

श्री कृष्ण के कलयुगी अवतार को ही खाटू श्याम के नाम से जाना जाता है। राजस्थान के सीकर जिले में खाटू श्याम का प्राचीन मंदिर बना है, जहां हर रोज लंबी-लंबी कतारों में लोग दर्शन करने पहुंचते हैं। दरअसल, माना जाता है कि जब पांडव अपनी जान बचाने के लिए वन में गए थे, तो भीम का सामना हिडिंबा से हुआ था। हिडिम्बा के पुत्र का नाम घटोखा रखा और घटोखा के पुत्र का नाम बर्बरीक है, जिन्हें आप आप खाटू श्याम के नाम से जानते हैं।

खाटू श्याम को क्यों कहा जाता है हारे का सहारा?

खाटू श्याम भगवान को हारे का सहारा कहा जाता है क्योंकि वो अपनी मां को बोलकर गए थे कि युद्ध में जो भी हारेगा मैं उसके साथ दूंगा। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से कहा था कि एक तीर से पेड़ के सारे पत्ते गिराकर दिखाओ। ऐसा कहकर उन्होंने 1 पत्ता पैर के नीचे दबा लिया। इसके बाद तीर उनके पास आकर घूमने लग गया था। इससे सबको पता चला कि खाटू श्याम कितने शक्तिशाली हैं। इसके बाद कृष्ण भगवान ने खाटू श्याम से उनका सिर मांगा था और उसे सबसे ऊपर रखकर युद्ध देखने के लिए कहा था। यही कारण है कि उन्होंने हारे का सहारा कहा जाता है।

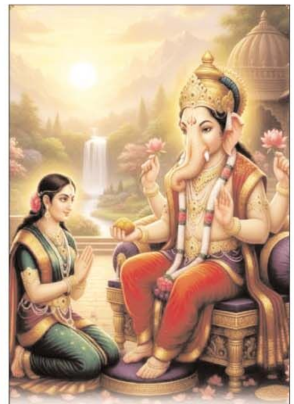

गणेश जी ने अपनी ही मां देवी पार्वती को कौन सा वरदान दिया था?

भगवान गणेश जिन्हें विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य माना जाता है माता पार्वती के अत्यंत प्रिय और आज्ञाकारी पुत्र हैं। उनका जन्म माता पार्वती ने अपने शरीर के मैल और दिव्य शक्ति से किया था। मां और पुत्र का यह संबंध अत्यंत पवित्र और अनोखा है और इसमें ममता और भक्ति का गहरा भाव छिपा है। भगवान गणेश ने अपनी मां की आज्ञा का पालन करने के लिए अपना मस्तक भी कटवा दिया था जिसके बाद उन्हें हाथी का सिर लगाकर पुनर्जीवित किया गया और सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूजनीय होने का वरदान मिला। ऐसा कहा जाता है कि माता पार्वती ने श्री गणेश को एक मां के तौर पर सभी प्रकार की शिक्षा प्रदान की और श्री गणेश ने भी एक पुत्र के तौर पर उन सभी शिक्षाओं को ग्रहण किया, लेकिन एक घटना ऐसी भी है जब श्री गणेश ने अपनी मां माता पार्वती को एक वरदान दिया था।

श्री गणेश ने माता पार्वती को क्या वरदान दिया था?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान गणेश ने अपनी माता देवी पार्वती को एक बहुत ही विशेष और महत्वपूर्ण वरदान दिया था। यह वरदान विशेष रूप से संकष्टी चतुर्थी के व्रत से संबंधित है जिसे माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, सुख और समृद्धि के लिए रखती हैं। जब माता पार्वती ने अपने पुत्र गणेश के लिए एक विशेष व्रत और पूजा की थी जिसे आज संकष्टी चतुर्थी के रूप में जाना जाता है, तब गणेश जी अपनी मां की भक्ति और प्रेम से अत्यंत प्रसन्न हुए थे। प्रसन्न होकर भगवान गणेश ने अपनी माता पार्वती को एक अत्यंत दिव्य वरदान दिया।

वरदान अनुसार, संसार की जो भी नारी इस संकष्टी चतुर्थी का व्रत और पूजन पूरी श्रद्धा और सच्चे मन से करेगी उसे श्री गणेश के भांति ही आज्ञाकारी, स्नेही, दीर्घायु और यशस्वी संतान की प्राप्ति होगी। साथ ही, माताओं पर हमेशा देवी पार्वती की असीम कृपा भी बनी रहेगी। इस वरदान के माध्यम से गणेश जी ने अपनी मां के मातृत्व सुख को संसार की सभी माताओं तक पहुंचाने का आशीष दिया। यह वरदान न केवल संतान की प्राप्ति के लिए था बल्कि संतान के जीवन के सभी संकटों को हरने वाला भी था क्योंकि गणेश स्वयं विघ्नहर्ता हैं।

इसलिए, आज भी संकष्टी चतुर्थी के दिन माताएं श्री गणेश का व्रत करती हैं ताकि उन्हें और उनकी संतान को गणेश जी जैसा सुख, सौभाग्य और सभी प्रकार के विघ्नों से मुक्ति प्राप्त हो सके। यह वरदान माता पार्वती को पुत्र-प्रेम की पराकाष्ठा के रूप में मिला प्राप्त हुआ था।

सुख-समृद्धि के लिए घर की रसोई में जरूर करने चाहिए ये काम

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में घर की रसोई को बहुत अहम माना गया है। घर की रसोई में मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी का वास स्थापित होता है। इसके अलावा, घर की बरकत में महत्वपूर्ण भाग रसोई का भी माना जाता है। ऐसे में अगर घर की रसोई से जुड़े कुछ उपाय किये जाएं तो घर में सुख-समृद्धि आती है और घर में मौजूद नकारात्मकता भी दूर हो जाती है। इसके अलावा, और भी कई लाभ मिलते हैं।

घर की रसोई में करें मां अन्नपूर्णा की स्थापना

घर की रसोई में अनाज रखा जाता है और अनाज को सबसे ज्यादा पवित्र माना गया है। ऐसे में अनाज रखने की जगह पर मां अन्नपूर्णा की फोटो या प्रतिमा स्थापित करने से घर की बरकत हमेशा बनी रहती है और घर की उन्नति होती है।

रसोई को रोजाना धोएं

घर की रसोई को रोजाना पानी से धोना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे घर की रसोई की शुद्धता बनी रहती है। साथ ही, मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी मिलता है और घर की नकारात्मकता नष्ट होती है। सकारात्मकता संचारित होती है।

घर की रसोई की देहलीज रोजाना पूजे

घर की रसोई की दहलीज की रोजाना सुबह और शाम पूजा करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि रसोई की दहलीज में नवग्रहों का वास माना गया है। ऐसे में दहलीज की पूजा करने से नव ग्रह शांत होते हैं और अपनी कृपा घर पर बरसाते हैं।

घर की रसोई में रोजाना कपूर जलाएं

घर की रसोई में रोजाना संध्याकाल के समय कपूर अवश्य जलाना चाहिए। कपूर जलाकर उसका धुआं घर की रसोई में करने से घर का वातावरण पवित्र होता है और अगर रसोई से जुड़ा कोई वास्तु दोष है तो वह भी जल्दी ही दूर हों लग जाता है।